શબ્દાંગણ SHABDANGAN शब्दांगन

शब्दांगण

Issue : 23 | 2025-2026

श्री नागपुर गुजराती मंडल द्वारा संचालित
वी.एम. वी.वाणिज्य, जे.एम.टी.कला
एवं जे.जे.पी.विज्ञान महाविद्यालय
वर्धमान नगर, नागपुर-440008

Shri Nagpur Gujrati Mandal's
VMV COMMERCE JMT ARTS
& JJP SCIENCE COLLEGE
Wardhaman Nagar, Nagpur - 440008

Vision & Mission

VISION

To inspire and empower students from diverse backgrounds to become competent individuals by offering comprehensive education."

MISSION

- To create equal opportunities and make education accessible to students from diverse social groups.
- To empower students with the necessary skills and knowledge to contribute meaningfully to the socio-economic development of society.
- To promote scientific inquiry and awareness of technological advancements among students so that they can keep pace with scientific research and development.
- To instil a sense of empathy among students so that they develop into morally responsible individuals.

प्रकाशक : प्राचार्य
वी.एम. वी.वाणिज्य, जे.एम.टी.कला
एवं जे.जे.पी.विज्ञान महाविद्यालय
वर्धमान नगर, नागपुर-440008

CONTENTS

1.	Editorial Board	3
2.	Message : Shri Yogeshbhai Patel, Ex-officio Chairperson	5
3.	Message : Adv. Narendrabhai Jha, President	6
4.	Message : Dr. A. I. Mudgal, Principal	7
5.	Editorial : Dr. Abha Singh	8
6.	Student Editorial : Rahul Chouhan	10
7.	Office Bearers of Shri Nagpur Gujarati Mandal	12
8.	College Development Committee	13
9.	University Merit Achievers	14
10.	Merit Achievers	15
11.	Student Council - 2025-26	16
12.	गौरवगान... स्वाभिमान... कीर्तिमान...	18
13.	खेलजगत की खबर	22
14.	कलाविष्कार – कलासंवर्धन	24
15.	सामाजिक दायित्व की संकल्पबध्दता	26
16.	सामाजिक उत्तरदायित्व **NSS Gallery**	27
17.	Green Club Activities	34
18.	Training & Placement - Workshop &Seminar	35
19.	Enrichment Program	38
20.	Department Activities	41
21.	College Staff & Group Photograph	57

सृजनात्मकता

21.	Alumnae : भूतपूर्व विद्यार्थी योगदान	64
22.	Department of Gujrati	69
23.	Department of Marathi	78
24.	Department of Hindi	91
25.	Department of English	107
26.	Dept. Committee Reports & Activities	121

वी.एम.वी. वाणिज्य, जे.एम.टी. कला एवं जे.जे.पी. विज्ञान महाविद्यालय

वर्धमान नगर, नागपुर – ४४० ००८
दूरभाष : २७६४३९१, २७३३९४१, २७३३९३२
E-mail - vmvnagpur@gmail.com

www.vmvcollege.ac.in

शब्दांगण

2025-26

Editorial Board

मुख्य संपादक
डॉ. अभय मुदगल
कार्यकारी प्राचार्य

संपादक
डॉ. आभा सिंह

विद्यार्थी संपादक
राहुल चौहान

संपादक मंडल

- डॉ. अरविंद युगंधर
- डॉ. मीना देशमुख
- डॉ. राखी जाधव
- डॉ. पूजा पंडया
- डॉ. भावेश भुपतानी
- प्रा. जयश्री बारई
- प्रा. आशा तिवारी
- प्रा. ब्रिजल नथवानी
- प्रा. निखिल जोशी
- सुश्री प्रियंका श्रावणे

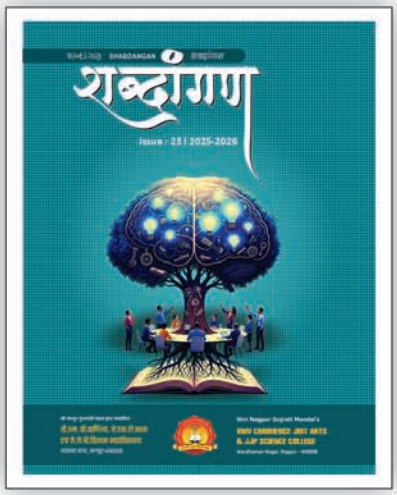

विद्यार्थी संपादक मंडल

- कृपा पटेल
- तन्वी कोटक
- कृष्णा राठौड
- ख़ुशी गभाने
- अर्जुन चौहान
- लीना बुटले
- काजल वर्मा
- भौमिक देवासी
- केशरी साहू

शब्दांगण

2025-26

— શુભેચ્છા —

આપણા મંડળ દ્વારા સંચાલિત વી એમ વી મહાવિદ્યાલય ના અનેક ઉદ્દેશ્યોમાંથી એક ઉદ્દેશ્ય આપણા મંડળ ના ભૂતપુર્વ સભાપતિ, શિક્ષા મહર્ષિ સન્માનીય અધિ. ચંદ્રકાંતભાઈ ઠાકરે પણ સ્વપ્ન ના સ્વરૂપ માં જોયેલ કે આપણી મહાવિદ્યાલય પોતાના વિધાર્થીઓ ને ઉન્મુક્ત અને સ્વછંદ આકાશ પ્રદાન કરી શકે જેમાં વિદ્યાર્થીઓ પોતાના સ્વતંત્ર વિચારો ની પાંખો વડે વિચરણ કરી શકે. આ ઉદ્દેશ્ય ની પ્રાપ્તિ હેતુ મહાવિદ્યાલય દ્વારા "શબ્દાંગણ" નામની વાર્ષિક પત્રિકા ની સ્થાપના કરી છે જેમાં વિધાર્થીઓ પોતાના વિચારો, ઉદગારો તેમજ કથનો ને વ્યક્ત કરી શકે.

આ વર્ષે શબ્દાંગણ ૨૦૨૫-૨૬ ના અંક નું વિમોચન ૨૧ એપ્રિલ, ૨૦૨૬ ના દિવસે થવા જઈ રહ્યું છે તે આપણા સહુ માટે એક સુયોગ જ છે કારણ કે તેજ દિવસે આપણા સહુના પથપ્રદર્શક સ્વ.અધિ. શ્રી ચંદ્રકાંત ભાઈ ઠાકર ની જન્મજયંતિ પણ છે.

આપણી મહાવિદ્યાલય ને તેમજ શબ્દાંગણ ની પૂરી ટીમ ને તથા વિધાર્થીઓ ને આ પ્રસંગે હાર્દિક શુભેછા.

શ્રી યોગેશભાઈ પટેલ

સભાપતિ, શ્રી નાગપુર ગુજરાતી મંડળ, નાગપુર

– શુભકામના સંદેશ –

આપણી મહાવિદ્યાલય નો ધ્યેય સર્વે વિધ્યાભિલાશીઓ ને ફક્ત ડિગ્રી પ્રાપ્ત કરવા જેટલો મર્યાદિત ન રહેતા એમનો સર્વાંગીણ વિકાસ સુધ્ધા છે.

આપણી મહાવિદ્યાલય ના વિધાર્થીઓ પછી તે કોઈ પણ વિદ્યાશાખા ના જેમકે સાયન્સ,આર્ટસ, કૉમર્સ અથવા કોમ્પ્યુટર વિભાગ ના હોય,તેમને શિક્ષણ કાર્ય સાથે તેમનામાં સામાજિક રીતી, સભાનતા અને કેળવણી ના સંચાર હેતુ તથા તેમના માં વાંચન પ્રવૃતિ વધારવા અને તેમના વાંચન ને સાર્થકતા પ્રાપ્ત થાય તે હેતુ મહાવિદ્યાલય "શબ્દાંગણ" નામની વાર્ષિક પત્રિકા નિરંતર પ્રકાશિત કરે છે. વિધાર્થીઓ તેમની ભાવનાઓ તેમજ વિચારો ને આ પત્રિકા માં શાબ્દિક રૂપે વ્યક્ત કરે છે. તેવીજ રીતે તેઓ ઈતર માધ્યમ માં પ્રકાશિત સારા લેખ, બોધપાઠ, કવિતા અથવા સામાન્ય જ્ઞાન જેવા વિષયો ને સંકલિત કરી અહીં પ્રકાશિત કરે છે.

"શબ્દાંગણ" સમિતિ સભ્યો , શિક્ષકો, વિધાર્થીઓ તેમજ દર એક વ્યકિતઓ જેમને આ ભગીરથ કાર્ય માં સહયોગ આપ્યો છે તેમને આ પત્રિકા ના વિમોચન ની શુભકામનાઓ પાઠવું છું.

અધિ. નરેન્દ્રભાઈ જહા

પ્રમુખ, શ્રી નાગપુર ગુજરાતી મંડળ, નાગપુર

Principal's Message

It gives me immense pleasure to present the 23rd issue of our annual college magazine Sbhaddnagan. Each edition of this publication stands as a testament to the intellectual vitality, creative energy, and collective aspirations of our students and faculty. This year's issue continues that tradition with renewed depth and purpose.

A college magazine is not merely a compilation of writings; it is a living archive of the institution's evolving spirit. It reflects the curiosity of our learners, the commitment of our teachers, and the cultural consciousness that binds us as an academic community. I am delighted to see that Sbhaddnagan has once again provided a platform where ideas, reflections, and artistic expressions converge with dignity and thoughtfulness.

In an era shaped by rapid technological change and shifting social landscapes, it becomes essential for young minds to cultivate clarity of thought, sensitivity of perception, and courage of conviction. I am confident that the contributions in this volume will inspire our students to think critically, engage responsibly, and participate meaningfully in the world around them.

I extend my heartfelt appreciation to the Editorial Board, the contributors, and all those who have worked with dedication to bring this issue to fruition. Their efforts ensure that Sbhaddnagan remains a space where scholarship and creativity flourish side by side.

May this 23rd issue encourage our students to continue exploring, questioning, and creating with sincerity and purpose. I wish the magazine and its readers continued growth and success in the years ahead.

Prof. Abhay Mudgal
Officiating Principal

संपादक की कलम से

सृष्टि के सृजन का बेशकीमती निर्माण है मानव जीवन। इस मूल्यवान मानव जीवन का बहुमूल्य समय है विद्यार्थी जीवन। यह समय अनमोल है अपने प्रदत्त अवसरों के कारण। इसी समय में व्यक्ति ना केवल ज्ञान अर्जित करता है बल्कि अपने चरित्र और विचार के साथ–साथ अपने भविष्य की दिशा भी निर्धारित करता है। यही वे मापदंड है जो शिक्षा की गुणवत्ता को साधारण से असाधारण बनाते है। शिक्षा के वास्तविक उद्देश्य को जीवन में उतारने के लिए उसे समझना जरूरी है। शिक्षा को समझे बिना उसे जीवन में नहीं उतारा जा सकता। विद्यार्थियों के लिए यह बहुत जरूरी है कि वे शिक्षा के मूल उद्देश्य को समझे।

शिक्षा आज दस भूजाधारी हो गई है,बहुआयामी हो गई है। यह केवल अच्छे अंक पाना और डिग्री हासिल करने भर के उद्देश्य तक ही सीमित नहीं रह गई है। शिक्षा व्यक्ति का सर्वांगीण विकास करती है। शिक्षा व्यक्ति के भीतर ज्ञान,कौशल,नैतिकता और सामाजिक जिम्मेदारियों का बोध निर्माण करती है। एक शिक्षित व्यक्ति के पास यह सामर्थ्य होता है की वह सही और गलत के अंतर को समझे और समाज हित में कार्य करे।

वर्तमान समय में परिस्थितियाँ तेजी से बदल रही है और हीं–कहीं यह बदलाव दुर्भाग्यपूर्ण है। इन बदलती परिस्थितियों ने दुनिया को प्रतिस्पर्धात्मक बना दिया है। आज का विद्यार्थी केवल अंको की दौड़ में दौड़ रहा है। उसके पास वह समय ही नहीं है जिसमें वह रचनात्मकता के आनंद का उपभोग कर सकें। उसे यह अनुभव ही नहीं मिल रहा है कि वह समझे कि शिक्षा का आनंद और जिज्ञासा का महत्व क्या है। केवल और केवल अंको की दौड़ ने विद्यार्थी के व्यक्तिगत विकास को सीमित कर दिया है। यह दौड़ विद्यार्थी और शिक्षा के लिए ही नहीं तो समाज के लिए भी समान रूप से हानिकारक है।

यही वह समस्याएँ है जिनके उत्तर स्वरूप हमें विद्यार्थी जीवन में रचनात्मकता,सृजनात्मकता, संवेदनशीलता और सक्रियता के महत्व को रेखांकित करना जरूरी लगने लगता है। शिक्षा के अवसर से मिलने वाले लाभ में सर्वोपरि है मानव मूल्यों के संरक्षण की समझ जो विचारों और भावनाओं के संप्रेषण से प्राप्त होती है। शिक्षा,समाज और नैतिकता के आपसी अवगुंठन से ही शब्दांगन जैसी महत्वपूर्ण विद्यार्थी पत्रिकाएँ अपने होने के महत्व को चरितार्थ करती है।

शब्दांगण

2025-26

वी एम वी महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका शब्दांगन महाविद्यालय में वर्ष भर होने वाली विविध गतिविधियों की प्रस्तुति के साथ-साथ वह अवसर है जिसमें विद्यार्थी वर्तमान की दौड़ से अलग होकर रुकता है और अपने आस पास के परिवेशगत विचारो को समझने की कोशिश करता है। शब्दांगन विद्यार्थियों के लिए वह अवसर है जिसका लाभ उठाकर वे समय को समझते है। शब्दांगन मदद करता है महसूस करने में ताकि विद्यार्थी पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ नैतिक मूल्यों,अनुशासन और सहानुभूति को अपने जीवन का हिस्सा बना सकें।

एक अच्छा विद्यार्थी एक अच्छे समाज की नींव रखता है। एक अच्छे समाज से ही एक अच्छे राष्ट्र का निर्माण होता है। विद्यार्थी यदि सही दिशा में बढ़ेंगे तो निश्चित ही देश का विकास भी सही दिशा में होगा। उन्नत समाज से उन्नत राष्ट्र बनाने की प्रक्रिया में जरूरी है कि मानवीय मूल्य हताहत ना हो। इन मूल्यों के रक्षण हेतु आवश्यक है कि विद्यार्थियों को शिक्षा की सही दिशा और बहुआयामी परिप्रेक्ष्य से अवगत कराया जाए। लेखन चेतना इस बात की गवाह है कि जब सही अभिव्यक्ति को उचित दिशा प्राप्त होती है तब सृजनात्मकता सर्वसमावेशी और व्यक्ति पूरक हो जाती है। विद्यार्थी जीवन में अभिव्यक्ति की दिशा का निर्देशन आवश्यक होता है इसीलिए वी एम वी महाविद्यालय की विद्यार्थी पत्रिका शब्दांगन यह प्रयास करती है कि शिक्षा में कौशल विकास के रचनात्मक पहलुओं को भी अवसर प्राप्त हो। **पत्रिका के संपादक मंडल के श्रम, महाविद्यालय के माननीय प्राचार्य के सहयोग तथा सम्माननीय प्रबंधन मंडल द्वारा प्रदत्त सृजनात्मक स्वतन्त्रता के परिणामस्वरूप पाठकों के अवलोकनार्थ प्रस्तुत है महाविद्यालय की वर्ष 2025-26 की वार्षिक विद्यार्थी पत्रिका शब्दांगन का 23 वा अंक।**

प्रो आभा सिंह
संपादक

FROM THE STUDENT EDITOR'S DESK

विद्यार्थी संपादक

मेरा नाम राहुल रवि चौहान है और मैं बीएससी (केमिस्ट्री) द्वितीय वर्ष का छात्र हूँ। मैं वीएमवी कॉलेज में अध्ययनरत हूँ। मेरे लिए कॉलेज केवल शिक्षा का स्थान नहीं, बल्कि आत्म-खोज, संघर्ष और निरंतर विकास की एक जीवंत प्रयोगशाला रहा है, जहाँ मैंने स्वयं को पहचाना, संवारा और एक नई दिशा दी।

जब मैंने इस यात्रा की शुरुआत की, तब मैं एक अत्यंत संकोची और शांत स्वभाव का छात्र था। मंच पर आना तो दूर, सामान्य बातचीत में भी आत्मविश्वास की कमी महसूस होती थी। मन में कई विचार होते थे, पर उन्हें व्यक्त करने का साहस नहीं था। ऐसा लगता था जैसे मेरी क्षमताएं कहीं भीतर ही सीमित रह जाएंगी। किंतु जीवन ठहराव का नाम नहीं है। मैंने यह ठान लिया कि मैं अपनी सीमाओं को अपनी पहचान नहीं बनने दूँगा। धीरे-धीरे मैंने स्वयं को चुनौती देना शुरू किया।

छोटे-छोटे कदम उठाए

कभी किसी गतिविधि में भाग लिया, कभी लोगों से संवाद करने का प्रयास किया, तो कभी अपने डर का सामना किया। प्रारंभिक असफलताओं ने मुझे रोका नहीं, बल्कि और अधिक दृढ़ बनाया। समय के साथ यह संघर्ष मेरी ताकत बनता गया। मेरे भीतर एक नया आत्मविश्वास जन्म लेने लगा – एक ऐसा विश्वास जो मुझे आगे बढ़ने के लिए निरंतर प्रेरित करता रहा। मैंने अपनी कमजोरियों को अवसर में बदला और हर दिन स्वयं को बेहतर बनाने का संकल्प लिया। आज मैं उसी यात्रा का परिणाम हूँ।

वर्तमान में, मैं राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), ग्रीन क्लब, स्टूडेंट काउंसिल तथा विभागीय गतिविधियों में सक्रिय रूप से सहभागिता करता हूँ जिसके फलस्वरूप मुझे अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सचिव जैसे अनेक दायित्वपूर्ण पदों का निर्वहन करने का अवसर प्राप्त हुआ है। साथ ही हमारे महाविद्यालय की 'शब्दांगन' वार्षिक पत्रिका, जिसमें विद्यार्थी अपने विचार, कविताएं एवं रचनात्मक लेखन प्रकाशित करते हैं, उसने मुझे अपने विचारों को प्रभावशाली ढंग से अभिव्यक्त करने का मंच प्रदान करते हुए मेरी अंतर्निहित रचनात्मकता को पहचानकर उसे समाज के समक्ष साहसपूर्वक प्रस्तुत करने की प्रेरणा दी।

मेरे महाविद्यालय का वातावरण मेरे व्यक्तित्व निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण है। यहाँ का प्रतिस्पर्धात्मक परिवेश मुझे निरंतर बेहतर बनने की प्रेरणा देता है। यहाँ के आचार्यगण केवल अध्यापन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे सच्चे मार्गदर्शक के रूप में सदैव हमारा मार्गदर्शन करते हैं। उनका सहयोग, उनका विश्वास तथा उनका सकारात्मक दृष्टिकोण मुझे प्रत्येक चुनौती का सामना करने की शक्ति प्रदान करता है।

अंततः, मेरा VMV महाविद्यालय मेरे लिए केवल शिक्षा प्राप्त करने का स्थान नहीं, बल्कि वह भूमि है जहाँ मेरे सपनों को दिशा मिली और मेरे व्यक्तित्व को नई ऊंचाइयां प्राप्त हुई। यहीं मैंने सीखा कि सीमाएं केवल मन में होती हैं और सच्ची प्रगति वही है, जहाँ ज्ञान के साथ आत्मविश्वास और चरित्र का भी विकास हो। यह स्थान मेरे लिए प्रेरणा का स्रोत है, जिसने मुझे यह विश्वास दिया है कि यदि संकल्प अडिग हो, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं।

राहुल रवि चौहान
B.Sc. (Chemistry)
2nd Year

OFFICE BEARERS OF SHRI NAGPUR GUJARATI MANDAL

Adv. Shri. Narendrabhai Jha
President

Shri Mahendrabhai Patel
1st Vice-President

Dr. Shri. Piyushbhai Thakkar
2nd Vice-President

Adv. Sanjaybhai Thakar
General Secretary

Shri Chandreshbhai Badani
Secretary

CA Shri Khetlal Patel
Secretary

Shri Sundarbhai Patel
Treasurer

COLLEGE DEVELOPMENT COMMITTEE

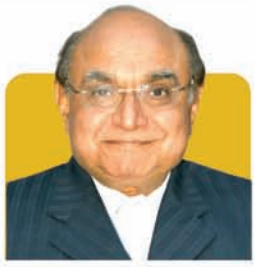

Shri Yogeshbhai Patel
Ex-officio Chairperson
(Nominee of Chairperson of the Management)

Adv. S. C. Thakar
Member
(Nominee of Secretary of the Management)

Shri Chandreshbhai Badani
Member
(Nominated by Mgmt.) Education & Alumnus

Shri Sundarbhai Patel
Member
(Nominated by Mgmt.) Industry

Adv. N. K. Jha
Member
(Nominated by Mgmt.) Research

Dr. P. C. Thakkar
Member
(Nominated by Mgmt.) Social Service

Dr. A. I. Mudgal
Member Secretary
(Principal of the College)

Mrs. M. M. Ghotkar
Member (Head of the Department
nominated by Principal)

Mr. Nitin H. Gaikwad
Member
(Co-ordinator of IQAC of the College)

Dr. P. M. Chauhan
Member
(Teachers' Representative)

Dr. Mrs. A. S. Singh
Member
(Teachers' Representative)

Dr. S. R. Choubey
Member
(Teachers' Representative)

Mr. J. C. Patel
Member
(Teachers' Representative)

UNIVERSITY MERIT ACHEIVERS

Shri Nagpur Gujrati Mandal's
V.M.V.Commerce, J.M.T. Arts & J.J.P. Science College
Wardhaman Nagar, Nagpur- 440008

Merit List Of Semester Examination-2025

Sr. No.	NAME OF THE STUDENTS	Order of Merit	Semester	Class
1.	MANISH BANTE	10	IV	M.Com
2.	PRAGATI PANDEY	11	IV	M.Com
3.	HUSAINA TAYEB ARIF (Gold Medalist)	1	IV	M.A.-II(ECO)
4.	DEEPA MAH ENDRA UPADHYAY	1	IV	M.A.-II(ECO)
5.	PRIYANKA ARUN DONCRE	3	IV	M.A.-II(ECO)
6.	POOJA SHRIKANT GADWE	4	IV	M.A.-II(ECO)
7.	AVANTIKA VINOD FULZELE	5	IV	M.A.-II(ECO)
8.	VISHAKHA VILESH BHAYANI	7	IV	M.A.-II(ECO)
9.	DHAWAL MUKESH KAKKAD	8	IV	M.A.-II(ECO)
10.	PRATIBHA MUNILAL DAS	9	IV	M.A.-II(ECO)
11.	GAURI SAHEBRAO PUND	1	IV	MCA-II Year
12.	GAURI VIJAY BHAMKAR	2	IV	MCA-II Year
13.	TRUNALI NILKANT ATKAR	2	IV	MCA-II Year
14.	HEMLATA PRAKASH HAJARE	5	IV	MCA-II Year
15.	KUNAL SUDHIR MESHRAM	1		B. VOC.
16.	JAYANT SUKHDEV KURZEKAR	1		B. VOC.
17.	MEGHA NITIN BUJADE	2		B. VOC.

List of selected players for National Competitions (Delhi and Hydrabad INDIA)

Sr.No.	Name of Student	Class
1.	Ved rahangdale	12th Commerce (E2)
2.	Prahalad thakre	12th Commerce (E2)
3.	Roshan sarwa	B.A 2nd Year
4.	Shubham sahu	B.A 1st Year

MERIT ACHEIVERS

List of the Students Who have Scored more than 85% Marks in Board Examination - 2025 (HSSC)

Faculty Commerce (English Medium)

Sr.No.	Name of the Student	Section	Percentage
1.	KESHAN KRISHNA S	Com E1	94.83
2.	CHANDEKAR SHREYASH L	Com E1	94.17
3.	PANDE DIBYANSHU D	Com E1	93.33
4.	CHAUHAN PALAK K	Com E1	92.83
5.	BARLE ANJALI R	Com E1	92.5
6.	SHAHU MAHEE M	Com E1	92.5
7.	DOSHI POONAM D	Com E1	91.5
8.	UPTHADE BHUMIKA S	Com E1	91.17
9.	TELCHATI PUNAM T	Com E1	87.83
10.	PATEL RASHI L	Com E1	87.5
11.	SAHU MANSI T	Com E1	87
12.	BAJANIYA BHAVYA G	Com E1	86.83
13.	PATLE NANDINI J	Com E1	86.5
14.	CHAKOLE DEVIKA R	Com E1	86.33
15.	SEYYED M. RAZA M. NISAR	Com E1	86.33
16.	PANDEY AMIT KUMAR S	Com E1	86.17

Faculty ARTS (English Medium)

Sr.No.	Name of the Student	Section	Percentage
1.	LAKHOTIA RADHIKA G	Arts Eng	89.17
2.	JAISWAL ASHWINI A	Arts Eng	88.67
3.	SAHU ANAMIKA J	Arts Eng	88.17
4.	SHEIKH SAIMA PARVIN M. ASIF	Arts Eng	86.5
5.	JANGID NAVYA ASHOK	Arts Eng	86.5
6.	DAHATE ANANYA J	Arts Eng	85.83
7.	KAWALE KAJAL S	Arts Eng	85

STUDENT COUNCIL 2025-26

Shri Nagpur Gujrati Mandal's
V.M.V.Commerce, J.M.T. Arts
& J.J.P. Science College

NOTIFICATION

{Session: 2025-26}

Sr. No.	NAME OF THE STUDENTS	CLASS	DESIGNATION
1.	PRIYANKA RAMKISHOR SHUKLA	B.COM 3RD YEAR	PRESIDENT (WOMAN REPRESENTATIVE)
2.	RAHUL RAVI CHAUHAN	B.SC. 2ND YEAR	SECRETARY (NSS REPRESENTATIVE)
4.	DEV SURESH SABLA	BCCA 1ST YEAR	SPORTS REPRESENTATIVE
5.	RAJAKUMARI RAJU SONWANE	B.A. 1ST YEAR	CULTURAL COMMITTEE REPRESENTATIVE
6.	KESHARI TULESH VERMA	B.SC. CS 3RD YEAR	NCC REPRESENTATIVE
7.	AARTI UDAY PANDAY	B. A. 2ND YEAR	MEMBER
8.	VINAY.V. SONBOIR	B.SC (CBZ)- 3RD YEAR	MEMBER
9.	PRIYAL J. NATHWANI	B.COM 3RD YEAR	MEMBER
10.	MS. YOGITA SHENDE	BCA 2ND YEAR	MEMBER
11.	MS. CHANDANI PATEL	BCCA 1ST YEAR	MEMBER
12.	MR. PAWAN THAKRANI	B.SC (DS)- 1ST YEAR	MEMBER
13.	NIHAR TAMBE	B.VOC (TH. &ST.) 3RD YEAR	MEMBER
14.	AKANKSHA ANIL BELE	BBA 1 YEAR	MEMBER
15.	AKASH RAJ SHARMA	M. A. 2ND YEAR ECO.	MEMBER
16.	PAYAL MOURYA	MCA 2ND YEAR	MEMBER
17.	MANAN PATEL	M.COM 2ND YEAR (A/C.TAX.)	MEMBER
18.	DURGA KAWDE	M.SC. 2RD YEAR (CHEM.)	MEMBER

शब्दांगण
2025-26

गौरवगान... स्वाभिमान... कीर्तिमान...

• उपलब्धि •

VMV College Cadet Ratan Singh Selected in Indian Army

VMV Commerce,JMT Arts and JJP Science college NCC cadet, BBA student **Ratan RamKishore Singh** has been selected in Indian Army as Agniveer (Soilder). Ratan is NCC cadet of 20 Maharashtra Battalion. Commanding Officer Col. Vikas Sharma, President of the college Shri Yogeshbhai Patel, Ad. Narendrabhai Jha, Ad. Sanjaybhai Thakar, Ad. Chandreshbhai Badani, Principal Dr Abhay Mudgal and Vice Principal Dr Manoj Nagarnaik, Coordinator Prof Meenal Rajdeo congratulated him for his hard work and his success.

VMV College Cadet Ashish PatleSelected in Indian Army

VMV Commerce,JMT Arts and JJP Science college NCC cadet, BBA Student Ashish Rajendra Patle has been selected in Indian Army as Agniveer (Soilder) . Ratan is NCC cadet of 20 Maharashtra Battalion. Commanding Officer Col. Vikas Sharma, President of the college Shri Yogeshbhai Patel, Ad. Narendrabhai Jha, Ad. Sanjaybhai Thakar, Ad. Chandreshbhai Badani, Principal Dr Abhay Mudgal and Vice Principal Dr Manoj Nagarnaik, Coordinator Prof Paras Wadher congratulated him for his hard work and his success.

VMV College Cadet Himanshu Yetre

VMV College Cadet Himanshu Yetre from 2 Maharashtra Armd Sqn has been selected in Pre RDC level -4, Pune. Ad. Chandreshbhai Badani and Principal Dr Abhay Mudgal congrtuled him for his success.

Shreya Shukla

1. First Prize (₹3000) – Inter-Collegiate Elocution Competition, Vastrao Naik Government Institute of Arts and Social Sciences (28/06/2025)
2. Third Prize – Best Parliamentarian (₹2000) – Mock Youth Parliament (28/07/2025)
3. Participation – State-Level Elocution Competition, organized by Parivartan Sahitya Kala Manch, Wardha (10/08/2026)
4. First Consolation Prize – Inter-Collegiate Debate Competition, Women's College of Arts & Commerce (17/09/2025)
5. Top 10 Selection – University Level, National Environment Youth Parliament (24/09/2025)
6. First Prize (₹10,000) – Elocution Competition, RTMNU (Vidarbha Level 27/09/2025)
7. Third Prize (₹700) – Inter-Collegiate Debate Competition, Lady Amritbai Daga College & Smt. Ratnidevi Purohit College (03/10/2025)
8. First Group Prize (₹500) – Inter-Collegiate Debate Competition, Lady Amritbai Daga College & Smt. Ratnidevi Purohit College (03/10/2025)
9. 5th Consolation Prize – Vidarbha-Level Elocution Competition, Yuva Ekta Sangathan at Vidarbha Hindi Sahitya Sammelan (27/10/2025)
10. First Prize (₹3000) – District-Level Elocution Competition, District Sports Office, Mankapur, Nagpur (11/11/2025)
11. First Runner-Up – Literary Event, AIU's 39th National-Level Inter-University Competition, MGM University, Chhatrapati Sambhaji Nagar (27/11/2025)
12. Third Prize (₹2000) – Divisional-Level Elocution Competition, District Sports Office, Bhandara, Nagpur (04/12/2025)
13. Third Group Prize (₹1200) – Inter-Collegiate Debate Competition, RTMNU (organized by Bank of Baroda) (11/12/2025)
14. Participation – Inter-Collegiate Debate Competition, Dr. S.C. Gulhane Prerna College of Commerce, Science & Arts (19/12/2026)
15. Best Speaker – Online Ummid Foundation's 3rd Youth Parliament (02/02/2026)
16. First Prize (₹3000) – Inter-Collegiate Debate Competition, J.N.C. Wadi (25/02/2026)
17. Participation – Inter-College Debate Competition, organized by L.E.D. College, Seminary Hills, Nagpur (03/03/2026)
18. First Prize (₹3000) – Inter-Collegiate Debate Competition, Shree Binzani City College (02/04/2026)

गौरवगान... स्वाभिमान... कीर्तिमान...

Pooja Pal

1. 1st individual Prize in Debate Competition, Shri Binzani College, Sakardara, Nagpur
2. 4th Prize in State Level Elocution Competition, organised by Mumbai COPS
3. 2nd Individual Prize in Debate Competition, Women's College, Nandanvan
4. Represented RTMNU in NEYP
5. 1st Team Prize in LED College Debate Competition
6. 1st Consolation Prize in Elocution Competition, organised by Yuva Ekata Sangathan, Nagpur
7. 3rd Team Prize in Debate Competition, organised by Bank of Baroda and RTMNU
8. 2nd Individual Prize in Debate Competition, JNC Wadi, Nagpur
9. 1st Winner in inter college debate competition organised by L.E.D. college Seminary Hill's Nagpur
10. 1st team prize in Shri Binzani city college Sakkardara , Nagpur
11. Participantion in state level elocution compitition organised by Parivartan Sahitya Kala Manch, wardha.
12. Participation in online national level elocution organised by Mumbai Cops.

B.VOC department participated in for the First time in State Level Sanskrut Drama Competition (Final Round) organized by Government of Maharashtra and performed play named "Ranveera" Got prizes. (12th Jan 2026)

1. Yugalhans Markan and Nihar Tambe for Set-Designing
2. Chitranjan Kaware for Music
3. Ms. Shweta Patki (HoD) for Acting

B.VOC department's 3 students got selected for National Youth festival and Represented and won RTMNU at Chennai. (March 2026)

1. Yugalhans Markam 2. Nihar Tambe
3. Chhakuli Jadhav

जब शहर हमारा सोता है

व्ही. एम. व्ही. महाविद्यालय के बी. वॉक नाट्य विभाग के छात्रों ने 64 वीं हिंदी महाराष्ट्र राज्य नाट्य स्पर्धा के अंतिम चरण में संपूर्ण राज्य से द्वितीय क्रमांक प्राप्त किया।

कुछ अन्य पुरस्कार -

■ सर्वोत्कृष्ट निर्देशन	:	प्रा. सांची जीवने
■ सर्वोत्कृष्ट संगीत द्वितीय	:	साक्षी गवाने
■ सर्वोत्कृष्ट रंगभूषा	:	श्रद्धा रोकड़े, रिया गुप्ता
■ सर्वोत्कृष्ट अभिनय प्रमाणपत्र	:	नारायणी उपाध्याय

Dr. Anuradha Shrikhande

DR.ANURADHA SHRIKHANDE is receiving the Lokmat Group- LIFETIME AWARD for her contributions in the field of medical science teaching and research in Sickle Cell Disease treatment, at the hands of Honourable Governor of Gujarat (Governor of Maharashtra then). **Currenly, she is a student MA programme in English at VMV college.**

Dr. Anuradha Shrikhande

Dr Anuradha V Shrikhande is a senior academician and public health leader associated with the Department of Pathology, Indira Gandhi Government Medical College (IGGMC), Nagpur. She has served as Dean of IGGMC and Project Director of the Regional Haemoglobinopathy Detection and Management Centre, a Government of Maharashtra pilot project operational since July 2001. As President of Sickle Cell Association, Nagpur, and a member of national and international bodies including SCDIO and the Global Sickle Cell Disease Network, she has played a pivotal role in sickle cell disease (SCD) control and policy development. Dr Shrikhande has authored research publications in national and international journals, technical manuals on laboratory and prenatal diagnosis of SCD using HPLC and PCR, and multiple educational booklets supported by UNFPA and NRHM. She has organised international conferences, state-level workshops, annual hematology quizzes, and hands-on laboratory training programs since 2003. Under her leadership, Maharashtra implemented key SCD policies including mandatory screening, free investigations and treatment, prenatal diagnostic services, travel support, inclusion of SCD in disability category, and statewide awareness initiatives.

Career Katta

The Officiating Principal Dr. Abhay Mudgal Bagged Best Principal ,Nagpur District Prize under the Career Katta for the Academic Year 2025-26

The College has been awarded " Centre of Excellance" A Grade for the academic year 2025-26.

खेलजगत की खबर

Ritik Aambhore, has been selected for the All India Whistling Competition

First, our college's Under-19 Girls' Cricket Team secured 3rd place at the state level in the District Sports Officer organized State Level Cricket Tournament held in Nashik, Maharashtra.

Today, the Nagpur City Police organized the Maha Marathon, in which a total of 74 students and staff members

Our College Boys' Staff Cricket Team

Our college students secured 4th place in the shot put event at the Nagpur University Athletics Meet. Congratulations to everyone!

Congratulations to Team VMV !

State-Level Floorball Championship held at Bhandara, Maharashtra. Players from VMV college played exceptionally well and secured the second position in the entire state.

Mehendi Competition 23 March 2026

Rangoli & Poster Competition 23 March 2026

Poster Competition 23 March 2026

University level Inter Collegiate Debate Competition - 2026

The topic of the Debate is "Smart Phone have made young students less Productive"

सामाजिक दायित्व की संकल्पबद्धता

Sanjeevani Blood Donation Activity

Academic Session 2025-26

Blood Donation camp and Hemoglobin test (25th, February 2026)

Counseling for Hemoglobin and Diet (26th, February 2026)

सामाजिक उत्तरदायित्व NSS Gallery

NATIONAL SERVICE SCHEME (NSS) Activity

Session : 2025-26

International YOGA DAY 21 June,2025 (NSS)

Workshop on Student Registration for National Service Scheme On 7th August 2025

Har Ghar Tiranga

On 12th August 2025, the National Service Scheme (NSS) Committee, NCC, and the Sports Department jointly organized a Tiranga Yatra under the **"Har Ghar Tiranga"** campaign

"Operation Thunder"

participated in the "Operation Thunder" campaign program organized at the National Fire Service College, Nagpur on 20 August 2025.

The National Service Scheme (NSS) Committee and the Red Ribbon Club of the VMV College Nagpur jointly organized the International Youth Day program on 12th August 2025.

On 24th September 2025, with the aim of celebrating the NSS Foundation Day, an awareness rally was organized in the Wardhaman Nagar area by the students.

On 26th September 2025, on the occasion of World Environmental Health Day, an awareness rally was organized in the Wardhaman Nagar area under the themes of "Plastic Eradication" and "Ek Ped Maa Ke Naam"

On 27th September 2025, on the occasion of World Tourism Day, a visit was organized to Freedom Park, Nagpur,

On 29th September 2025, the birth anniversary of Shaheed Bhagat Singh was celebrated in the college.

Cleanliness Drive dated on 1st October 2025

participated in the University Song Singing Program On 11th October 2025

Essay Competition: "Vande Mataram and Nationalism" On 7th October 2025

The Seven-Day Special Winter Camp of the National Service Scheme (NSS) was organized at the adopted village Kapasi (Bu.), Taluka – Kamptee, District – Nagpur from 17th to 23rd November 2025.

On 25th November 2025, a visit to the Nagpur Book Festival at Reshimbagh Ground, Nagpur.

Rally on the Occasion of World AIDS Day On 1st December 2025

Celebration of International Human Rights Day On 10th December 2025

The National Youth Day 2026 was celebrated on Monday, 12th January 2026

The volunteers of the National Service Scheme (NSS) participated in the Nagpur Municipal Corporation General Election 2025–26 on 15 January 2026.

Birth Anniversary of Freedom Fighter Netaji Subhaschandra Bose
On 23rd January 2026

On 24 February 2026, a Blood Donation Awareness Rally was organized in the Wardhaman Nagar area.

On 25 February 2026, a Blood Donation and Hemoglobin Check-up Camp was organized in the college.

On 26 February 2026, in the college, Dr. Juilee Shalik Charmode, Associate Professor from the Department of Transfusion Medicine, AIIMS Nagpur, guided the students on the topic "Hemoglobin and Nutrition."

GREEN CLUB ACTIVITIES

On 10th September 2025, a tree plantation drive was jointly the VMV college Nagpur organized by the Green Club and the National Service Scheme (NSS) Committee

Green Club-वृक्षारोपणाचा दुसरा पर्याय म्हणून 'ग्रीन क्लब' च्या वतीने उमरेडच्या माळरानावर 'बिजगोळे' फेकण्यात आले त्याप्रसंगीचे छायाचित्र ...

Training & Placement - Workshop & Seminar

Pandit Deendayal Upadhyay Job Fair in collaboration with VMV College

TCS BPS Recruitment Drive 03-10-2025

WORKSHOP & SEMINAR

'Aesthetic of table service' या विषयावर एक दिवसीय आंतर महाविद्यालयीन प्रशिक्षण कार्यशाळा.

रचनात्मक लेखन कार्यशाला

SKILL ENHANCEMENT

Academic Planning & Academic skill Development Committee

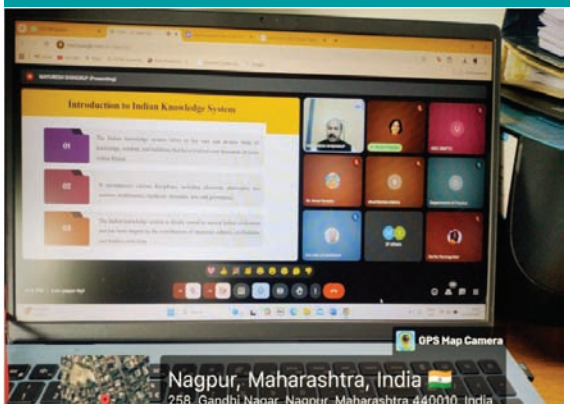

PowerPoint Presentation Competition 2026

Lecture on Introduction to Intellectual Property Rights and Patents

ENRICHMENT PROGRAM

Add-on Course Activity: Nirmalya Management Organized by Zoology Department

■ Segregation of floral waste during hands-on session

■ Students performing composting of Nirmalya using eco-friendly methods

Under The Banner of "Career Katta"

The students of our college under "Career Katta" enthusiastically participated book fair.

■ The College Established Emotional Intelligence Club under "Career Katta

■ The Students of Police Training Programme under " Career Katta"

■ This program is an initiative of Maharashtra State Higher & Technical Education Department in collaboration with Maharashtra Information Technology Support Centre.

काउंसलिंग समिति द्वारा अतिथि व्याख्यान का आयोजन

व्ही.एम.व्ही. महाविद्यालयात पालक शिक्षक सभेचे आयोजन दि. १० सप्टेंबर २०२५

पालक शिक्षक समिती समिती तर्फे
पालकां द्वारा वृक्षारोपण

ALUMNI COMMITTEE

Garba Workshop Organized by Alumni Committee

How to Become CA' organized by Alumni Committee

ORGANIZED BY DEPARTMENT OF COMMERCE

INDUCTION PROGRAM | 30th July 2025

INSTALLATION OF STUDY CIRCLE | 13th August 2025

Online smart investor Awareness Programme | 28th July 2025

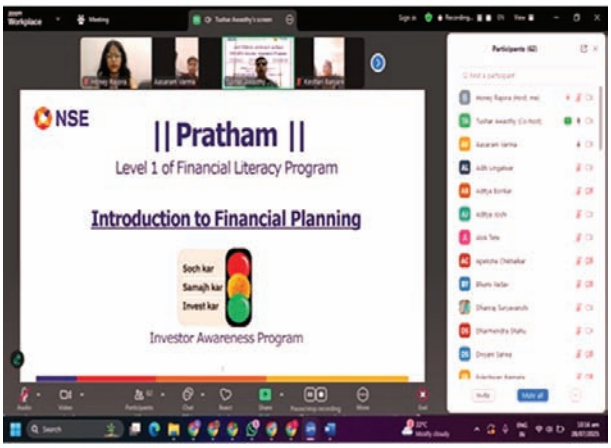

Company Secretary as Career | 31st July 2025

Book Festival Visit : | 26th November 2025

Quiz competition | 19th November 2025

MANAGEMENT GAME | 3 December 2025

INTERFACE PROGRAM | 5th December 2025

How to Become CA" | 16th December 2025

Online smart investor Awareness Programme | 28th July 2025

Industrial Visit | 2 March 2025

DEPARTMENT OF HUMANITIES

Book Festivale Visit 2025

Education Tour-2026 Humanities Departmnet

Humanities Study Circle -2025

Humanities Study Circle -2025

RASHTRASANT TUKDOJI MAHARAJ PUNATITHI MAHOTSAV 11-11-2025

Teachers Day 05

ENGLISH DEPARTMENT

Certificate Crash Course Fundamentals of English Dept 03 to 13 Dec 2025

Essay Compitition 13 Mar 2026

HINDI DEPARTMENT

लोकमत समाचार समूह को शैक्षणिक भेंट

हिन्दी दिवस पर हिन्दी विषय के विद्यार्थियो की अभिव्यक्ति

MARATHI DEPARTMENT

मराठी भाषा गौरव दिनाच्या निमित्ताने उपस्थित मान्यवर (2025-2026)

मराठी भाषा संवर्धन पंधरवडा दिनाच्या निमित्ताने ग्रंथालयाला भेट देताना मराठी विभागाचे विद्यार्थी

HISTORY DEPARTMENT

इतिहास विभाग द्वारा छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती का आयोजन

इतिहास विभागाच्या विद्यार्थ्यांना नागपूर पुस्तक महोत्सवाला भेट दिली.

POLITICAL SCIENCE DEPT

संविधान दिनानिमित्त वर्गात विद्यार्थ्यांकडून उद्देशपत्रिकेचे सामूहिक वाचन

हिवाळी अधिवेशनात नागपूर येथील विधान भवनाला विद्यार्थ्यांची शैक्षणिक भेट 11 Dec 2025

DEPARTMENT OF ECONOMICS

Students visit at Nagpur Book Festival, Reshimbagh. 25.11.2025

Departmental PPT Competition 0 2.04.2026

DEPARTMENT OF HOME ECONOMICS

ताज्या किंवा कृत्रिम फुलांचे दागिने तयार करण्याची स्पर्धा. 14 मार्च 2026

जागतिक स्तनपान सप्ताह निमित्त रॅली 11 ऑगस्ट 2025

B.VOC DEPARTMENT

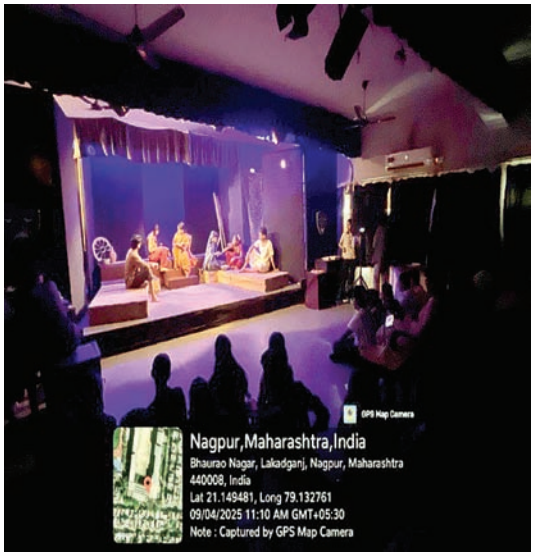

B.VOC Classroom Production 2025 4-9-2025

Marathi Rang Bhumi Diwas 13-11-25

COMPUTER DEPARTMENT - B. SC.-DATA SCIENCE

Byte Batlle – The Ultimate Tech Quiz

Add-On Course Embedded Intelligence: From Sensor to Solutions

Tech Fest 2k25

COMPUTER DEPARTMENT - B. COM. COMPUTER APPLICATION

Workshop on "Travel Consultant Services"

Workshop on ₹Mutual Fund Agent"

DEPARTMENT OF MATHEMATICS

MATHEMATICS ACTIVITIES

Guest Lecture : To bridge the gap between academic theory and practical industry application, enhancing learning by offering new perspectives. These sessions boost engagement

Add-On Course : To enhance student employability, bridge academic-industry gaps, and provide specialized skill training beyond the standard curriculum. 16-03-2026

Smart Recycling Mathematical Project : Dt.27-03-2026:

Smart recycling mathematical project aims to blend environmental science with mathematical modeling, data analysis, and automation to improve waste segregation, optimize collection, and enhance recycling efficiency. The core objectives focus on using mathematics to turn waste management into a data-driven process.

Seminar Competition 16-12-2025 : To improve information retention, decisiveness and analytical skill of students also raise confidence among the students.

DEPARTMENT OF MCA

INTERCOLLEGIATE BOX CRICKET TOURNAMENT from 24 Nov. to 29 Nov. 2025 in VMV Commerce, JMT Arts & JJP Science College Ground.

Student Induction Program 2025-2026

- 20/09/25- National and International skill speaker by Mr. P. A. Varhadpande
- 22/09/25- Communication Skill by Dr. Susheel Gadekar
- 23/09/25- Statistics and Research by Dr.Janmejay Shukla
- 24/09/25- Personality Development by Dr. Krunal Parekh

25/09/25- Motivational speaker and Singer by Mr. Kailash Tankar

Career Opportunities By Mr. Rahul Gadge , Career Counsellor on 09/03/2026

4/10/25- Freshers and Farewell Party
@ Nakshatra Banquet, Nagpur.

Career Opportunities By Mr. Rahul Gadge,
Career Counsellor on 09/03/2026

One Day Tour

LIBRARY DEPARTMENT ACTIVITIES

Vachan Prerna Diwas & Dictionary Distribute to student 17 Oct 2025

Library Essay Competition_dt 05 Feb 2026

Library Orientation Program M.Sc. Chemistry Dept_18 Aug 2025)

Library Orientation Program B.Sc.1,2 yr (Mathematics Dept) 13 Aug 2025

Vachan Prerna Diwas (Dictionary Distribution) 17 Oct 2025)

Photo Gallery

STUDENT EDITORIAL BOARD

SHABDANGAN EDITORIAL BOARD

Photo Gallery

SENIOR COLLEGE TEACHING STAFF (GRANT)

JUNIOR COLLEGE TEACHING STAFF (GRANT)

Photo Gallery

SENIOR COLLEGE TEACHING STAFF (NON GRANT)

B.VOC & BCCA TEACHING STAFF

Photo Gallery

MCA -BCA & BBA STAFF (TEACHING -NON TEACHING

PG TEACHING STAFF (NON GRANT)

Photo Gallery

JUNIOR COLLEGE TEACHING STAFF (NON GRANT)

NON TEACHING STAFF

NO TEACHING STAFF (NON GRANT)

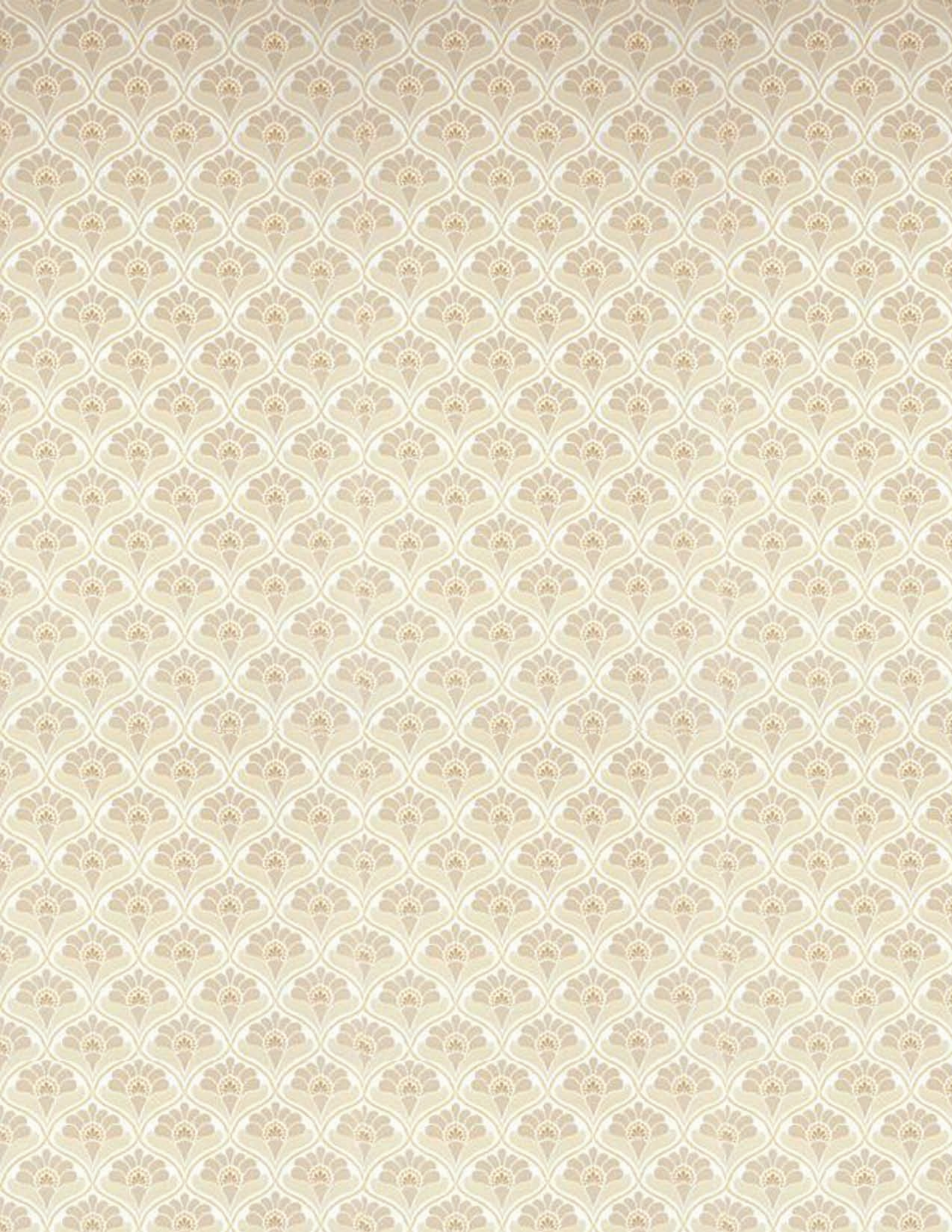

शब्दांगण

2025-26

सृजनात्मकता

श्री नागपुर गुजराती मंडल
वी.एम. वी.वाणिज्य, जे.एम.टी.कला
एवं जे.जे.पी.विज्ञान महाविद्यालय

प्लास्टिक से दूरी : सबके लिए जरुरी

– मनोज पुरुषोत्तम मलकापुरे
प्रयोगशाळा साहाय्यक

प्लास्टिक के प्रति हमारा प्रेम दिन-ब-दिन बढ़ता ही जा रहा है। इतना अधिक प्रेम कि जिसके बगैर रहा नही जा सकता। या फिर यह कहो कि प्लास्टिक के बिना हमे जीना आता ही नही। दुनिया में प्लास्टिक का संकट इतना गहराता जा रहा है कि आज जल में, अन्न में और हमारे रक्त में भी प्लास्टिक के अंश मिल रहे है। यह प्रेम नही तो और क्या है कि आज प्लास्टिक हमारे शरीर में बसता है। पृथ्वी के गर्भ से लेकर हिमालय के सर्वोच्च शिखर तक इन प्लास्टिक महाशय का पहुँचना आनेवाले संकट का संकेत है। विज्ञान कहता है कि हमारे शरीर में मौजुद प्लास्टिक स्लो पाईजन की तरह काम करता है। फिर भी हम है कि ऐसी बातों को साफ नजरंदाज कर देते है। जिसका जिता जागता उदाहरण है हमारा दैनिक पेय 'चाय'। जो लगभग बाहर से कागजी दिखनेवाली प्लास्टिक कप में पिने को हम आदतन मजबूर है। पिलाने वाले पिला रहे है और हम मजे से (क्या फर्क पड़ता है यह सोचकर) पिये जा रहे है। दोष जितना पिलाने वालों का है उतना ही हमारा भी है। वह अपना परिश्रम बचाने के चक्कर में और हम... हमारे पास इतना सोचने-समझने के लिए वक्त ही है कहाँ? किंतु विचार करना होगा।

दूसरी बात उस बाज़ार की है जहाँ हम सब्जीयाँ खरीदने जाते है। मगर घर से कपड़े की थैली यह सोचकर नही ले जाते कि सब्जीवाला प्लास्टिक की थैली में सब्जीयाँ दे ही देगा। और तो और उसने प्लास्टिक की थैली में सब्जीयाँ देने से मना कर दिया तो हम यह कहने से बिल्कूल भी नही हिचकिचाते कि भई प्लास्टिक की थैली में दोगे तो ही तुमसे सब्जी खरीदूँगा। बेचारा सब्जीवाला! ऐसी स्थिति में करे तो क्या करें। व्यवसाय कर अपना पेट पाले या पर्यावरण को प्लास्टिक से भरने में अपना योगदान दे। विवश होकर अंत में प्लास्टिक की थैली में सब्जी दे ही देता है और उसी प्लास्टिक की थैली में हम हमारे घर का बचा हुआ खाना बांधकर रास्ते के किनारे फेंक देते है। यह भटकती हुई भूखी गोमाता की नज़र में पडता है। बेचारी गोमाता...! उस खाने को अपने पेट में डालने के लिए प्लास्टिक की थैली के बंधन को छुडा नहीं पाती है और विवशतावश प्लास्टिक की थैली के साथ ही निगल जाती है। जिससे कई बार उसकी जान पर भी बन आती है।

कचरे में फेंके गए प्लास्टिक में से कुछ धरती में समा जाता है। इस कचरे का कई वर्षों तक विघटन नही हो पाता। और कुछ हवा के संपर्क में आकर या फिर बारिश के पानी के साथ बहकर नालीयों में जाकर फँस जाता है। परिणामतः मौसम की पहली ही बारिश में शहर की सड़कें पानी से लबालब हो जाती है। और हम उसी पानी में हमारे वाहन के साथ रेंगते नजर आते है। हमारे घरों में पानी बिन बुलाया मेहमान बनकर घुस जाता है। और हम उसे घर से निकालने में जी तोड मेहनत करते रहते है। हमारे जीवन में तहलका मचा देने की क्षमता रखनेवाले इन प्लास्टिक महाशय को साष्टांग दंडवत करने का विचार मन में आता है परंतु बाद में वह विचार हवा में ही काफूर हो जाता है। आखिरकार सारा का सारा प्लास्टिक कचरा नदी-नालों से होते हुए बहकर समुंदर में पहुँच जाता है।

हमारी ऐसी धारणा है कि प्लास्टिक पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाना मुमकिन नहीं है। आज अनेक देशों ने जिसमें-अँटिग्वा, कॅमेरुन, बर्मुडा, कोलंबिया, चीन, दक्षिण कोरिया, रवांडा, सेनेगल, अल्बानिया, ट्युनिषशिया, झिंबाब्वे, जॉर्जिया आदि देशों में प्लास्टिक पूर्णतः प्रतिबंधित है। भारत में भी 2019 में 'सिंगल युज प्लास्टिक' पर पाबंदी लगायी गई। बीच-बीच में सिंगल युज प्लास्टिक पर कार्रवाई किए जाने की घटनाऐं भी हमने अखबारों के माध्यम से पढ़ी है। मगर कानून को ठेंगा दिखाने में हम कहाँ पीछे रहने वाले। गैरकानुनी तरिके से छिपते-छिपाते एक हाथ से दूसरें हाथ तक पहुँच ही जाती है प्लास्टिक। हम बड़े ही धूमधाम से एक दिन का पर्यावरण दिवस हर साल मनाते है। फिर साल के बाकी दिन पर्यावरण केवल और केवल मात्र कागजों में सिमटकर रह जाता है।

सब्जी बेचनेवाला कहता है कि सरकारने प्लास्टिक बनाने वाली फॅक्ट्रीयाँ ही बंद कर देनी चाहिए। प्लास्टिक की पन्नी में गरमा-गरम चाय लाकर कागज़ी कपों में डालकर पिने वाले कहते है कि क्या फर्क पडता है। प्लास्टिक कचरा सड़कों पर फेंकने वाला कहता है सफाई वाला कल उठा लेगा। हर कोई प्लास्टिक से होने वाले नुकसान (चाहे जान का ही खतरा क्यों न हो) को पुरी तरह से नजरंदाज करने में ही अपनी भलाई समझता है। चलो (कुछ देर के लिए) यह मान लेते है कि प्लास्टिक को पूरी तरह से दूर नही किया जा सकता, पर उसके पर्याय के बारे में सोच जरुर सकते है। जैसे - चाय काँच, स्टिल, चिनी मिट्टी से बने कप में या मिट्टी के कुल्हडों मे पी जा सकती है। बाजार में जाते समय कपडे की थैली साथ में लेकर तो जा ही सकते है। सार्वजनिक या बड़े पैमाने पर होने वाले आयोजनों में प्लास्टिक की परत वालीं कागजी पत्तलों के स्थान पर वृक्षों के पत्तों से बनी पत्तल का इस्तेमाल किया जाए तो हमारे स्वास्थ्य के साथ-साथ ग्रामीण हस्त व्यवसाय को भी बढ़ावा मिल सकता है। कचरा चाहे प्लास्टिक हो या किसी अन्य प्रकार का, कचरे को स्वयं की जिम्मेदारी मानना होगा। हम हमारे दैनंदिन जीवनशैली में थोड़ा सा बदलाव करके प्लास्टिक के बढते हुए खतरे को रोक सकते है। हर एक नागरिक को इसके लिए तैयार होना होगा। क्या आप तैयार है!

■ ■ ■

Culinary Experiences : A Journey Through Flavors

Komal Nikhil Desai
(Jr. College Teacher)

Culinary experiences go beyond just eating—they are a journey of flavors, culture, and creativity. Whether savoring street food in Bangkok, indulging in a fine dining experience in Paris, or exploring homemade dishes passed down through generations, food connects people worldwide.

Every dish tells a story, reflecting the traditions and history of a region. The spices in Indian curries, the delicate balance of flavors in Japanese sushi, or the boldness of Mexican tacos highlight the diversity of global cuisines. Cooking itself is an art, where chefs and home cooks alike experiment with ingredients, textures, and techniques to create unforgettable meals.

Food also fosters social connections. A shared meal brings families together, strengthens friendships, and offers comfort in celebrations or tough times. With the rise of food tourism and culinary adventures, people are eager to explore authentic tastes, take cooking classes, or participate in food festivals.

Ultimately, culinary experiences are about delighting the senses, appreciating cultural richness, and creating memories—one bite at a time. ■ ■ ■

The New Educational Policy and the Future of Learning

Bharti Khurana

Education has always been the backbone of a progressive society, shaping not just careers but also character, creativity, and critical thinking. In recent times, the introduction of the New Educational Policy (NEP) marks a significant turning point in how education is perceived and delivered. It is more than just a reform—it is a vision for a brighter, more inclusive, and dynamic future.

One of the most inspiring aspects of the new policy is its focus on holistic development. Gone are the days when success was measured solely by marks and rote memorization. The NEP emphasizes understanding, application, and innovation. It encourages students to explore their interests, develop practical skills, and think beyond textbooks. This shift empowers learners to become problem-solvers and lifelong learners, ready to face real-world challenges.

Another motivating feature is the flexibility offered in academic choices. Students are no longer confined to rigid streams; they can now combine subjects across disciplines. A science student can study music, or a commerce student can explore psychology. This freedom nurtures creativity and helps individuals discover their true passions, leading to more fulfilling career paths.

The policy also promotes skill development and vocational training, bridging the gap between education and employment. By integrating internships and hands-on learning experiences, students gain practical exposure that enhances their confidence and competence. This approach ensures that education is not just theoretical but also relevant and impactful.

Equally important is the focus on inclusivity and accessibility. The NEP aims to make quality education available to all, regardless of socio-economic background. With the integration of technology and digital learning platforms, education is becoming more reachable than ever before. This democratization of knowledge opens doors for countless aspiring minds.

However, the success of any policy lies in its implementation. As students, educators, and institutions, it is our collective responsibility to embrace these changes with a positive mindset. Adapting to a new system may seem challenging at first, but growth often begins outside our comfort zones.

The New Educational Policy is not just a set of rules—it is an opportunity. An opportunity to redefine learning, to break barriers, and to unlock potential. As college students, we stand at the forefront of this transformation. Let us welcome this change with enthusiasm, curiosity, and determination.

The future of education is here, and it is ours to shape. ■ ■ ■

Emotional Intelligence: A Foundation of Holistic Well-Being

- Anuradha Sarda

In the classroom, knowledge often arrives wrapped in textbooks, formulas, and facts. Yet beneath the surface of every equation solved and every essay written lies a quieter force—emotional intelligence (EI)—the art of understanding feelings, guiding them, and weaving them into the fabric of learning.

For students, EI is not a luxury; it is a compass. Imagine a learner facing an exam: the heart races, palms sweat, and doubt whispers. Emotional intelligence teaches the student to pause, breathe, and transform anxiety into focus. It is the skill of listening to one's own emotions as carefully as one listens to a teacher's instructions. A student who learns to name their feelings—joy, frustration, curiosity—gains the power to direct them, rather than be directed by them.

For teachers, EI is the invisible chalk that writes on hearts before it writes on boards. A teacher who senses the silence of a shy child, or the restless energy of a distracted one, is practicing emotional intelligence. It is empathy in action: the ability to see beyond grades and recognize the human stories unfolding in every desk. Such teachers create classrooms where mistakes are not punishments but stepping stones, and where encouragement is as vital as explanation.

Together, student and teacher form a duet. Emotional intelligence is the rhythm that keeps them in harmony. It transforms the classroom from a place of instruction into a sanctuary of growth. When a teacher models patience, students learn resilience. When students practice self-awareness, teachers witness confidence blooming.

Holistic well-being is not achieved by knowledge alone; it is born when intellect and emotion walk hand in hand. Emotional intelligence ensures that learning is not just about what we know, but also about who we become. In this way, classrooms evolve into laboratories of life, preparing not only scholars but balanced, compassionate human beings. ■ ■ ■

શબ્દાંગણ

गुजराती विभाग

शब्दांगण

२०२५–२६

અનુક્રમણિકા

માઇલસ્ટોન	૭૧
સંસ્કારનું સિંચન અને મૂલ્ય	૭૪
લીમડાને આવી ગયો તાવ	૭૬
હરિ તો હાલે હારોહાર...	૭૬
નામ લખી દઉં	૭૭
આટલું બધું વહાલ...?	૭૭
કેન્ટીન : કોલેજનું ધબકતું હૃદય	૭૮

1 માઇલસ્ટોન

લોકહિતનાં કાર્ય કરનારી બિનસરકારી સંસ્થાને **એનજીઓ** તરીકે ઓળખવામાં આવે છે. અનેક એનજીઓ માત્ર માણસો માટે જ નહીં, પરંતુ જાનવરો અને પર્યાવરણ માટે પણ કામ કરે છે. આજે દુનિયામાં આવી લાખો સંસ્થા છે અને એમનું મહત્ત્વ ધ્યાનમાં રાખી દર વર્ષે **૨૭ ફેબ્રુઆરીને વિશ્વ એનજીઓ દિન** તરીકે મનાવવામાં આવે છે.

- દરેક એનજીઓ નફા વગર કાર્યરત હોય તેવું નથી. અસલમાં કેટલીક સંસ્થા વિવિધ પ્રવૃત્તિ થકી નફો મેળવે છે. જો કે કમાણીનો ઉપયોગ સેવાકાર્યમાં જ થતો હોય છે.
- દુનિયાની આવી મોટા ભાગની સંસ્થા ખૂબ જ ઓછા માર્જિનથી ચાલે છે. તેમની પાસે હંમેશાં માંડ અમુક મહિના ચાલે એટલું ભંડોળ જમા થયેલું હોય છે. એટલે જ તો અનુભવી હોવા છતાં એનજીઓના સ્ટાફને હંમેશાં અન્ય કોર્પોરેટ કર્મચારીઓ કરતાં ૬૦ ટકા જેટલો ઓછો પગાર મળે છે. જો કે દુનિયાના ઘણા વિસ્તારોમાં જ્યાં સ્થાનિક સરકાર પણ નથી પહોંચી શકતી ત્યાં એનજીઓના કર્મચારીઓ જઇને પોતાની ફરજ નિભાવતા નજરે પડે છે.
- ભારતમાં દુનિયાનું સૌથી જટિલ એનજીઓ નેટવર્ક આવેલું છે. આપણે ત્યાં આશરે ૩૦ લાખ રજિસ્ટર્ડ એનજીઓ છે, જેમાંથી મોટા ભાગનાં જો કે સ્કૂલો તેમ જ હોસ્પિટલ ચલાવનારા ટ્રસ્ટ છે.

2 માઇલસ્ટોન

સફેદ રંગનું આપણા જીવનમાં આગવું મહત્ત્વ હોય છે. શાંતિનો રંગ ગણાતા સફેદને ઠંડકનું પ્રતીક પણ ગણવામાં આવે છે. એટલે જ આપણે ત્યાં ઉનાળામાં સફેદ રંગ પહેરવાની સલાહ આપવામાં આવે છે. સફેદ રંગ વિશે તમે આ વાતો પણ જાણો છો?

માણસો દ્વારા ઉપયોગમાં લેવાયેલો સફેદ સૌથી પહેલો રંગ છે. અત્યાર સુધી મોટા ભાગની ગુફામાં મળેલા તમામ અવશેષોમાં દોરેલાં ચિત્રો સફેદ રંગથી જ બનેલાં જોવા મળ્યાં છે.

અવકાશયાત્રીઓ તારાનો સફેદ રંગ જોઈ એના તાપમાનનો અંદાજ લગાડે છે. જેટલો સફેદ તારો એટલું એનું તાપમાન સૂર્ય કરતાં વધુ, એ પ્રમાણે આની ગણતરી કરવામાં આવે છે.

યુદ્ધમાં વિશ્રામની ઘોષણા કરવા સફેદ રંગનો ઝંડો વાપરવામાં આવે છે. આને જો કે શાંતિ સાથે કોઈ લેવાદેવા નથી. અસલમાં યુદ્ધ વખતે સફેદ એકમાત્ર એવો રંગ હોય છે, જે સૌથી જુદો દેખાય અને એ સરળતાથી મળી પણ આવે છે.

સફેદ રંગના સજીવો આપણે ત્યાં પ્રાણીબાગની શોભા વધારે છે. અસલમાં પ્રાણીઓમાં આ પ્રમાણે સફેદ રંગ આવવો એ અમુક પ્રકારની ખામીની નિશાની છે. દુનિયામાં કાગડા, વાઘ, જિરાફ, ગોરીલા, સાપ અને મોર જેવા સફેદ રંગના જીવ જોવા મળે છે.

3 માઈલસ્ટોન

ક્યારેય આંગળીનો ઉપયોગ કર્યા વગર કોઈ કામ કરવાનું વિચાર્યું છે? હાસ્યાસ્પદ અને અશક્ય લાગતો આ વિચાર જો કે આપણી આંગળીનું મહત્ત્વ દર્શાવે છે. માણસ સહિત દુનિયાના મોટા ભાગના જીવ આંગળી ધરાવે છે. કદમાં આંગળી ભલે નાની-મોટી હોય, પણ એના વગર ચાલે એમ નથી, પણ શું આંગળી વિશે તમને આ ખબર છે?

- **વ્યક્તિના શરીરમાં આંગળીનાં ટેરવાં સૌથી વધુ સંવેદનશીલ હોય છે.** આપણાં ટેરવાં આશરે ૩૦૦૦ વસ્તુનો સ્પર્શ ઓળખી શકે છે.
- **માણસની ફિંગરપ્રિન્ટ ક્યારેય એકસરખી નથી હોતી.** એક જ વ્યક્તિની દરેક આંગળી જુદી જુદી છાપ ધરાવે છે. બે જોડિયા બાળક પણ સરખી ફિંગરપ્રિન્ટ નથી ધરાવતાં. આજે ભલે ફિંગરપ્રિન્ટ થકી ગુનેગાર પકડાતા હોય, પરંતુ અંગૂઠાના નિશાનને વ્યક્તિની ઓળખ તરીકે તો હજારો વર્ષોથી વાપરવામાં આવે છે.
- **કોઈ વસ્તુ તરફ આંગળી ચીંધી ઇશારો કરનારા જીવ ખૂબ જ ઓછા જોવા મળે છે.** માણસ તરીકે આપણે આંગળીના ઉપયોગ દ્વારા વાતચીત કરવાનો અનોખો તરીકો પણ વિકસાવ્યો છે. આપણે જેને વાનર ગણીએ છીએ એ ચિમ્પાન્ઝી અને ઉરાંગઉટાંગ પણ આંગળીની મદદથી ઇશારા કરી વાત કરે છે.

4 માઇલસ્ટોન

માનવશરીર ઊર્જા મેળવવા માટે ભોજન પર નિર્ભર હોય છે અને દાંત વગર ભોજન લેવું બહુ મુશ્કેલ છે. નાનપણમાં એક વાર દાંત પડે એટલે ફરી પાછા ઊગે, પણ બીજી વાર આવેલા દાંત પડી જાય તો એ પાછા આવતા નથી. એટલે જ તો ડૉક્ટર હંમેશાં દાંતનું ધ્યાન રાખવાની સલાહ આપે છે, પણ શું શરીરના આટલા મહત્ત્વપૂર્ણ અંગ વિશે તમને આ ખબર છે?

- **દાંતની બહારનું પડ ઇનેમલ તરીકે ઓળખાય છે.** ઇનેમલ માનવશરીરનો સૌથી કડક હિસ્સો હોય છે. હાડકાં કરતાં પણ વધુ કડક અને મજબૂત. જો કે હાડકાંની જેમ ઇનેમલ ગુમાવ્યા પછી પાછું ઊગતું નથી.
- **ક્યારેય કોઈ બે વ્યક્તિના દાંત એક સરખા હોતા નથી.** જોડિયા બાળકો પણ જુદી બત્તીસી ધરાવે છે અને એટલે જ ફોરેન્સિક વિભાગ દ્વારા દાંતનો ઉપયોગ વ્યક્તિને ઓળખવા માટે કરવામાં આવે છે.
- **પુરાણા સમયમાં રોમન લોકો દાંત ચોખ્ખા કરવા પોતાના પેશાબનો ઉપયોગ કરતા હતા.** પેશાબમાં એમોનિયા હોય છે, જે દાંતને સફેદ કરી ચમકાવે છે.
- **આપણા ઘરઆંગણે જોવા મળતી ગોકળગાયને ૧૪,૦૦૦ દાંત હોય છે.** આ આંકડો ઓછો લાગતો હોય તો સૃષ્ટિ પર કેટલાક એવા જીવ પણ છે, જેમના મુખમાં ૨૦,૦૦૦ જેટલા દાંત હોય છે!

આભાર: ચિત્રલેખા સામાહિક

કુ. ખુશી ઠાકર

બી.કોમ. ફાયનલ ઈયર (અંગ્રેજી માધ્યમ)

સંસ્કારનું સિંચન અને મૂલ્ય

સંપત્તિનું વીલ બને છે, સંસ્કારોનું ગુડવીલ બને છે. ઝાડ ફળથી ઓળખાય છે. ઘંટની કિંમત તેના રણકાર ઉપરથી થાય છે. સોનું કસોટીથી પરખાય છે. માણસનું મૂલ્ય તેના સંસ્કાર ઉપરથી થાય છે. સંસ્કાર વગરનું જીવન કપડા વગરની કાયા જેવું છે. વાંસનું જંગલ હોય વાંસળીનું નહીં, ખાણ પથ્થરની હોય મૂર્તિની નહીં. તેમ જ કોઈ બાળકો સંસ્કારો સાથે નથી જન્મતા, પણ એના જીવનમાં સંસ્કારોનું સિંચન કરવું પડે છે. એક સામાન્ય વૃક્ષના લાકડા ઉપર સંસ્કાર કરવાથી ઉપયોગી ફર્નિચર બને છે. એક માટીના પિંડને સુસંસ્કૃત કરવાથી સુંદર, ઉપયોગી પાત્રનું સર્જન થાય છે અને એક માનવને સંસ્કાર આપવાથી મહાત્માનું સર્જન થાય છે. ઘર બન્યા પહેલા પડી જાય તે ચણતરની ખામી છે. ભણેલા વારંવાર ભૂલ કરે તો ગણતરની ખામી છે. રામ, શ્રવણની આ ભૂમિ છે. તેમાં આવું થાય તો નક્કી આપણા ઘડતરની ખામી છે. પરિવારના પ્રશ્નોનો જવાબ છે, સંસ્કારી વાતાવરણ.

વ્યક્તિની સંસ્કારિતાનું માપ ત્રણ રીતે થાય છે: ૧. **હૃદયની મધુરતા** ૨. **ઉદારતા** ૩. **વિનમ્રતા**

દુનિયામાં આપણા સિવાય બીજા ઘણા છે તેવું અનુસંધાન રાખીને જીવવું તે મોટો સંસ્કાર છે. સ્કૂલ આપણને રોટલો કમાતા શીખવે છે. જ્યારે સંસ્કાર તે રોટલાને મીઠો બનાવતા શીખવે છે. માણસ ગમે તેટલો મોટો હોય પણ જીવન પ્રદર્શનથી નહીં, પણ જીવન સંસ્કારથી દીપતું હોય. શિક્ષણ આપણને શીખવે છે શું કરવું જોઈએ? અને સંસ્કાર અને સત્સંગ આપણને શીખવે છે શું ન કરવું જોઈએ? સારા સંસ્કાર એ સારા વાતાવરણમાંથી મળે છે. પણ મોલમાંથી નથી મળતા.

સુગંધ વગરનું ફૂલ વ્યર્થ છે, ફૂલ વગરનો બગીચો વ્યર્થ છે તેમ સંસ્કાર વિનાનું જીવન વ્યર્થ છે. પિતાને ઘરેથી ઘણી શ્રીમંત બહેનો કરિયાવરમાં કાર લાવે છે, તેના કરતા સંસ્કાર લઈને આવે તો કેવું સારું? ધૃતરાષ્ટ્રની જેમ ઘરડા થવું તે ગુનો છે, પણ જનકરાજાની જેમ વૃદ્ધ થવું તે જીવન જીવવાની શ્રેષ્ઠ કળા છે. ખીલીને ખરી જવું એ જીવન જીવવાની પ્રક્રિયા છે, તેની વચ્ચે સદ્ગુણો અને માનવતાની સુવાસ મૂકીને જાય એ વ્યક્તિનું જીવન સફળ ગણાય.

યુવાનોએ એવી રીતે જીવન જીવવું જોઈએ કે લોકો તમારા પિતાને પૂછે કે ક્યા પુણ્ય તમે આવો દીકરો કે દીકરી મળ્યા? સંપત્તિ હોય એટલે સંસ્કાર આવી જાય એવું નથી, લંકા આખી સોનાની હતી. પરંતુ રાવણનું મોત આવ્યું ત્યાં સુધી સંસ્કાર ન આવ્યા તે ન જ આવ્યા. ઘડિયાળની ટીક ટીક આપણને સમય

બતાવે છે. પરંતુ વડીલોની રોકટોક આપણને સંસ્કારી જીવનનો રસ્તો બતાવે છે. સંપત્તિ પ્રયત્નો વગર રાતોરાત આવી જઇ શકે છે પરંતુ સંસ્કાર આવતા તો પેઢીઓની પેઢીઓ લાગી જાય છે. દુષ્કાળમાં અનાજની ખોટ હોય તો માણસ મરે છે, પણ જો સંસ્કારની ખોટ હોય તો માણસાઇ મરે છે.

પોતાના માટે જીવે તેનું મરણ થાય છે અને બીજાને માટે જીવે તેનું સ્મરણ થાય છે. વિચારો ભલે નવા રાખો પરંતુ સંસ્કારો તો જુના જ રાખવા સારા. સૂર્યથી ધરતીનો અંધકાર દૂર થાય છે અને સત્સંગ અને સંસ્કારોથી જીવનનો અંધકાર દૂર થાય છે. ચાલાકી ચમકે છે ચાર દિવસ અને ઈમાનદારી (સત્ય) ચમકે છે જીવનભર. હું ખુશ રહું એમાં મારી સફળતા નથી, પરંતુ મારી વાણી, વર્તન અને વ્યવહારથી બીજા ખુશ રહે એમાં જ મારી સફળતા છે. સુખ અને શાંતિ સંસ્કારોથી જ મળે છે. સંપત્તિથી નહીં, પિતાના એક વેણથી રાજપાટ છોડીને રામ વનમાં ચાલ્યા ગયા. કહી શકાય કે એમાં મહાનતા તો પિતા દશરથે આપેલા વારસાગત રઘુકુળ સંસ્કારોની પણ હતી. જો સંસ્કાર હશે તો આખી દુનિયામાં તમારો જય થશે. તમારામાં અહંકાર હશે તો આખી દુનિયામાં પરાજય થશે.

સત્કર્મ અને નીતિથી માણસ ઓળખાય છે. બાકી સારા કપડા તો મોલમાં પૂતળાઓ પણ પહેરે છે. જીવનમાં પડેલા મલિન સંસ્કારો ટાળવા માટે શુભ દેશ, કાળ અને ક્રિયાનું સેવન કરવું. સંસ્કારી માણસોના સાનિધ્યમાં રહીને સત્સંગ, સેવા, ભજન, ધર્મ, જ્ઞાન, આરોગ્ય, વૈરાગ્ય અને ભક્તિના સંસ્કારો જીવનમાં ઉતારવા. મલિન સંસ્કારો ટાળવા માટે સત્સંગ સિવાય બીજો કોઇ ઉપાય નથી. સારા સંસ્કારોનું હંમેશા જતન કરતું રહેવું પડે છે. જ્યારે કે કુસંસ્કારો આપોઆપ આવી જતા હોય છે. હંમેશા સારું બનવા માટે જ પ્રયત્ન કરવાનો હોય છે. નાની ઉંમરમાં પડેલા સંસ્કારોની અસર વધારે ઊંડી થતી હોય છે. જે જીવનભર સાથે રહે છે.

તાત્પર્ય: સંપત્તિના વારસા સાથે અમૂલ્ય સંસ્કારનો વારસો આપવો અનિવાર્ય છે.

લેખિકા : હેમાબેન રાજા,

નાગપુર **મો.** ૯૯૭૦૭૯૩૭૪૦

સંકલન કર્તા: કુ. કૃપા પટેલ

બી.કોમ ફાઇનલ ઈયર (અંગ્રેજી માધ્યમ)

લીમડાને આવી ગયો તાવ

લીમડાને આવી ગયો તાવ,
લીમડાના દાદા ક્યે કહી કહી ને થાકી ગ્યો,
જાવ હજી ફાસ્ટફૂડ ખાવ.

ટી-શર્ટ ને જીન્સવાળી માંજરી બિલાડી ક્યે આપણને દૂધ નહીં ફાવે !
પીત્ઝા ને બર્ગરની આખ્ખી આ પેઢીને રોટલી ને શાક ક્યાંથી ભાવે ?

વર્ષોથી બોટલમાં કેદી થઇ સડતા એ પીણાને પીવો ને પાવ.
જાવ હજી ફાસ્ટફૂડ ખાવ.

અપ ટુ ડેટ કાગડા ને કાગડીયું માઇકમાં મંડીપડ્યા છે કાંઇ ગાવા !
કંઇ પણ ભીંજાય નહીં એવા ખાબોચીયામાં નીકળી પડ્યા છો તમે ન્હાવા ?

કૂંપળના ગીત લીલા પડતા મૂકીને ગાવ રીમિક્સના ગાણાઓ ગાવ.
જાવ હજી ફાસ્ટફૂડ ખાવ.

કાન એ કંઇ થૂંકવાનો ખૂણો નથી કે નથી પેટ એ કંઇ કોઇનો ઉકરડો,
આપણના આ ચહેરા પર બીજાના નખ્ખ શેના મારીને જાય છે ઉઝરડો ?

માંદા પડવાનું પોસાય કદિ કોઇને'ય સાંભળ્યા છે ડૉક્ટરના ભાવ ?

લીમડાને આવી ગયો તાવ
લીમડાના દાદા ક્યે કહી કહી ને થાકી ગ્યો,
જાવ હજી ફાસ્ટફૂડ ખાવ.

– કૃષ્ણ દવે

હરિ તો હાલે હારોહાર.

હું જાગું ઇ પહેલાં જાગી ખોલે સઘળા દ્વાર
હરિ તો હાલે હારોહાર.

નહિતર મારાં કામ બધાં ના ઉકલે બારોબાર
હરિ તો હાલે હારોહાર.

ખૂબ ઉકાળે, બાળે, ગાળે, દ્વેષ રહે ના લેશ
પછી કહે થા મીરાં કાં ઘર નરસૈંયાનો વેશ
હું ય હરખની હડી કાઢતો ઘોડું ધારોધાર
હરિ તો હાલે હારોહાર.

વાતેવાતે ધાંધા થઇ થઇ ઘણાય પાડે સાદ
સાવ ભરોસે બાથ ભરી જે વળગે ઇ પ્રહ્લાદ
તાર મળે ત્રેવડ આવે ઇ નીરખે ભારોભાર
હરિ તો હાલે હારોહાર.

મુઠ્ઠીમાં શું લાવ્યા એની ઝીણી એને જાણ
પહોંચ પ્રમાણે ખાટા મીઠા પણ જે ધરતા પ્રા
એની હાટડીએ હાજર ઇ કરવા કારોબાર
હરિ તો હાલે હારોહાર.

– કૃષ્ણ દવે

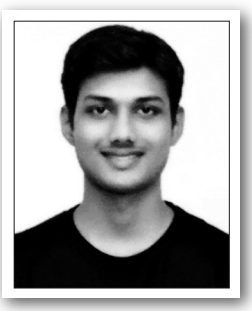

સંકલન કર્તા : મોહિત ઠાકર
બી.કોમ. સેકન્ડ ઈયર (અંગ્રેજી માધ્યમ)

નામ લખી દઉં

ફૂલપાંદડી જેવી કોમળ
મત્ત પવનની આંગળીએથી
લાવ, નદીના પટ પર તારું નામ લખી દઉં!

અધીર થઈને કશુંક કહેવા
ઊડવા માટે આતુર એવા
પંખીની બે પાંખ સમા તવ હોઠ જરા જ્યાં ફરકે.

ત્યાં તો જો -

આ વહેતા ચાલ્યા અક્ષરમાં શો

તરંગની લયલીલાનો કલશોર મદીલો ધબકે...

વક્ષ ઉપરથી
સરી પડેલા છેડાને તું સરખો કરતાં
ઢળી પાંપણે ઊંચે જોતી
ત્યારે તારી માછલીઓની
મસ્તી શી બેફામ...

લાવ, નદીના તટ પર ઠામેઠામ લખી લઉં

તવ મેંદીરંગ્યા હાથ,

લાવને, મારું પણ ત્યાં નામ લખી દઉં!

સુરેશ દલાલ (જન્મ: ઓક્ટોબર 11, 1932)

આટલું બધું વહાલ...?

આટલું બધું વહાલ તે કદી હોતું હશે ?

કોઈ પારેવું વાદળભરી રોતું હશે ?

જીવનમાં બસ એક જ ઘટના
ભીતર એક જ નામની રટના.

પોતાનું તે નામ કદી કોઈ ખોતું હશે ?

આટલું બધું વહાલ તે કદી હોતું હશે ?

જીરવ્યો કેમ રે જાય વલોપાત આટલી હદે ?

આટલો બધો પ્રેમ શું કદી કોઈને સદે ?

નજર લાગે એમ શું કોઈને જોતું હશે ?

આટલું બધું વહાલ તે કદી હોતું હશે

– સુરેશ દલાલ

સંકલન કર્તા: કુ. તન્વી કોટક
બી.કોમ. ફર્સ્ટ ઈયર (અંગ્રેજી માધ્યમ)

કેન્ટીન : કોલેજનું ધબકતું હૃદય

જો કોલેજની કેન્ટીન બોલી શકતી હોત, તો કદાય તે આરામની માંગણી કરત. આપણી પાસે લેક્ચર હોલ અને લાયબ્રેરી તો છે જ, પણ કેન્ટીન એ કોલેજ જીવનનું હૃદય અને આત્મા છે. આ દુનિયામાં એકમાત્ર એવી જગ્યા છે જ્યાં દસ સમોસાની પ્લેટ શક્ય લાગે છે, અને પાંચ મિનિટનો સમય ક્લાસમાં શીખેલા તમામ પાઠમાંથી ત્રણ કલાકના લાંબા વિરામ જેવો લાગે છે.

અહીંની હવામાં ચાનો સ્વાદ અને અધૂરા સપનાઓની મહેક છે. આપણે નવશેકી ચાના કપ સાથે દુનિયાના અંત વિશે ચર્ચાઓ કરી છે, અને મેગીમાં એક્સ્ટ્રા ચીઝ ઉમેરીને દિલ તૂટ્યાના દુઃખ વહેંચ્યા છે. હવે સમય આવી ગયો છે કે આપણે 'સમોસા પાવ' ને માનદ પદવી (honorary degree) આપીએ, કારણ કે જ્યારે ક્લાસમાં બધું ઉપરથી જતું હતું ત્યારે ફક્ત એણે જ સાથ આપ્યો હતો. સવારે 9:00 હોય કે સાંજે 4:00, ગરમાગરમ અને કચકચિત સમોસા હંમેશા હાજર હતા – ભલે આપણી વાતોને લીધે તે ઘણીવાર મોડા પડતા!

અમુક યાદો કોઈ પણ બોર્ડરૂમની મીટિંગ કરતા વધુ સમય સુધી ટકી રહે છે: પેલું ખૂણાનું ટેબલ જેણે કોઈપણ મીટિંગ રૂમ કરતા વધુ 'બ્રેઈનસ્ટોર્મિંગ' જોયું છે, અને આપણા પોતાના સુપ્રસિદ્ધ 'કેન્ટીન અંકલ' . આ એ યાદો છે જેને આપણે હંમેશા સાચવી રાખીશું. અંકલ પોતે, જેમની પાસે હંમેશા ચાના પાંચ ગ્લાસ તૈયાર હોય છે, તે આપણને યાદ અપાવે છે કે, "બેટા, પરીક્ષાઓ તો આવતી-જતી રહેશે, પણ જો ચા ઠંડી થઈ જાય ને, તો એ ખરી કરુણતા છે." અહીં ખોરાક એટલો મહત્વનો નથી જેટલું ચમચીઓના અવાજ સાથે સ્પર્ધા કરતું આપણું હાસ્ય મહત્વનું છે. આપણે કદાય અઘરા પ્રમેયો (theorems) ભૂલી જઈશું, પણ પેલી તિરાડવાળી પ્લાસ્ટિકની ખુરશીઓનો હુંફાળો સાથ ક્યારેય નહીં ભૂલીએ.

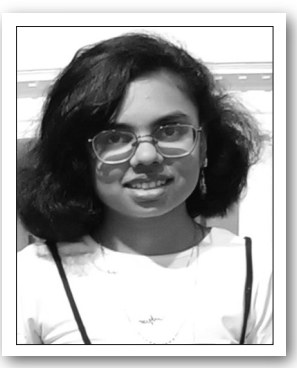

પ્રિયલ નથવાણી

બી.કોમ. સેકન્ડ ઈયર (અંગ્રેજી માધ્યમ)

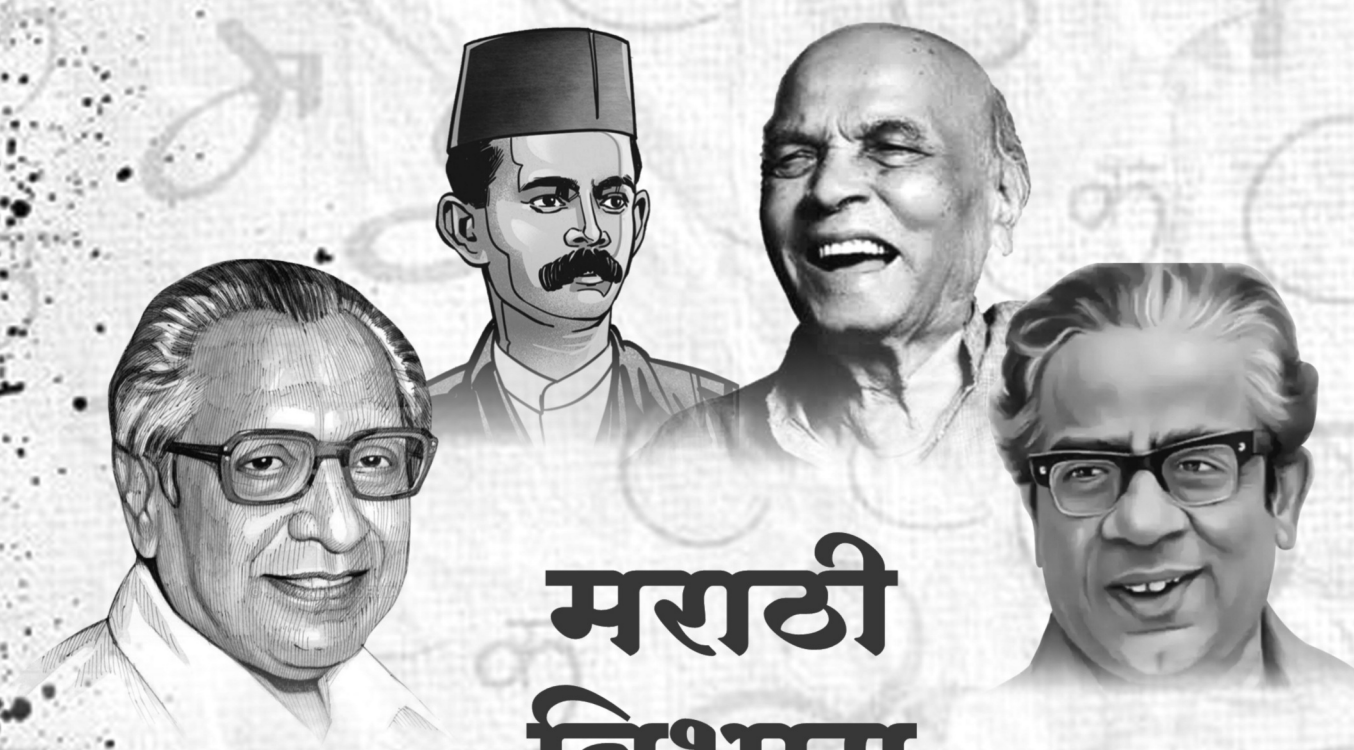

मराठी विभाग

शब्दांगण

२०२५-२६

अनुक्रमणिका

१. कुसुमाग्रज ८१
२. श्री छत्रपती शिवाजी महाराज ८२
३. आनंदाच्या वाटा : लघुकथा ८३
४. शब्दांगण ८४
५. असमाधानी चिमणी ८५
६. गौतम बुद्धांची सुंदर शिकवण ८५
७. संत गाडगेबाबा स्वच्छता अभियान ८६
८. संत तुकाराम ८७
९. नैसर्गिक कविता ८८
१०. पर्यावरण : गरज धोके आणि उपाय ८९
११. आठवणीतले सर ९०

कुसुमाग्रज

मराठी साहित्यातील श्रेष्ठ कवी, नाटककार आणि कथाकार म्हणून कुसुमाग्रज यांचे नाव अत्यंत आदराने घेतले जाते. त्यांचे मूळ नाव विष्णू वामन शिरवाडकर असे होते. मराठी साहित्याला त्यांनी दिलेले योगदान अतिशय मोलाचे आहे. त्यांच्या साहित्यामध्ये मानवी भावना, सामाजिक प्रश्न स्वातंत्र्याची जाणीव आणि निसर्गाचे सौंदर्य यांचे प्रभावी चित्रण दिसून येते.

कुसुमाग्रज यांचा जन्म 27 फेब्रुवारी 1982 रोजी महाराष्ट्रातील नाशिक येथे झाला. लहानपणापासूनच त्यांना वाचन आणि लेखनाची आवड होती. शिक्षण पूर्ण केल्यानंतर त्यांनी साहित्य निर्मितीला सुरुवात केली. त्यांच्या लेखनात काव्य, नाटक, कथा, कादंबरी आणि निबंध अशा विविध साहित्य प्रकारांचा समावेश आहे.

कुसुमाग्रज यांचा पहिला काव्यसंग्रह 'विशाखा' हा अत्यंत लोकप्रिय ठरला या काव्यसंग्रहामध्ये स्वातंत्र्य, देशभक्ती आणि मानवी भावनांचे सुंदर चित्रण आढळते. त्याचप्रमाणे नटसम्राट हे त्यांचे नाटक मराठी रंगभूमीवरील अत्यंत प्रसिद्ध आणि प्रभावी नाटक मानले जाते. या नाटकांमध्ये एका महान कलाकारांच्या जीवनातील संघर्ष आणि भावना यांचे अत्यंत प्रभावी चित्रण केले आहे. कुसुमाग्रज यांच्या साहित्यांमध्ये समाजातील अन्याय विषमता आणि मानवी मूल्यांचा विचार आढळतो. त्यांनी दलित गरीब आणि शोषित लोकांच्या भावना आपल्या साहित्यामधून मांडल्या त्यामुळे त्यांचे साहित्य केवळ मनोरंजना पुरते मर्यादित न राहता समाज जागृती करणारे ठरते. त्यांच्या उत्कृष्ट साहित्य निर्मितीमुळे त्यांना अनेक पुरस्कार मिळाले त्यामध्ये भारतातील सर्वोच्च साहित्य पुरस्कार असलेला ज्ञानपीठ पुरस्कार हा पुरस्कार 1987 साली त्यांना मिळाला. हा पुरस्कार त्यांच्या साहित्यिक योगदानाची मोठी दखल मानली जाते. मराठी भाषेच्या सन्मानासाठी आणि कुसुमाग्रज यांच्या स्मरणार्थ महाराष्ट्रात 27 फेब्रुवारी हा दिवस मराठी भाषेच्या जतन आणि संवर्धनासाठी अत्यंत महत्त्वाचा मानला जातो.

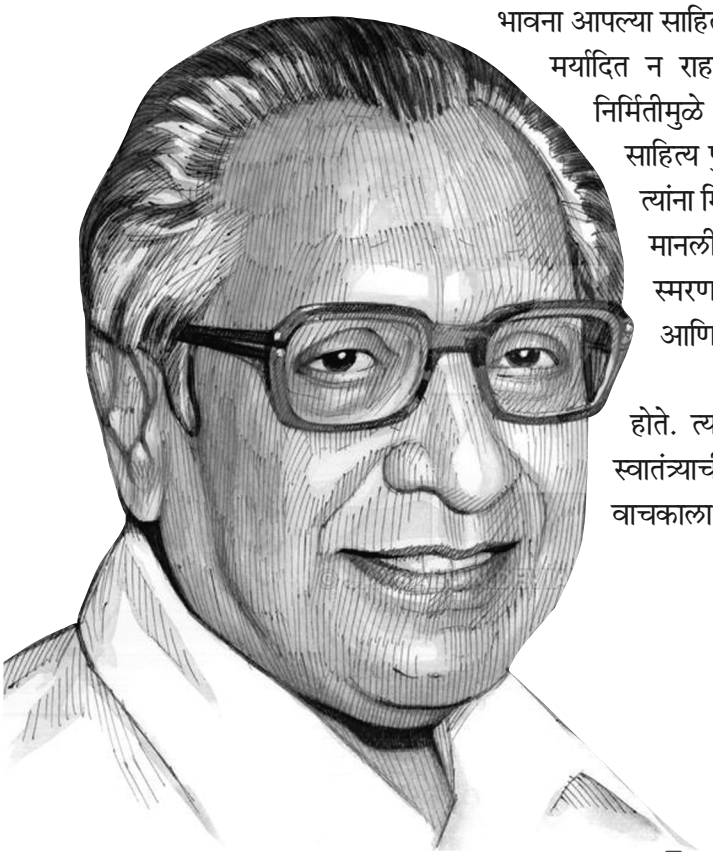

निष्कर्ष कुसुमाग्रज हे मराठी साहित्यातील महान साहित्यिक होते. त्यांच्या लेखनातून मानवी मूल्ये, समाजातील वास्तव्य आणि स्वातंत्र्याची भावना यांचे मिश्रण दिसते. त्यामुळे त्यांचे साहित्य आजही वाचकाला प्रेरणा देणारे आणि विचार करायला लावणारे आहे.

समीक्षा सिंगारे
B.A 2ND YEAR
III SEM

श्री छत्रपती शिवाजी महाराज

हर हर महादेव।।

!! जय भवानी !!

अशी आरोळी ऐकली की आपोआप आपल्या डोळ्यासमोर येतात. आपल्या सर्वांचे लाडके छत्रपती शिवाजी महाराज. शिवाजी महाराज हे आपल्या सगळ्यांसाठीच अत्यंत प्रेरणादायी आणि वंदनीय व्यक्तिमत्व आहे. शिवाजी महाराजांचा इतिहास, शौर्य, कथा ऐकून आपण लहानाचे मोठे झालो. हाच वारसा पुढच्या पिढी पर्यंत पोहोचवण्याची जबाबदारी आपली आहे.

शिवाजी महाराजांचे जीवन पराक्रम

छत्रपती शिवाजी महाराज हे भारताच्या इतिहासातील एक महान योद्धा आणि कुशल प्रशासक होते. त्यांचा जन्म 19 फेब्रुवारी 1630 रोजी शिवनेरी किल्ल्यावर झाला. शिवाजी महाराजांचे वडील शहाजीराजे भोसले हे विजापूरच्या सुलतानाच्या सौन्यात एक प्रमुख सरदार होते, ते एक पराक्रमी योद्धा आणि कुशल प्रशासक होते. त्यांच्या या अनुभवाचा आणि नेतृत्वगुणांचा प्रभाव शिवाजी महाराजांच्या व्यक्तिमत्त्वावर होता. शिवाजी महाराजांच्या आधी स्वराज्य स्थापन करण्याचा प्रयत्न शहाजीराजांनी सुद्धा केला होता. त्यांनी शिवाजी महाराजांना स्वराज्य स्थापनेसाठी आवश्यक असलेले धैर्य, नेतृत्व, आणि युद्ध कौशल्य शिकवलं.

शिवाजी महाराजांच्या आई जिजाबाई एक अत्यंत समजूतदार आणि कणखर राजमाता होत्या. त्या स्वतः धैर्यशील आणि शौर्यवान होत्या. त्यांच्या या गुणांचा प्रभाव शिवाजी महाराजांवर पडला, ज्यामुळे ते पराक्रमी युद्ध बनले. जिजाबाई लहानपणापासूनच शिवाजी महाराजांना रामायण, महाभारत आणि इतर धार्मिक ग्रंथांच्या कथांद्वारे धर्म, न्याय, कर्तव्यनिष्ठा, राष्ट्रप्रेम आणि सत्याचे महत्त्व समजावून सांगत. त्या गोष्टी ऐकून छोट्या शिवाजीला स्वपुरन चढे आणि आपणही आपल्या देशासाठी काहीतरी केलं पाहिजे असं वाटे. जिजाबाईंच्या मार्गदर्शनाखाली शिवाजी महाराजांनी स्वराज्य स्थापनेचे स्वप्न पाहिले. जिजाबाई महाराजांना सांगत की "आपला देश पारतंत्र्यात असून त्याला स्वतंत्र करून मराठा साम्राज्याची स्थापना करायची जबाबदारी आपली आहे"

आणि म्हणूनच कदाचित अवघ्या सोडव्या वर्षी शिवाजी महाराजांनी तोरणा किल्ला जिंकून आपल्या पराक्रमाची सुरुवात केली. कुठल्याही मोहिमेवर निघाल्यावर एक आई म्हणून जिजाबाईंना महाराजांची खूप काळजी वाटते पण त्यांनी ते कधी जाणव दिले नाही उलट प्रत्येक मोहीम जिंकावी यासाठी त्या प्रोत्साहन देत.

राजमाता जिजाबाई आणि शहाजी भोसले हे आजच्या काळातील पालकत्वाचे उत्तम उदाहरण आहे. आपल्या मुलांच्या जडणघडणीत पालकांचे योगदान कसं असावं हे आपल्याला नक्कीच यातून शिकता येईल.

छत्रपती शिवाजी महाराजांनी सर्व स्तरावरच्या लोकांना एकत्र आणलं. त्यांनी तरुण लोकांना एकत्र आणून किल्ल्यांचे बांधकाम सुरू केले. आपण या सगळ्यांना शिवाजी महाराजांचे मावळे म्हणून ओळखतो.

शिवाजी महाराजांचं आपल्या या मावळ्यांवर खूप प्रेम होतं ते फक्त त्यांचे साथीदार नसून महाराज मावळ्यांना स्वतःच्या कुटुंबाचा भाग समजत असत त्यांच्या आनंदाच्या, दुःखाच्या प्रसंगी महाराज त्यात सामील होत असतं, पुढे मावळ्यांच्या सहकार्यामुळे

छत्रपती शिवाजी महाराजांनी मराठा साम्राज्याची स्थापना केली.

यानंतर शिवाजी महाराजांनी प्रत्येक गड किल्ले काबीज केले कधी शक्ती तर कधी युक्ती या तंत्राचा वापर करून शिवाजी महाराजांनी प्रत्येक मुघल राजांचा, सेनापतींचा पराभव केला. अफजल वध, शाहिस्तेखानावर हल्ला, आणि सुरतेची लूट असे अनेक पराक्रम शिवाजी महाराजांनी केले.

आपला शत्रू हा कुठूनही अगदी समुद्रातूनही आपल्यावर हल्ला करू शकतो, हे ओळखून त्यांनी चौदलाची स्थापना केली. शिवाजी महाराज अत्यंत हुशार आणि दूरदर्शी राजे होते, फक्त स्वराज्य स्थापन करून उपयोग नाही, तर त्यांचे रक्षण करणारा प्रजेची काळजी घेणारा एक राजा असणं सुद्धा महत्त्वाचा आहे, असं ओळखून १६७४ मध्ये रायगड किल्ल्यावर शिवाजी महाराजांचा राज्याभिषेक झाला आणि ते झाले छत्रपती शिवाजी महाराज.

लीना नरेंद्र बुटले
B A 2nd year
(3 sem)

आनंदाच्या वाटा

लघुकथा

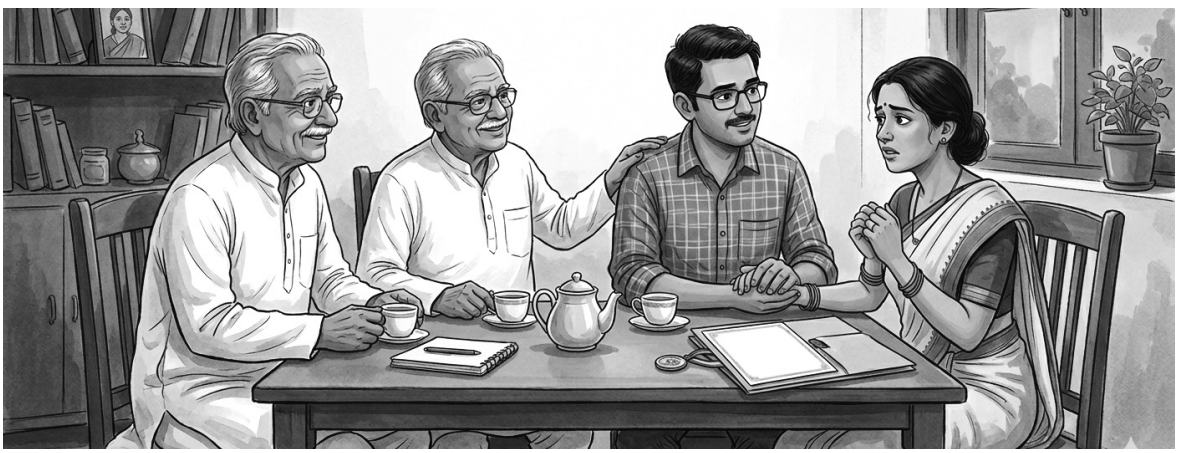

'मेघा मेघा लक्ष कुठंय तुझं ? 'मिलिंदच्या हाकांनी मेघना दचकली, अग अण्णा काहितरी विचारतय.'

काही म्हणालात अण्णा '?' मेघना, 'अगं हो, तुमच्या शाळेत अष्टेकरांच व्याख्यान होतं ना, त्याबददल विचारत होतो. कसं झालं ग ? बाकी माणूस हुशारच ! बाल मानसशास्त्राचा सखोल अभ्यासक माझी खात्री आहे. तुम्हा शिक्षकासाठी त्यांचे विचार अत्यंत मार्गदर्शन ठरले असणार'

'खरंय अण्णा व्याख्यान सुंदरच झाले. अनुभवकथन, दिली गेलेली उदाहरण यातून ने अधिकच खुलंत गेलं सगळं पटलंही ! पण.

'पंण काय ? अण्णा 'काही नाही.' मेघना म्हणाली खरी. पण तिच्या चेहऱ्यावरची काळजी, मनातली चलबिचल लपत नाही.

'काही टेन्शन आहे का मेघा ? काही मदत हवीय का? मिलिंदने तिला धीर दिला.

' बोल बाळा, बोलल्याने मन हल्कं होतं प्रश्नही सुटतात. अण्णानी पाठीवरून मायेचा हात फिरवला मेघना.' अण्णाची सून, स्फॉलर-गोल्ड मेडलिस्ट गलेलठ पगाराची ऑफर नाकारुन हौसेने शिक्षकी पेशा स्विकारणारी. सर्व कसब पणाला लावून. 'आर्दश शिक्षिका' पुरस्कारला मिळाला.

सायली जागेश्वर पट्टेबावणे
वर्ग - B.A 1st year (m)

शब्दांगण

तुम्ही शब्दांगण विषयावर माहिती किंवा साहित्य शोधत असाल, तर हे प्रामुख्यानि मराठी साहित्यातील शब्द आणि विचारांच्या गुंफणीला समर्पित आहे.

शब्दांगण लेख- शब्दांचे सामर्थ्य हे शस्त्रापेक्षाही मोठे असते लेखणीतून जेव्हा विचार उतरतात तेव्हा ते समाजाला दिशा देण्याचे काम करतात शब्दांगण म्हणजे केवळ शब्दांचा समूह नव्हे तर ती एक विचारांची धारा आहे उत्तम लेखणी तीच असते जी वाचकांच्या मनात प्रश्नांचे काहूर वाजवते किंवा त्यांना शांततेचा मार्ग दाखवते.

शब्दांगण कविता :

शब्दांच्या या मैफिलीत,
मौन ही अर्थ सांगुन जाते.....
कधी शब्दांच्या या गणातुन, नवीन कविता उमलून येते
नकोत नुसतेच शब्द कोरडे, त्यात हवी भावनांची ओल.....
शब्दांच्या या गाठोड्यातुन,
सापडेल मग जीवनाचा अनमोल बोल.
शब्दगण साहित्य विचार और अभिव्यक्ती का संगम.

शब्दांचे खेळ-

शब्दांच्या या गणात पहा,
अर्थाचे दीप उजळतात...
कधी ओटीतून साध्या सोप्या, प्रश्नाचे वादळ उठवतात,
नाद असावा शब्दांना, हवी विचारांची जोड....
शब्दगण हा असा असावा,
ज्याला नसावे कसलेच तोड..

लेखनीचे सामर्थ्य-

माझ्या लेखणीतून शब्दांचे,
गण आज अवतरले....
मनातल्या त्या भावनांना,
कागदावरती कोरले.
नको त नुसतेच शब्द कोरडे,
त्यात हवी माणुसकीची ओल....
शब्दगण हा मांडतो बघा,
जीवनाचा खरा अनमोल बोल..

कवितेचा जन्म -

मोहनही अर्थ सांगून जाते...
कधी शब्दांच्या या गणांतून,
नवीन कविता उमलून येते,
कधी तो प्रखर सूर्य होतो, कधी शितल चांदण्याची साथ,
शब्दगण हा कवी मनाचा,
एक सुंदर साक्षात हात.

शब्दांचे विश्व :

शब्दांच्या या अथांग डोहात अर्थाच्या लाटा उसळतात...
कधी शांत कधी उग्र,
शब्दातून क्रांती घडवतात.
गण जमले की होते कविता,
' शब्द', सुटे तर राहते मन,
शब्दांच्या या खेळात सांगा जिंकले आले आजवर कोण,
शब्दांनीच आहे आजवर मोनले,
शब्दानेच साधली म्हणे,
शब्दांनीच केली प्रहार,
शब्दगण हा जीवनाचा,
अविभाज्य असा आधार.

शब्दगण एक वैचारिक मंथन,
शब्दांची उत्पत्ती आणि प्रवास :

आपण जेव्हा शब्द म्हणतो, तेव्हा तो केवळ वर्णाचा समूह नसतो. शब्दांमध्ये नादब्रम्ह, असते. प्राचीन काडी वेद आणि पुराने ही केवळ श्रवणाने (ऐकून) पुढच्या पिढीपर्यंत पोहोचली, यालाच आपण शब्दांचा प्रथम गण म्हणू शकतो आज तोच वारसा लिखित स्वरूपात शब्दगण म्हणून आपल्यासमोर आहे.

साहित्याचे सामाजिक योगदान कोणत्याही देशाचे साहित्य हे त्या समाजाचे प्रतिबिंब असते जर समाजात अन्याय होत असेल, तर लेखकांच्या शब्द गण अन्यायाविरुद्ध पेटून उठतो कुसुमाग्रजांनी कणा असो किंवा साने गुरुजी ने श्यामची आई यातील शब्दांनी पिढ्यानपिढ्या मराठी मनावर संस्कार केले आहेत. शब्द गण लेखणीचा उत्सव शब्दांच्या मानसशास्त्रीय प्रभाव शब्द केवळ संवाद साधत नाहीत तर ते माणसाच्या मानसिकतेवर परिणाम करतात शब्द गण मधून जेव्हा सकारात्मक आणि उत्साहवर्धक शब्द बाहेर पडतात तेव्हा ते नैराश्यात असलेल्या व्यक्तीला नवी उभारी देऊ शकतात. यालाच आपण शब्दांचे समुपदेशन म्हणू शकतो.

लावण्या गिरीश शिंदे
B A 2nd year 4 sem

असमाधानी चिमणी

बोधकथा

एका मोठ्या जंगलात एक चिमणी राहत होती. तीला उडत जाऊन वेगवेगळ्या फळांच्या झाडांवर बसायला खूप आवडायचं. पण तिचं मन नेहमी असमाधानी असायचं. तिला नेहमी वाटायचं की दुसऱ्या पक्ष्यांपेक्षा तिचं आयुष्य चांगल नाही.

एकदा ती मोराला भेटली. मोराचा सुंदर पिसारा पाहून त्याला म्हणाली, "मोर तू किती सुंदर आहेस, माझं आयुष्य फार साध आहे." मोर हसून म्हणाला, "तुझं आयुष्य खूप सुखकर आहे. मी सुंदर आहे पण मला तुझ्यासारखे उंच उडता येत नाही."

चिमणीला समजलं की, आपण नेहमी आपल्या जीवनाची तुलना इतरांच्या जीवनाशी करतो, पण आपल्या आयुष्यातील चांगल्या गोष्टींची दखल घेत नाही.

तात्पर्य : आपल्या आयुष्याच सौंदर्य ओळखल तर समाधान मिळतं.

नावः नंदिनी नितीन मटाले
वर्गः B.com 2nd yea& English
फोन नं : 8999102837

गौतम बुद्धांची सुंदर शिकवण

एका गावात लोकांमध्ये नेहमी वाद होत असायचा, एकदा त्या गावातील काही लोक गौतम बुध्दांकडे गेले आणि म्हणाले : "भंते, आम्ही शांत राहू इच्छितो, पण लोक सतत भांडतात. 'आम्हाला शांती कशी मिळेल ?

गौतम बुद्ध हसले आणि त्यांना जवळच्या तळ्याजवळ घेऊन गेले. त्यांनी तळ्यात दगड टाकला, आणि पाणी अस्वस्थ झाले. "तुम्ही काय पाहत आहात?" बुध्दांनी विचारले. लोक म्हणाले, पाणी गढूळ झाले आहे." बुद्ध म्हणाले "आता थांबा. थोड्या वेळाने पाणी स्थिर झाले,

गढूळपणा खाली बसला आणि पाणी स्वच्छ झाले. बुद्ध म्हणाले : जसे पाणी आपोआप स्वच्छ होते, तसेच शांत बसणे, श्वासांवर लक्ष देणे, राग आल्यावर लगेच प्रतिसाद नं. देणे - यातून मनाची शांती येते. लोकांना समजले, शांती बाहेर नाही, ती आपल्या मनातच आहे.

बोध : मन अस्वस्थ असतांना निर्णय न घेणे, शांत राहणे आणि श्वासांवर लक्ष देणे - यातूनच खरी शांती मिळते.

Tejaswini Giyanizam Hattimare
B.Com 2nd Year [English]

संत गाडगेबाबा स्वच्छता अभियान

संत गाडगेबाबा हे एक थोर समाज सुधारक, कीर्तनकार आणि सेवाभावी संत होते.

त्यांनी समाजातील अंधश्रद्धा, अस्पृश्यता, व्यसनाधीनता आणि अस्वच्छता यांविरुद्ध लढा दिला. त्यांच्या विचारातून सामाजिक सुधारणा आणि मानवतावादी यावर भर दिला जातो.

त्यांचे काही महत्त्वाचे विचार असे आहेत.

१)स्वच्छता आणि समाजसेवा :

संत गाडगेबाबांनी स्वच्छतेला सर्वाधिक महत्त्व दिले त्यांनी लोकांना गाव स्वच्छ ठेवण्याचा सार्वजनिक ठिकाणी स्वच्छता राखण्याचा संदेश दिला.

२) **अंधश्रद्धे विरोधी प्रचार** : त्यांनी देव धर्माच्या नावाखाली होणाऱ्या अंधश्रद्धा कर्मकांड आणि धार्मिक रुढी परंपरा विरुद्ध लढा दिला आणि लोकांना विज्ञाननिष्ठा व तर्कसंगत विचार करण्यास प्रेरित केले.

३) **श्रम प्रतिष्ठा :** ते नेहमी म्हणत की मेहनत करा. स्वतःच्या कष्टावर विश्वास ठेवा, आणि कोणत्याही प्रकारच्या कामाची लाज बाळगू नका.

४) **अस्पृश्यता निर्मूलन :** जातीभेद आणि अस्पृश्यता यांना ते कट्टर विरोध करत. त्यांनी प्रत्येकाला समानतेचा अधिकार असल्याचे सांगितले आणि समाजातील मागासवर्गीयांसाठी शिक्षण व सामाजिक उन्नतींच्या संधी उपलब्ध करून दिल्या.

५) **शिक्षणाचा प्रसार :** गाडगेबाबांनी शिक्षणाला प्रोत्साहन दिले त्यांनी अनेक शिक्षण संस्था आणि धर्मशाळा उभारल्या, जेणेकरून गरीब व गरजू लोकांना शिक्षणाची संधी मिळावी.

६) **व्यसनमुक्ती :** दारू, तंबाखू आणि इतर व्यसनांपासून दूर राहण्याचा उपदेश त्यांनी केला. त्यांनी लोकांना व्यसनाच्या दुष्परिणामाची जाणीव करून दिली आणि व्यसनमुक्त जीवन जगण्याचे आवाहन केले.

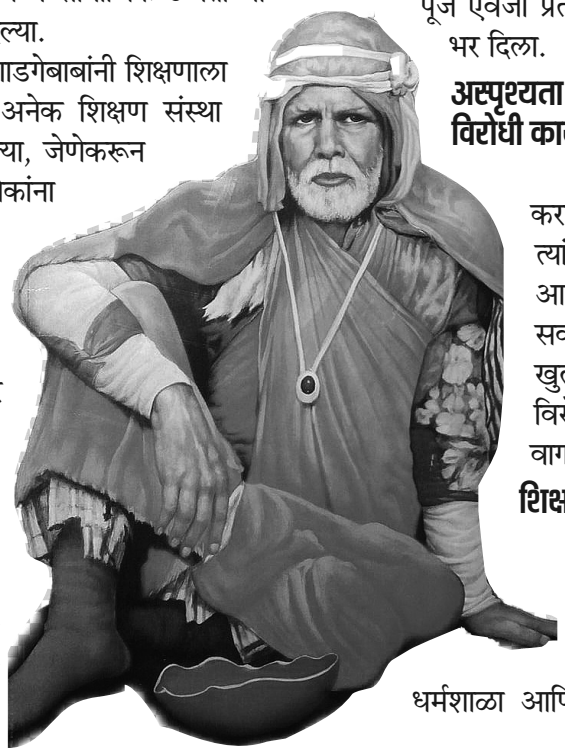

७) **परोपकार आणि सेवाधर्म :** त्यांचे संपूर्ण जीवनात समाजसेवेसाठी वाहिले गेले गरिबांसाठी त्यांनी अनेक धर्मशाळा आणि आश्रम सुरू केले.

संत गाडगेबाबांचे विचार आजही समाजासाठी मार्गदर्शक ठरतात. त्यांच्या शिकवणीवर चालून आपण सामाजिक सुधारणा घडवू शकतो.

संत गाडगेबाबा यांनी संपूर्ण आयुष्य समाजसेवा, अंधश्रद्धा निर्मूलन, स्वच्छता अभियान, शिक्षणाचा प्रसार आणि जातीव्यवस्थेविरुद्ध संघर्ष करण्यासाठी वाहिले. त्यांचे कार्य समाजातील प्रत्येक स्तरासाठी प्रेरणादायी ठरले.

त्यांची काही महत्त्वाची कार्य पुढील प्रमाणे आहेत.

स्वच्छता आणि सार्वजनिक आरोग्य :

गाडगेबाबांनी गावोगावीत जाऊन स्वच्छतेचे महत्व पटवून दिले. ते कीर्तन करत असतात आणि कीर्तनानंतर स्वतः झाडू घेऊन रस्ते, मंदिरे आणि सार्वजनिक ठिकाणी स्वच्छ करत त्यांनी लोकांना स्वच्छतेसाठी प्रेरित करून अनेक ठिकाणी स्वच्छता मोहीम राबवल्या.

अंधश्रद्धा निर्मूलन आणि समाज सुधारणा :

त्यांनी अंधश्रद्धा, कर्मकांड, दैववाद आणि भोंदू बाबा विरुद्ध आवाज उठवला लोकांना श्रद्धेपेक्षा कष्ट, शिक्षण आणि सदगुणांचे महत्त्व पटवून दिले. त्यांनी मूर्ती पूजे ऐवजी प्रत्यक्ष समाजसेवा आणि शिक्षणावर भर दिला.

अस्पृश्यता निर्मूलन आणि जातीव्यवस्था विरोधी कार्य :

गाडगेबाबांनी अस्पृश्यता दूर करण्यासाठी लोकांना एकत्र आणले. त्यांनी मंदिराच्या जागी धर्मशाळा आश्रम आणि वस्तीगृहे बांधली जेथे सर्व जाती-धर्मातील लोकांसाठी प्रवेश खुला होता. त्यांनी जातीव्यवस्थेच्या विरोधात प्रचार करून सर्वांना समान वागणूक देण्याचे महत्त्व समजावले.

शिक्षणाचा प्रसार :

त्यांनी गरीब वंचित आणि मागासवर्गीयांसाठी शिक्षण संस्था सुरू केल्या शिक्षणाच्या मदतीने समाज सुधारता येईल या विचाराने धर्मशाळा आणि आश्रम शाळा स्थापन केल्या.

समाजात शिक्षणाचा प्रसार व्हावा म्हणून दानशूर लोकांकडून मदत गोळा केली आणि त्याचा उपयोग शिक्षणासाठी केला.

व्यसनमुक्ती आणि सामाजिक जागृती :

गाडगेबाबांनी दारू, तंबाखू आणि इतर व्यसनांपासून दूर राहण्याचा संदेश दिला. त्यांनी व्यसनमुक्तीसाठी प्रभावी कीर्तने आणि प्रवचने केली. व्यसनामुळे कुटुंबे उध्वस्त होतात हे पटवून देत त्यांनी अनेकांना व्यसनमुक्त जीवनाचा मार्ग दाखवला.

दान आणि परोपकार :

गाडगेबाबा यांनी स्वतः कधीही धनसंपत्ती जमा केली नाही. त्यांना मिळालेला प्रत्येक दानाचा पैसा त्यांनी धर्मशाळा आणि अनाथालय उभारण्यासाठी वापरला त्यांनी नेहमी लोकांना गरिबांची मदत करण्याचे आणि त्यांच्यासाठी कार्य करण्याची आवाहन केले.

कीर्तन आणि प्रवचनाच्या माध्यमातून समाज जागृती :

कीर्तनातून समाजातील दोष, अंधश्रद्धा, व्यसनाधीनता आणि अस्वच्छतेवर जोरदार प्रहार केला जात असे कीर्तनानंतर ते लोकांना सामाजिक कार्यात सहभागी करून घेत असत.

संस्थांची स्थापना :

"गाडगे महाराज मिशन"ही संस्था त्यांनी सुरू केली जी आजही समाजसेवेचे कार्य पुढे नेत आहे.

गाडगेबाबांचे जीवन समर्पण :

संपूर्ण आयुष्य चंद्रभागेच्या पाण्यात स्नान न करता, कोणत्याही एहिक सुखास न भाळता समाजासाठी अर्पण केले. ते लोकांसाठी चालते-फिरते विद्यापीठ होते. त्यांच्या शिकवणी आणि कार्य आजही प्रेरणादायी ठरतात.

त्यांचा संदेश :

"देवळात जाऊ नका, देव देव करू नका माणसाची सेवा करा हा खरा धर्म आहे".

त्यांच्या या विचारांवर चालून आपण समाज सुधारू शकतो आणि त्यांच्या कार्याचा वारसा पुढे नेऊ शकतो.

राकेश ईश्वर शेंडे
B A second year(m)

संत तुकाराम

प्रस्तावना : संत तुकाराम हे महाराष्ट्रातील थोर संतकवी होते. त्यांनी आपल्या अभंगाच्या माध्यमातून "भक्ती प्रेम समता आणि मानवतेचा" संदेश समाजाला दिला.

जीवनपरिचय

संत तुकाराम महाराजांचा जन्म देहू येथे झाला बालपणापासूनच त्यांना अध्यात्माचीओढ होती. जीवनात अनेक संकटे आली, परंतु त्यानी कशीही देशभक्तीचा मार्ग सोडला नाही.

साहित्यकार्य

तुकाराम महाराजांनी हजारो अभंग रचले. त्याच्या अभंगाची सोपी आणि अर्थपुर्ण भाषा होती. सामान्य माणसालाही समजेल अशा शब्दांत त्यांनी जीवनाचे तत्वज्ञान सागितले.

विचार व संदेश

संत तुकारामांनी अहंकार, लोभ, मत्सर याचा त्याग करण्याचा संदेश दिला. जातीभेद, अंधश्रद्धा आणि ढोगीपणाला विरोध केला जे का रंजले गांजले त्यासी म्हणे जो आपुले "हा त्यांचा प्रसिद्ध विचार आहे

संत तुकारामांचे बालपण

संत तुकाराम महाराजाचा जन्म पुर्ण जिल्हातील देहू या गावात झाला , त्यांचे बालपण अत्यंत साधेपणात गेले, त्यांचे वडील बोलोबा हे व्यापारी होते. तर आई कनकाई धार्मिक स्वभावाची होती. आईकडूनच तुकारामांना लहानपणापासून भक्तीची ओढ लागली. बालपणीच त्यानी रामायण, भागवत ज्ञानेश्वरी यांसारखे ग्रंथ ऐकले. त्यामुळे त्याच्या मनात अध्यात्माची रुची निर्माण झाली. मात्र कृटूंबावर आलेल्या आर्थिक संकटामुळे त्यांना लहान वयातच संसाराची जबाबदारी घ्यावी लागली. या कठीण परिस्थितीमुळे तुकाराम अधिक संवेदनशील झाले. दुःख दारिद्रय आणि लोकांचे हाल पाहून त्याच्या मनात करुणा आणि समाजाबदल प्रेम निर्माण झाले. याच अनुभवांमधुन पुढे त्यांच्या अभंगांना खरी ताकद मिळाली.

अर्जून चव्हाण
बी ए द्वितियवर्ष

नैसर्गिक कविता

प्रकृती ही मानवाच्या जीवनाचा एक अविभाज्य भाग आहे. पर्वत, नद्या, झाडे फूल, पक्षी, आकाश, पाऊस, वारा अशा विविध नैसर्गिक घटकामुळे मानवी मनाला शांतता, आनंद, आणि प्रेरणा मिळते. या प्रकृतीच्या सौदर्याचे आणि तिच्या विविध -रुपांचे काव्यमय वर्णन जेव्हा कवी आपल्या भावना मधून करतो, तेव्हा त्याला नैसर्गिक कविता असे म्हणतात.

नैसर्गिक कविता म्हणजे निसर्गाचे-सौदर्य त्यातील बदल त्याचे मानवी जिवनाशी असलेले नाते. आणि निसर्गामुळे निर्माण होणाऱ्या भावना यांचे काव्यात्मक चित्रण होय. निसर्गातील ऋतूचे बदल, फुलांचा सुगंध, पावसाचे थेंब, पक्ष्याची -किलबिलाट, नदीचे प्रवाह, डोगरांचे भव्य रूप यांचा अनुभव कवी आपल्या शब्दांत व्यक्त करतो. त्यामुळे वाचकाला निसर्गाचा-अनुभव शब्दामधूनच मिळतो.

मराठी साहित्यात अनेक कवींनी निसर्गावर सुंदर कविता लिहिल्या आहेत.

उदा. केशवसुत, बालकवी कुसुमाग्रज बा.भ. बोरकर या कविनी निसर्गाचे

अत्यंत सुंदर चित्रण केले आहे. विशेषता बाल कवी यांच्या कवितांमध्ये निसर्गाचे जिवंत आणि रमणीय वर्णन दिसून येते.

नैसर्गिक कवितेचे काही प्रमुख वैशिष्टये पुढील प्रमाण आहेत.

१) निसर्गाचे सौदर्यपूर्ण आणि जिवंत वर्णन.

२) साधी, सरळ आणि भावना पूर्ण भाषा.

३) निसर्ग आणि मानव यांच्यातील संबंधाचे चित्रण

४) ऋ तू, वनस्पती, प्राणी, पक्षी याचे वर्णन.

५)वाचकाच्या मनात आनंद, शांतता आणि संवेदनशीलता निर्माण करणे.

नैसर्गिक कविता केवळ सौदर्याचे वर्णन करत नाही, तर ती मानवाला निसर्गाशी जोडते. निसर्गाचे महत्व त्यांचे संरक्षण आणि त्यांच्याशी सुसंवाद ठेवण्याची भावना देखील अशा कवितांमधून व्यक्त होते. त्यामुळे वाचकाला निसर्गाविषयी प्रेम आणि -आदर वाटू लागतो.

आजच्या आधुनिक आणि तंत्रज्ञानाच्या युगात माणूस निसर्गापासून दूर जात आहे. अशावेळी नैसर्गिक कविता माणसाला पुन्हा निसर्गाच्या जवळ आणण्याचे कार्य करते. ती आपल्याला निसर्गाचे महत्त्व समजावून सांगते आणि ती जतन करण्याची प्रेरणा देते॥

निष्कर्ष : नैसर्गिक कविता ही मराठी साहित्यातील एक महत्त्वाचा काव्य प्रकार आहे. निसर्गाचे सौंदर्य त्याची विविध रूपे आणि त्यातून निर्माण होणाऱ्या भावना याचे सुंदर चित्रण या -कवितामध्ये दिसते. त्यामुळे नैसर्गिक - कविता वाचतांना वाचकाच्या मनात घर आनंद, शांतता आणि प्रेरणा देणारी ठरते.

कितीं चव्हाण
B.A. IInd Year
IV Sem.

पर्यावरण : गरज धोके आणि उपाय

आधी अनादी काळांपासून पर्यावरण आणि मानव यांचे नाते घनिष्ठ अतूट आहे. पर्यावरण हा मानवाचा मित्र राहिलेला आहे, मानव खऱ्या मित्राला धोका देत आहे, खऱ्या मित्राला काळाच्या ओघात विसरून जात आहे.

मराठी शब्दबंधातील पर्यावरण या शब्दाच्या व्याख्येनुसार सजीवांच्या नैसर्गिक परिसराला पर्यावरण असे म्हणतात.

वैज्ञानिक पारिभाषिक कोषानुसार पर्यावरण या संज्ञेत वनस्पती अथवा प्राणी ज्या नैसर्गिक परिसरात जगतात, वाढतात तेथील हवा, पाणी, जमीन इतर सजीव पर्जन्यमान उंची, तापमान, इत्यादी सर्वांच्या वाढीने होतो स्वार्थी मानव वैज्ञानिक रित्या गरजात्मक वस्तूचा उपभोग घेत नसून अती लालसा मनी बाळगून त्यातील दुष्कृत्य करून गरजू परांत वस्तू प्राप्त करून घेतो या औपचारिक कृत्यामुळे एकेक काळाचे दाट जंगल इत्यादी स्वरूपी उदास आले मोठमोठे डोंगर पोखरल्या गेले अशा करोडो नैसर्गिक साधन संपत्तीचा अतोनात नासधूस करून मानव हा पर्यावरणाची मोठ्या प्रमाणात हानी करीत सुटला आहे.

पर्यावरणाच्या संरक्षणासाठी आज अनेक प्रकारचे प्रकल्प सुचवले जातात. वृक्षांची लागवड व जोपासना करणे सर्वांचे कर्तव्य आहे.

मलाही पृथ्वी वाचवायची आहे मला स्वतःला वाचवायचे आहे मला रोगांपासून मुक्ती पाहिजे आहे असे ठरवून प्रत्येकाने त्यासाठी काही योजना राबवणे आवश्यक आहे.

वनोध्वंस झाला म्हणजे पर्यावरण संतुलन बिघडले.

वातावरणात विषारी द्रव्य पसरली तर मनुष्याला काय भोगावे लागेल हे आयुर्वेदाने स्पष्ट सांगितले आहे.

'झाडे वाचवा पर्यावरण वाचवा'

अशा प्रकारचे फलक दिसू लागले आहे तसेच वृक्ष, वृक्षतोड करू नका वाहनांचा विशेषता मोटर गाड्यांचा सामुदायिक रित्या वापर करा म्हणजे धुराचे प्रमाण कमी होईल. हे सर्व उपाय करणे आवश्यक आहे अखेरपर्यंत बिघडलेल्या पर्यावरणामुळे मानवाला जगणे अवघड झाल्याचे लक्षात आले.

स्वर्गातून येणारी गंगा नदी पृथ्वीला स्पर्श करेपर्यंत शुद्ध पाणी धारण करत होती परंतु पुढे गंगेचे पाणी बदलले गंगा शुद्धीकरणाची मोहीम हाती घेण्याची वेळ आली.

गंगेच्या किनाऱ्यावर अनेक शहरात कारखान्यांच्या विस्तार झाला त्यातून घाणगंगेला पोटात घ्यावी लागली पाण्याच्या पाठोपाठ अन्ना संबंधित ओरड सुरू झाली.

हे खा,ते खाऊ नका, असे सांगण्यात येऊ लागले सूर्यफूल, सोयाबीन वगैरे इत्यादी गोष्टी ज्या देशात मोठ्या प्रमाणावर उत्पन्न होते त्या देशांकडून या गोष्टी खाण्याने आरोग्य मिळेल असा संदेश पसरविण्यात आला.

जमीन, पाणी, हवा प्रदूषित झाली पिकांवर पडणारी कीड व रोग आटोक्यात येण्यास अमर्यादित प्रमाणात पिकांवर विषारी औषधांच्या फवारण्या करण्यात येऊ लागल्या. यातून पुढे भीक नको अशी परिस्थिती निर्माण झाली. दुधाबद्दल तर काही बोलायची सोयच नाही वातावरणात कार्बन डाय-ऑक्साइड, कार्बन मोनॉक्साईड वगैरेचे प्रमाण याचा परिणाम म्हणून पर्यावरणाचा ऱ्हास होत गेला पृथ्वीवर वातावरणाचे तापमान वाढले पृथ्वीच्या वातावरणाचे संरक्षण कवच असलेल्या ओझोन लेअरला भोके पडण्यास सुरुवात झाली.

आज सगळ्यांचे लक्ष पर्यावरणाकडे तर लागलेले पर्यावरणाचे संतुलन बिघडले वातावरणात द्रव्य पसरली तर मनुष्याला काय भोगावे लागेल हे आयुर्वेदाने स्पष्ट झालेले आहे. हे सर्व पूर्वी सांगून ठेवलेत आहे. तरी त्यावेळी सांगितलेली लक्षणे आज जशीच्या तशी दिसू लागली आहे असे दिसते.

भारतीय ऋषीमुनींनी अनेक वर्षांपूर्वी पर्यावरणाचे महत्त्व ओळखून वृक्षवल्ली नद्या पर्वत वगैरेंना दैवत्व दिलेले दिसते व यासाठी पूजा करून इजा करू नये व पर्यावरणाचे संरक्षण करणे ही काळाची गरज आहे.

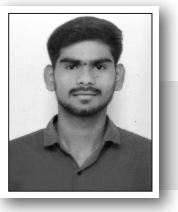

प्रणय दांडेकर
B.A. II Year 4 SEM

'आठवणीतले सर'

कळतच नाही सर मला
काही लिहावं तुमच्या वरती
कार्यही तुमचे तेवढेच
नि तेवढीच आहे कीर्ती

तुम्ही नाही केलील L.L.B
कायद्याच्या जगातली कधी
पण जीवनाच्या कायदयाची पध्दत
सर तुमची मात्र होती साधी

तुम्ही आयुष्यभर प्रयन्त केले
'आदर्श विधार्थी घडाले म्हणून
थोडी मीही प्रयत्न केला सर
त्यात माझं ही नाव यावं म्हणून

सर तुम्ही बोललेले शब्द नि शब्द
कट्यारी सारखे वार करत होते
पण जीवनाच्या रणांगणात
लढण्याचे सामर्थ्यही देत होते

सर तुमच्यातल्या प्रत्येक गोष्टी
मी माझे आदर्श मानतो
हरलोच आयुष्याचा वाटेवर
तर आठवून लढायला बसलो

सर, तुमच्याविषयी खूप लिहायचं होतं
माझ्या आयुष्याच्या डायरीत
पण अक्षरच सापडेना सर मला
तुम्ही शिकवलेल्या बाराखडीत
तरी प्रयत्न सोडला नाही मी
सर तुम्ही सांगितलं होतं म्हणून
पण तुमच्या या कवितेने माझं
आयुष्यच केलंय झिजून

रीना प्रेमदास चांदेकर
वर्ग : B A 2nd
(Marathi) economics

हिंदी विभाग

अनुक्रमणिका

- मेरी माँ ऐसी है 93
- लड़का लड़की की जिम्मेदारी 93
- गज - रक्षा 94
- मेरी माँ 94
- 'कॅमेंट' 95
- मेरे गाँव का मेला 95
- एक मां का विलाप : दया नदी और कलिंग युद्ध 96
- बेटी का महत्व 97
- मोबाईल और रिश्तो की दूरी 97
- साधारण चेहरा, असाधारण पहचान 98
- सच्ची दोस्ती 98
- फुलों की आत्मकथा 99
- मेहनत का फल 99
- पर्यावरण और हमारा दायित्व 100
- नाम में क्या रखा है? 101
- नीम के पेंड का रहस्य 101
- अब नदियां बहती नहीं 102
- मेरे आराध्य की गाथा 102
- सफलता 102
- सबकी आंखो में है सपने 102
- प्राकृती 103
- पर्यावरण पर कविता 103
- चप्पल की आत्मकथा 103
- पर्यावरण 103
- संघर्ष ही पहचान है 104
- महात्मा गाँधी 104
- आसमा की ख्वाईशे 104
- ' विद्यार्थी जीवन का सफर' 104
- प्रकृति आक्रोश 105
- बारिश तो आने से रही! 105

मेरी माँ ऐसी है

दुआ देने वाले तो बहुत है, लेकिन दिल से दुआ देने वाली सिर्फ माँ है.।

मेरी माँ मेरी जीवन की सबसे खास और महत्वपूर्ण इंसान है। मेरी माँ दयालु है। मेरी माँ सिर्फ मुझे ही नहीं मेरे पुरे परिवार को संभालती है। पैसे मांगो तो नही हूँ बोलती है और घर की स्थिति खराब हो जाए तो उन्ही के पैसो से घर भी चल जाता है। मेरी माँ ज्यादा पढ़ी-लिखी तो नही है, लेकिन जब मेरी पढ़ने की बात आए तो वो बहोत पढ़ी-लिखी बन जाती है। माँ का प्यार असीम होता है और वो बदले कुछ नहीं चाहती। बात जब खाना खाने की आए तो मेरे लिए तो और है ये बोलकर अपने हिस्से का भी मुझे दे देती है मेरा तो पेट भर गया ये बोलकर बात टाल देती है। चाहे में पूरी दुनियाँ घुमलू पर घर आकर सबसे पहला शब्द तो माँ ही होती है। मेरे खाने पिने से लेकर बीमारी तक दिलासा देकर मेरी माँ हर अवस्था में मेरी देखभाल करती है। नींद त्यागने से लेकर अपनी पसंदीदा गतिविधियो को छोड़ने तक, मेरी माँ अपनी जरूरतों को त्याग कर मेरी जरूरत को पुरा करती है। जैसे-जैसे मैं बड़ी होती गई.! मैंने अपनी माँ को सिर्फ माँ नही बल्कि एक दोस्त के रूप में भी देखना शुरू कर दिया । जब मैं अपनी परेशानी बताती हूँ तो वो मुझे समझाती है की मैं कैसे उस परेशानी को दूर करूँ । मेरी माँ इतनी भोली कि मेरी छोटी-छोटी सफलताओ का जश्न मनाती है जैसे वे उनकी अपनी हो । कभी - कभी वो सख्त हो जाती है. इसलिए नहीं कि उन्हें ना कहना अच्छा लगता है।

बल्कि इसलिए की वो सब जानती है कि मेरे लिए क्या बेहतर है।

फर्क नहीं पड़ता की दुनिया क्या कहती है। मैं खूबसूरत हूं बहुत ये मेरी माँ कहती है।

माँ के प्यार में कोई शर्त या कोई स्वार्थ नही होता माँ का प्यार निस्वार्थ होता है। मेरी माँ मुझे निस्वार्थ भाव से प्यार करती है। दुनिया में माँ और बच्चे के रिस्ते जैसा पवित्र, निस्वार्थ और अटूट रिस्ता शायद ही कहीं और हो। माँ की ऐसी बहोत सी काम करती है जिन्हें हम नजरअंदाज करते देते हैं और इससे मेरी माँ को परेशानी नहीं। किसी ने सच ही कहा है कि भगवान हर जगह नहीं होते इसलिए उन्होंने माँ बनाया है। मेरी माँ को मैने हर बार मेरी खुशी के लिए अपनी खुशी त्यागते देखा है। मेरी माँ रूप एक देवी के समान है जो हमेशा मुझे अपना आशिर्वाद देती है। मेरी माँ मुझे थे हमेशा सिखाती है कि अपने जीवन में कैसे आगे बढ़ना है और कैसे कठिनाई का सामाना करना है। मेरी माँ का बस चले तो सारी दुनिया की खुशी मुझे देदे और मेरी माँ प्रयास भी तो करती है।

कितना भी लिखे उसके
लिए बहुत कम है,
सच तो ये है कि माँ है
तो हम है।

Kavita Omkar Sahu
B.A 3rd year (Hindi)
V.M.V. College Nagpure

लड़का लड़की की जिम्मेदारी

मेरी सबसे अच्छी दोस्त प्रियंका है उससे मेरी एक दिन बातचीत हो रही थी। तो कहे रही थी। लड़का और लड़की में सबसे ज्यादा जिम्मेदारी लड़की के ऊपर रहती है। क्योंकि लड़की जब छोटी रहती तो उसको सारे रिश्तो की जिम्मेदारी दे दी जाती है। धीरे-धीरे जब वो बड़ी होती तो घर के काम की जिम्मेदारी भी दे दी जाती। जब कॉलेज जाने लगती है तो घर की समस्या के चलते वो जाँब भी करने लगती है। उसे सबको साथ लेकर चलना पड़ता है। हर चीज को संतुलित करके चलना पड़ता है। उसे अपनी पढ़ाई, जाँब, घर के काम सब में संतुलन बनाए रखती है। और वही लडका जिम्मेदारीयों को बोझ समझता है। और उस जिम्मेदारी से पिछे छुडवाते रहते है। हा लेकिन कुछ लड़के ऐसे भी रहते है, जिनको अपने जिम्मेदारी का एहसास रहता है लेकिन जब लड़की की शादी होती है तो उसे दो परिवार को साथ लेकर चलना पड़ता है। लड़का अगर समझे की लड़की के उपर दो परिवार की जिम्मेदारी रहती है अगर लड़का और लड़की दोनों एक- दुसरे की जिम्मेदारी समझे और संतुलन बना कर रखे।

साक्षी आत्माराम बाराबाग
B.A 2nd year (H)
इतिहास

गज - रक्षा

बालको! तुमने हाथी देखा होगा। इसे गज भी कहते है यह बहुत बड़ा और मोटा जानवर होता है यह जंगल में रहता है हरिण और शेर भी जंगल में रहते है। पानी में भी बहुत जानवर रहते है। मछली, मगर और कछुआ पानी में रहनेवाले जानवर है।

बहुत पुरानी बात है जंगल में एक बडा बलवान हाथी रहता था एक दिन वह नदी में पानी पिने गया वह जब पानी में घुसा तो एक मगरने उसका पैर पकड लिया हाथीने पैर छुडाना चाहा परंतु मगरने पैर नही छोड़ा हाती ने और जोर लगाया मगर ने और भी कसकर पैर पकड लिया दोनो में लडाई होने लगी। कभी हाथी मगरको पानी से बाहर खिच लाता तो कभी मगर हाती को पानी में घसीट ले जाता। इस प्रकार बहुत समय तक लड़ाई होती रही लड़ाई करते करते हाथी की शक्ती कम होने लगी। मगर उसे घसीट कर पानी के भीतर दुर तक ले गया हाथी डुबने लगा उसने अपनी सुंड उपर को उठा ली सुंड़से वह श्वास लेता था और पानी के भीतर

ही भीतर मगर से लड़ता था बीच बीच में एक पैर छुड़ाने की भी चेष्टा करता था। परंतु मगर पानी का ही रहनेवाला था इस कारण हाथीकी सब चेष्टाएँ व्यर्थ हुई। वह हारने लगा। धीरे- धीरे उसकी सुंड भी डूबने लगी।

अंत में एक जोंक बराबर सुंड पानी के बाहर रही हाती बिलकुल थक चुका था। अब उसे अपनी शक्ती का भरोसा नही रहा। उसने एकदम निराश भगवान को पुकारा नारायण- नारायण तुरंत विष्णु भगवान आ गये। उन्होने हाथी को पानी से बाहर निकाला। मगर भी उसके साथ बाहर आ गया । भगवान ने अपने चक्र से मगर को मार दिया और हाथी को बचा लिया।

बोलो भगवान और उसके भक्त की जय।

Gaytri Narayan Gurupanch
B. com 1st year

मेरी माँ

माँ वह है जो हमे जन्म देने के साथ ही हमारा लालन पालन भी करती है। माँ के इस रिश्ते को दुनियां में सबसे ज्यादा सम्मान दिया जाता है। एक माँ दुनियां भर के कष्ट सहकर भी अपने संतान को अच्छी सुख सुविधाएं देना चाहती है।

मेरी माँ मेरी जीवन में कई सारी महत्त्वपूर्ण भूमिकाँए निभाती है, वह मेरी शिक्षक तथा मेरी मार्गदर्शक होने के साथ ही मेरी सबसे अच्छी मित्र भी है ।

जब मैं किसी समस्या में होती हूँ तो वह मुझमे विश्वास पैदा करने का कार्य करती है। मैं अपने जीवन में जो कुछ भी हूँ वह सिर्फ अपने माँ की ही बदोलत हूँ क्योंकि मेरी सफलता तथा असफलता दोनो ही वक्त मेरे साथ होती है।

वह दुख में मेरे साथ रही है मेरे तकलीफो में मेरी शक्ती बनी है और वह मेरी हर सफलता का आधारस्तंभ भी है।

गुंजा मेघूराम सिन्हा
B.A. 1st Year (H)

'कॅमेंट'

'कमेंट' का अर्थ है किसी विषय या घटना के बारे में कही गई बात लिखी गई टिप्पणी, जिसमे अपनी राय, विचार, या प्रतिक्रिया शामिल होती है। यह एक संक्षिप्त बयान हो सकता है या फिर किसी चीज का विस्तृत विश्लेषण भी। अगर उदाहरण के तौर पर किसी लेख पर पाठकों की टिप्पणियँ कमेंट को लेकर अगर सामाजिक दृष्टिकोण को देखा जाये को तो यह एक लोगो को एक ताना या टोंट मारने जैसा हो गया है का कमेंट का सही उपयोग उसे उसके Creativity और कौशल्य अनुभव को देखकर उसे प्रेरित करे उसका साहस बढाए परंतु लोगो और समाज की यह धारना और विचार बन गई है कमेंट पर उसकी रचनात्मक या अपने कौशल्य के बारे में कमी निकालनें या उसकी बुराई करके अपने कमेंट में like पाने के कला का मजाक या हास्य का पात्र बना दिया है कमेंट (टिप्पणी) का नकारात्मक मतलब है किसी भी ऐसी टिप्पणी से जो किसी व्यक्ति, विचार या सामग्री के प्रति आलोचनात्मक अपमानजनक, या अशिष्ट होती है। ये नकारात्मक टिप्पणियाँ व्यक्ति को निराश कर सकती है और सार्वजनिक मंच पर दूसरों को भी नकारात्मकता फैलाने के लिए प्रेरित करता है एक ने अगर कमेंट किया तो उसी पर नकारात्मक टिप्पणीयों की संख्या बढ जाती है। उसके प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण को प्रेरित कर सकती है। इनसे निपटने के लिए सहानुभूतिपूर्ण प्रतिक्रिया दे सकते है, टिप्पणी को निजी मंच पर ले जा सकत्ते है या फिर उसे नजरअंदाज कर सकते है खासकर अगर वह धमकी भरी अश्लील हो कमेंट का सही उपयोग किसी सामग्री को बेहतर ढंग से समझने उस पर अपनी राय व्यक्त करने, लेखन के साथ संवाद करने, दुसरो के साथ चर्चा में भाग लेने के लिए होता है और अपनी बात रखने, के लिए प्रासंगिक और सटीक भाषा का प्रयोग करे और सूनिश्चित करे कि आपकी टिप्पणी मूल विषय से संबंधित हो और पोस्ट की गुणवत्ता बढाए सही कमेंट वो है जो बातचीत को बढावा दे जानकारी बढ़ाए और लेखक या पोस्ट करने वाले के साथ एक सकारात्मक संबंध बनाए यह किसी भी सोशल मीडिया या लॉग पोस्ट के लिए एक महत्वपूर्ण योगदान है।

Sanju Chakradhari
B.A and year
(Economics. Major) Hindi

मेरे गाँव का मेला

हमारे विजय नगर में हर साल, साल के पहले दिन से मेले की शुरुवात होती है और यह जनवरी में 4 दिन तक होता है और इस मेले का उत्सव पिछले दस साल से मनाया जा रहा है। हमारा विजय नगर हमारे लिए एक गाँव की तरह है और यहाँ मेला हमारे गाँव के लोगो के लिए एक त्योहार की तरह है। इसलिये इसे लोग बडे हर्षोउल्हास के साथ मनाते है।

मेले की शुरुवात हमारे छत्तीसगढ़ के पारंपरिक रूप से होती है। छत्तीसगढ़ में मेले को मंडई इस नाम से जाना जाता है और मंडई इस शब्द की सुरुवात बस्तर से हुई थी। मेले में तीन दिन तक सांस्कृतिक कार्यक्रम मनाया जाता है और चौथे दिन रामायण और छत्तीसगढ़ का पारंपारिक पंण्डवाणी और कथा कार्यक्रम भी किया जाता है। इस मेले की सुरुवात 2015 से हुई थी जिस वर्ष मेले की शुरुवात हुई तो वह ज्यादा प्रसिद्ध नही था, लेकिन अब यह मेला बहुत प्रसिद्ध है और इस मेले में बड़े दूर से लोग आनंद लेने आते है।

काजोल अनुपताल वर्मा
History (Major)
B.A (Hindi) IInd Year

एक मां का विलाप : दया नदी और कलिंग युद्ध

कल्पना कीजिए की दया नदी एक ममतामयी माँ है जो अपने तट पर बसने वाले बच्चों को लड़ते और मरते देख तडप उठी थी।

यहाँ दया नदी की मातृत्व भावना से कलिंग युद्ध की कहानी है.

एक माँ का विलाप : दया नदी और कलिंग युद्ध

मैं दया नदी हूँ। सदियों से मैंने कलिंग की. इस पवित्र मिट्टी को अपने जल से सीचा है, जैसे एक माँ बच्चों को दूध पिलाकर पालती है। मेरे तट पर खेलने वाले बच्चे, मेरे पानी से खेत सिंचने वाले किसान ये सब मेरी संतान थे ।

आज लोग मेरे किनारे शांति की तलाश में आते है, लेकिन सदियो पहले, मैंने वह मंजर देखा था। जिसने इतिहास की धारा बदल दी ।

साल था 261 ईसा पूर्व मगध सम्राट अशोक अपनी विशाल सेना लेकर मेरे तट पर आ धमके थे सामने भी, कलिंग की वीर जनता थी, जो झुकने को तैयार नहीं थी । शांति से बहने वाली मेरी लहर अचानक घोड़ों की टोपों और हाथियों की चित्कार से कांप उठी। मैं घबराउठी मन व्याकुल हो उठा इतने में ही 'युद्ध का शंखनाद हुवा,

वह दिन मेरी ममता पर सबसे भारी था। की जब बच्चों ने आपस में शस्त्र उठा लिए थे। एक तरफ मगध के सम्राट । सम्राट अशोक की महत्वाकांक्षा थी और दुसरी तरफ कलिंग के बच्चों का स्वाभिमान । मैंने देखा कि मेरे ही तट पर भाई भाई का गला काट रहा था। माँ होने के नाते मैं चिखना चाहती थी, उन्हे रोकना चाहती थी, लेकिन मेरी लहरे केवल बेबसी में उनके पैरों से टकराकर रह गई।

युद्ध इतना भीषण था कि कलिंग के वीरों. का रक्त बहकर मुझमें मिलने लगा एक माँ के लिए इससे बड़ा दुःख क्या होगा कि उसका आँचल उसके बच्चों के खून से लाल हो जाए? वह दिन मेरी ममता की ही हत्या थी । कि मेरे ही बच्चों को इस तरह देखना पड़ा । मेरा शीतल जल, जो कभी जीवन देता था, उस दिन मृत्यु का गवाह बन गया वह पानी लाल नही था, वह एक माँ की आँखो के लहू के आँसु थे।

जब युद्ध थम गया, तब सम्राट अशोक अपनी जीत का जश्न देखने के लिए मेरे तट पर आए। उन्होने मेरे लाल हो, चुके पानी को देखा। उस क्षण, मैंने, अपनी लहरो की सरसराहट से उनके कानो में पीड़ा पहुंची होगी । शायद उन्हे मेरे पानी में एक माँ की करूना, एक माँ की पीडा पहुंची होगी । यह सून कर उनकी आत्मा कांप उठी होगी ।

सम्राट अशोक ने इस विनाशकारी दृश्य को देख कर अशोक की आत्मा काँप गई। अशोक ने मेरी ही गोद में ही अपना हथीयार फेंक दिया। उन्होने देखा कि एक माँ (प्रकृती और नदी) कभी भेदभाव नहीं करती, तो एक राजा क्यो कर रहा है? वृद्धी से उन्होने अपना मार्ग बदल दिया। और धर्म के मार्ग को चुना मैने देखा कि कैसे एक कृर सम्राट मेरी लहरो के स्पर्श से एक दयालु पिता में बदल गया ।

आज भी मैं धीरे से बहती हूँ ताकि दुनिया को याद दिला सकू कि युद्ध केवल विनाश लाता है। शांति ही जीवन का सच्चा आधार है।

कलिंग युद्ध के बाद, सम्राट अशोक ने केवल युद्ध ही नहीं त्याग बल्कि एक लोक - कल्याणकारी राजा के रूप में खुद को पूरी तरह से बदल लिया। उन्होने कलिंग के लोग के घावों को भरने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए?

अशोक ने कलिंग जनता घावों पर मलहम तो लगा दीया। पर एक माँ उस भयानक दृश्य को कसै भुल सकती है की उसके विर बच्चों के लहू लहू होते हुए देखा हो ।

मैं आज भी उस भयानक मंजर की साक्षी हुँ । मैं कलिंग की 'माँ' दयानदी

Manisha Varma
B.A-3RD-year H

बेटी का महत्व

घर-घर में होती है लक्ष्मी के रूप में बेटी जो उस घर को स्वर्ग बनाती है और लोग कहते हैं हमें बेटी नहीं चाहिए जो लोग बेटा-बेटा कहते है वो लोग जान ले कि एक बेटी उस बेटे को जन्म देती है ये समाज कहता है कि बेटी से वंश नही चलता है बेटे से चलता है तो उस बेटे की शादी किससे कराओगे और वंश कहा से लाओंगे रक्षा बंधन के पावन अवसर पर राखी किससे बँधवाओगे रक्षा करने का वचन किसे दोगें माँ कहकर किसे बुलाओगे क्योकि एक बेटी ही तो पत्नी बनकर माँ बनती है और माँ का आर्शीवाद कहा से पाओंगे एक बाप अपनी बेटी पर गर्व कहा से कर पाएँगा जो उसका गुरूर होता है।

डोली में बिठा कर विदा किसे करेगा घर में बेटी ही होती है जो सब के दुःख को समझती है माँ के साथ घर के कामों में हाथ बटाती है बाप के दुखों को कम करती है भाई के मान को बनाय रखती है और अपने माँ-बाप के सम्मान के लिए अपना जीवन बीना कुछ बोले किसी अनजाने के साथ शादी करके उसके घर चली जाती है और ना जाने कितने दुखों का सामना करती है लेकिन माँ-बाप से एक शब्द नही कहती है बेटी घर की रौनक होती है जब दूसरे के घर जाती है उस घर को भी खुशियों से भर देती है बेटी ना जाने अपने माँ-बाप और परिवार की खुशी के लिए कई त्याग करती है फिर भी लोग कहते है की,

हमे बेटी नही बेटा चाहिए समाज समझ ले कि बेटा भाग्य से होता है और बेटी सौभाग्य से इसका अर्थ है की हमारे 'भाग्य' अच्छे थे इसलिए हमे बेटा मिला लेकिन 'सौभाग्य' याने कि हमारे कर्म ना जाने कितनी अच्छे है की हमे ईश्वर ने देवी को बेटी के रूप प्रदान किया।

HEMLATA K. VARMA
B.A 2nd year (Hindi)
7385099805

मोबाईल और रिश्तो की दूरी

आज के इस टेक्नॉलॉजी के जमाने में सबके घर में 2/ 3 मोबाईल रहते है। टेक्नॉलॉजी के कारण मोबाईल ने रिश्तो की दूरी इस कदर बढा दी है कि सामने दोस्त रहते है लेकिन उनसे आमने - सामने उतनी बात नही होती जीतनी Whatshapp में होती है। जब मोबाईल नही था तो सब दोस्त मिलते और खुब मस्ती करते कभी झगडा करते तो कभी मिल जाते दोस्तो के साथ रहते तो अपनी एक दुनिया बन जाती जहाँ से निकलते सब हमे कहते आ गये मस्ती करने वाले। मोबाईल ने इस तरह सब बच्चों में अपना लत लगा दिया है कि कोई दोस्तो के साथ मस्ती नही करता कोई छुट्टीयो का इंतजार नही करता। अब सब मोबाईल में ही गेम खेलते है सोशल मीडिया में रहते है, Whatsapp, Insta में रील देखते रहते है। पहले मम्मी बुलाती रहती कि कितना खेलोगे और हम 2min / 5min बोलते रहते आज वही मम्मी बोलती रहती है। कि बाहर जाओ खेलो- कुदों लेकिन अब कोई नही जाता मोबाईल में इस कदर डूबे है। मम्मी भी बदल गई बच्चे भी बदल गये। जो मम्मी पहिले बोलती की कब तक खेलोगे । अब बोलती जाओ खेलो घुमो बहार का नजारा देखो और जो बच्चे पहले घर आने को नही देखते की और खेलना वही बच्चे मोबाईल आने के बाद घर से निकलने के लिए नही देखते है पहले बच्चे बाहर जाने के लिए बहाने बनाते अब घर में रहने के लिए बहाने बनाते है। मोबाईल एक ऐसी चीज है जिसे सही तरह से उपयोग करे तो बच्चे को आगे बढने में मदत मिलती है और गलत तरह से उपयोग करे तो बच्चे का भविष्य बिगाड देती है।

स्नेहा शिववंशी
B.A. 2nd Year (H)
मेजर - इतिहास

साधारण चेहरा, असाधारण पहचान

शहर के एक छोटे-से मोहल्ले में रमेश नाम का एक व्यक्ति रहता था। देखने में बिल्कुल साधारण नायक जैसा चेहरा, न ही कोई बड़ी पहचान। लोग उसे अक्सर अनदेखा कर देते थे। सुबह सुबह वह अपनी पुरानी साइकल उठाता, थैला कंधे पर डालता और पास के स्कूल में चपरासी की नौकरी पर चला जाता। उसकी जिंदगी एक तयशुद्ध लय में चलती थी लेकिन उसके भीतर एक ऐसा संसार था जिसे बहुत कम लोग जानते थे।

रमेश पढ़ा-लिखा नहीं था। बचपन में ही पिता का साया उठ गया था ।और घर की जिम्मेदारी उसके कंधों पर आ गई थी। स्कूल छोड़कर उसे काम करना पड़ा। हालाँकि किस्मत ने उसे किताबों से दूर कर दिया था, लेकिन सीखने की उसकी चाह कभी खत्म नहीं हुई। उसे किताबों की खुशबू बहुत पसंद थी। स्कूल की लाइब्रेरी साफ करते समय वह अक्सर फटी-पुरानी किताबों को पलट-पलट कर देखता और अक्षरो को समझने की कोशिश करता।

रात को घर लौटने के बाद जब मोहल्ला सो जाता, तब रमेश लालटेन जलाकर बैठ जाता। उसने पास के बच्चे से अक्षर पहचानना सीखा था। वहीं बच्चा उसे कभी-कभी अखबार पढ़ना सिखा देता था। धीरे-धीरे रमेरा शब्दों को जोडने लगा, फिर वाक्य समझने लगा। यह सफर आसान नहीं या- उम्र ज्यादा थी, आँखे या।

मोहल्ले में कई बच्चे ऐसे थे जो पढ़ाई में कमजोर थे। उनके माता-पिता भी ज्यादा पढ़े-लिखे नहीं थे। एक दिन रमेश ने हिम्मत कर उन बच्चों को शाम को अपने घर बुलाया और कहा, मैं बड़ा टीचर तो नहीं हूँ, पर जितना जानता हूँ, उतना जरूर सिखा सकता हू। शुरुआत में लोग हँसे-₹खुद ठीक से पढ़ नहीं पाता और पढ़ाएगा? लेकिन रमेश ने किसी की परवाह नहीं की।

धीरे - धीरे बच्चों की संख्या बढ़ने लगी। रमेश उन्हे न सिर्फ किताब पढ़ाता बल्कि जीवन के छोटे-छोट सबक भी सिखाता - ईमानदारी मेहनत और धैर्य ।वह करता पढ़ाई सिर्फ नौकरी के लिए नहीं, सही इंसान बनने के लिए भी जरूरी है। बच्चे उसकी बातों को ध्यान से सुनते, क्योंकि वह जो कहता था, उसे जीता भी था।

समय बीतता गया। जिन बच्चों को लोग कमजोर समझते थे, वे स्कूल में अच्छा प्रदर्शन करने लगे। एक दिन स्कूल के प्रधानाचार्य ने यह बदलाव देखा और बच्चों से कारण पूछा। सब एक साथ कहा, ₹रमेश फाका की वजह से। प्रधानाचार्य हैरान रह गए। उन्होंने रमेश को बुलाया और उसके काम कि सराहना की। वहीं रमेश, जिसे लोग अनदेखा करते थे, अब सम्मान की नजरों से देखा जाने लगा।

कुछ सालों बाद मोहल्ले का माहोल पूरी तरह बदल गया। बच्चे बढ़ाई को बोझ नहीं, अवसर समझने लगे। रमेश की जिंदगी भी बदली- उसे स्कूल में स्थायी नौकरी मिल गई और शाम की उसकी छोटी सी पाठशाला अब रमेश अध्ययन केंद्र नाम से जानी जाने लगी।

रमेश आज भी खुद को कोई महान व्यक्ति नहीं मानता। वह बस मुस्कुराकर कहता है मैने सिर्फ वही किया जो मुझे सही लगा। लेकिन मोहल्ले के लिए वह एक मिसाल बन चुका है। उनकी कहानी यह सिखाती है कि इंसान की पहचान उसकी डिग्री या पद से नहीं, बल्कि उसके इरादों और कर्मो से होती है।

सीख : सच में, कभी-कभी सबसे साधारण दिखने वाले लोग ही सबसे असाधारण काम कर जाते हैं।

यशवंत रमेश शाहू
B.com 1 year (Hindi)

सच्ची दोस्ती

लघुकथा

एक गाँव में दो दोस्त रहते थे- राहुल और अमन। दोनो बचपन से साथ खेलते, साथ पढ़ते और हमेशा एक-दूसरे की मदद करते थे। एक दिन दोनो जंगल से गुजर रहे थे। तभी अचानक सामने एक भालु आ गया। राहुल डर के मारे जल्दी से पेड़ पर चढ़ गया। लेकिन अमन पेड़ पर नहीं चढ़ पाया। उसे याद आया कि भालु मरे हुए इंसान को नहीं छूता। अमर तुरंत जमीन पर लेट गया और अपनी सांस रोक ली भालु उसके पास आय, उसे सुंघा और चला गया। कुछ देर बाद राहुल पेड़ से नीचे उतरा और अमन से बोला, भालू तुम्हारे कान में क्या कह रहा था? अमन मुस्कुराया और बोला, भालु कह रहा था- जो दोस्त मुसीबत में साथ छोड़ दे, उस पर कभी भरोसा मत करना। राहुल को अपनी गलती का एहसास हुआ और उसने माफी मांगी। **सीख :** सच्चा दोस्त वहीं होता है जो मुश्किल समय में साथ निभाए।

आदित्य अज्जु जनपत
B.com 1st year (H)

फुलों की आत्मकथा

फुल यह एक ऐसा शब्द है, जिसके नाम में ही खुशबू है। खुशबू से हर व्यक्ति का मन आनंदीत हो जाता है। परंतु हर फुल से खुशबू नही इसका मतलब यह नहीं की वह फुल अच्छा नहीं है । भले उस फुल से खुशबु न आय पर उसका स्वरूप तो अच्छा है। ना जिस कारण वह फूल किसी के काम में तो आती है। फुलों का जीवन हम मनुष्यो के जीवन से जुड़ा है। और हमे इन फुलो के जीवन से सिखने को भी मिलता है। क्योकि हर बगीचे में खिलने वाले फुल सजावट के काम नहीं आता बल्कि कुछ फुल किसी के शोक काम आता है। उसी तरह हम मनुष्यों के जीवन में भी होता है। कोई भी चीज आसानी से नहीं मिलती है । हम मनुष्यों के जीवन में बहुत सारी कठिनाईयाँ आती है जिसका सामना हमे करना पड़ता

है। जिस तरह बगीचे में कुछ फुल बहुत सुंगधीत होते है। जिसमे से बहुत ज्यादा खुशबू आती है । उसी तरह इस बगीचे जैसे छोटी सी दुनियाँ में कुछ ऐसे अच्छे व्यक्ति होते है। जिनका व्यवहार इन फुलो की खुशबू की तरह होता है। जो अपने जीवन को बोझ न, समझते हुए। अपने जीवन को सरलता से व्यतित करते है । कुछ ऐसे भी व्यक्ति होते जो अपने जीवन को बोझ समझते हैं, और अपने जीवन को कोसते है। बगीचे के कुछ फुल पुजा मंदीर को सजाने के काम तथा भगवान को चड़ाया जाता है। क्योकि फुल को श्रद्धा और भक्ति का प्रतीक माना जाता है।

मुस्कान रामदुलारा सार्ग
B.17 Yean(H) Economics
(Major) Hindi

मेहनत का फल

नागपुर के पास एक छोटे से गाँव में राहुल नाम का एक लड़का रहता था। राहुल पढ़ाई में ठीक था, लेकिन वह मेहनत करने से. हमेशा बचता था । उसे लगता था कि किस्मत साथ दे देगी तो बिना ज्यादा मेहनत के ही सफल हो जाएगा।

एक दिन स्कूल में वार्षिक परीक्षा का परिणाम आया। राहुल के दोस्त अच्छे अंको से पास हुए, लेकिन राहुल के अंक बहुत कम आए। वह उदास होकर घर लौटा। उसकी दादी ने उसे समझाया, बेटा, किस्मत भी उसी का साथ देती है जो मेहनत करता है। बिना परिश्रम के सफलता नहीं मिलाती।

दादी की बात राहुल के दिल को छू गई उसने ठान लिया कि अब वह रोज समय पर पढ़ाई करेगा और अपना काम खुद करेगा। धीरे-धीरे उसकी आदत बदल गई। अगले साल परीक्षा में उसने अच्छे अंक प्राप्त किए और सबने उसकी प्रशंसा की।

राहुल समझ गया कि मेहनत और लगन ही सच्ची सफलता की कुंजी है।

सीखः हमें इस कहानी से यह सीख मिलती है कि कभी भी किस्मत के भरोसे नहीं बैठना चाहिए, बल्कि मेहनत और धैर्य के साथ अपने लक्ष्य की और बढ़ना चाहिए।

Yakshi Beleshwar
Class- B.A2nd year
Medium - Hindis

पर्यावरण और हमारा दायित्व

प्रस्तावना :

पर्यावरण हमारे जीवन का सबसे महत्वपूर्ण आधार है पर्यावरण शब्द दो शब्द से मिलकर बना है परी और आवरण इसका अर्थ है हमारे चारों ओर का वातावरण! इसमे वायू ,जल, भूमी, पेड- पौधे, जीव जंतू, पर्वत नदियाँ आदि 'सभी शामिल होते है। मनुष्य का जीवन पुरी तरह से पर्यावरण पर निर्भर करता हैं।

पर्यावरण हमारे जीवन का आधार है। हमारे चारों ओर जो भी प्राकृतिक वस्तुएँ मौजूद है जैसे वायु, जल, भूमि ,पेड, पौधे, पशु- पक्षी,पर्वत, नदियों और जंगल इन्ही सबको मिलाकर पर्यावरण बनता है। मनुष्य का जीवन पूरी तरह से पर्यावरण पर निर्भर करता हैं। हमें साँस लेने के लिए शुद्ध वायु, पीने के लिए स्वच्छ जल और भोजन के लिए उपजाऊ भूमि की आवश्यकता होती है, जो हमें पर्यावरण से ही प्राप्त होती है, यदि पर्यावरण स्वच्छ संतुलित रहेगा तो पृथ्वी पर रहने वाले सभी का जीवन स्वस्थ और सुरक्षित रहेगा । प्राचीन समय में मनुष्य प्रकृती के साथ संतुलन बनाकर जीवन जीता था लोग पेडो नदियो और पहाडो का सम्मान करते थे, और प्रकृती को भगवान का रूप मानते थे, उस समय वातावरण स्वच्छ और शुद्ध था लेकिन आधुनिक युग में विज्ञान और तकनीक के विकास के साथ साथ मनुष्य की आवश्यकता भी बढती गयी। अधिक सुख सुविधाये प्राप्त करने के लिए मनुष्य ने प्रकृती का अत्याधुनिक दोहन करना शुरू कर दिया। बडे बडे उद्योग कारखाने और शहरो के विकास के कारण पर्यावरण को बहुत नुकसान पहुचा हैं।

आज के समय में पर्यावरण प्रदूषण एक गंभीर समस्या बन गई है कारखाने और वाहनों से निकलने वाला धुवां हवा को प्रदूषित कर रहा है, नदियों और तालाबों में कचरा और रासायनिक पदार्थ डालने से जल प्रदूषण बढ़ रहा है। खेतों में अधिक मात्रा में रासायनिक खाद्य और कीट नाशकों का उपयोग करने से भूमि की उर्वरता कम हो रही है, इसके अलावा तेज आवाज वाले वाहन मशीन और लाउडस्पीकर ध्वनि प्रदूषण को बढ़ाते हैं ,इन सभी कारणो से पर्यावरण का संतुलन बिगड़ रहा है। और इसका सीधा प्रभाव मानव जीवन पर पड रहा है। पर्यावरण प्रदूषण के कारण कई प्रकार की समस्याएं उत पन्न हो रही है प्रदूषित हवा और पानी के कारण अनेक बीमारियां फैल रही है, जैसे दमा, एलर्जी और त्वचा रोग पेड़ों की लगातार कटाई के कारण वर्ष का संतुलन भी बिगड़ रहा है कई अधिक वर्षा होती है तो कई सूखा पड़ जाता है, पृथ्वी का तापमान धीरे-धीरे बढ़ रहा है जिसे ग्लोबल वार्मिंग कहा जाता है यदि समय रहते इस समस्या पर ध्यान नहीं दिया गया तो भविष्य में पृथ्वी पर जीवन के लिए बड़ा खतरा उत्पन्न हो सकता है, ऐसी स्थिति में पर्यावरण की रक्षा करना हम सभी का कर्तव्य बन जाता है, हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए और जंगलों की कटाई को रोकना चाहिए। पेड़ पौधे वातावरण को शुद्ध करते हैं और हमें आक्सीजन प्रदान करते हैं हमें पानी और बिजली की बचत करनी चाहिए प्लास्टिक का कम उपयोग करना चाहिए और कचरे को इधर-उधर फेंकने के बजाय उचित स्थान पर डालना चाहिए।

इसके साथ-साथ हमें अपने आसपास सफाई बनाए रखनी चाहिए और दूसरों को भी पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करना चाहिए। सरकार भी पर्यावरण की सुरक्षा के लिए अनेक योजनाएं चल रही है लेकिन केवल सरकार के प्रयास पर्याप्त नहीं है जब तक प्रत्येक व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी नहीं समझेगा तब तक पर्यावरण को पूरी तरह सुरक्षित नहीं किया जा सकता इसलिए समाज के हर व्यक्ति को जागरूक होना चाहिए और पर्यावरण संरक्षण के लिए छोटे-छोटे कदम उठाने चाहिए पर्यावरण अंत में कहा जा सकता है कि पर्यावरण हमारे जीवन का अनमोल उपहार है यदि पर्यावरण सुरक्षित रहेगा तो पृथ्वी पर जीवन भी सुरक्षित रहेगा इसलिए हमें अपने दायित्व को समझते हुए पर्यावरण की रक्षा करनी चाहिए हमें प्रकृति से उतना ही लेना चाहिए जितनी हमें आवश्यकता हो और उसकी सुरक्षा का भी ध्यान रखना चाहिए यदि हम आज से ही पर्यावरण की रक्षा के लिए प्रयास करेंगे तो आने वाली पीडियो को एक स्वच्छ सुंदर और हरा भरा वातावरण मिल सकेगा।

Aakansha U. Thakur
B.com-2nd year (Hindi)

नाम में क्या रखा है?

अक्सर हम जब भी किसी अनजान व्यक्ति से मिलते है, 'तो सबसे पहला सवाल यही करते हैं ' आपका नाम क्या है ? नाम व्यक्ति की पहचान होती है, लेकिन कई बार यही नाम -मजाक या परेशानी का कारण भी बन जाता है। इसी से जुड़ी एक मज़ेदार घटना हमारे मित्र थनथन गोपाल की है।

मुख्य कथा-

गॉव में थनथन गोपाल नाम का एक व्यक्ति रहता था। उनकी पत्नी जब भी गाँव में जाती, तो लोग मज़ाक उड़ाते हुए उसे कहने- 'अरे देखो, यह तो थनथनिया की पतोहू जा रही है। गाँव में लगने वाले मेले या चौपाल पर भी सब लोग यही नाम लेकर पुकारते। पत्नी को यह बिल्कूल अच्छा नहीं लगता था।

एक दिन पत्नी ने गुस्से में थनथन गोपाल से कहा - ' सुनते हो ! मैं मायके चली जाँऊंगी, तुम जाकर देखना । ॥ थनथन गोपाल ने हँसते हुए पूछा - क्यों भई, हुआ क्या ? पत्नी बोली- ये लोग हमेशा मुझे थनथनिया की पतोहू कहकर चिढ़ाते है। तुम अपना नाम बदल दो, वरना मैं सचमुच चली जाऊँगी।'

थनथन गोपाल बेचारे सोच में पड़ गए। पत्नी अपना सामान समेटने लगी। तब ही थनथन गोपाल अपने पत्नी को गाँव के कुछ लोगों का उदाहरण देता है।

जैसे की देखो पास वाली चाची का नाम लक्ष्मी है, और हमारे गाव का धनराज उसका मानो जैसे किसी सेठ का नाम हो, मानो कितना धनवान है। लेकिन वह तो साधारण आम व्यक्ति है। अब जिसका नाम अमरनाथ है। अब वो उमर अमर तो नहीं है ना।

नाम चाहे कितना भी गुणो वाला हो। पर असली पहचान तो काम से होती है। फिर थनथन गोपाल की पत्नी उसके उदाहरणों से संतुष्ट होती है।

इस घटना से यही सीख मिलती है कि 'नाम में क्या रखा है, असली पहचान तो इंसान के अच्छे कर्म और स्वभाव से होती है।' (लोगो का तो काम है कहना।)

Bhumika V Devasi
B.A. 1st year Enllish medium

नीम के पेंड का रहस्य

गाँव के बीचों-बीच एक पुराना नीम का पेंड था। लोग कहते थे उसके नीचे बैठकर अगर कोई सवाल, पुछ लो तो जवाब जिंदगी खुद ही दे देती थी। कोई मानता था कोई हँसता था । आँख हँसने वालों में से था। लेकिन जिस दिन उसकी जिंदगी पहली बार उलझी वह चुप चाप उसी नीम के नीचे जा बैठा अगर सच में कुछ कर सकते हो. उसने बुदबुदाया तो बस इतना बता दो मैं गलत तो नही हूँ हवा चली पत्ते खडखडाएँ और तभी उसे जमीन में आधा दबा हुआ डिब्बा दिखा। डिब्बे में एक डायरी थी। वह डायरी मीरा की थी, गाव की वह लडकी जो सालो पहले अचानक शहर चली गई थी, बिना किसी को बताई। आख ने पड़ना शुरू किया। डायरी में डर था, सपने थे नाकाम प्यार था और एक बडा फैसला खुद को ढुंढने का। मीरा ने लिखा था। सब कुछ छोडना आसान नहीं है लेकिन खुद को खो देना उससे भी मुश्किल है।

पढ़ते-पढ़ते आँख को एहसास हुआ - ये कहानी सिर्फ मीरा की नहीं थी ये उसकी भी थी । तभी किसी ने पीछे से कहा अब भी लोग उस पेंड से सवाल पुंछते है ?आँख चौक गया। पीछे मीरा खडी थी, मुस्कुराती हुई, बडली हुई, लेकिन आखो वही सच्चाई ! दोनो हसे। थोडा अजीब थोडा भावुक। मीरा ने कहा, जवाब,पेड नहीं देता जवाब हमें मिल जाता है। जब हम सुनने को तैयार होते है। आख ने डायरी बंद की, उसे उसके सवाल जवाब मिल चुका था। नीम का पेड खडा रहा- शांत, पुराना और थोडा सा जादुई। जैसे कह रहा हो, - कहानी अभी खत्म नह हुई है।

आदित्य छ. धकाते
B.com 1st Year (Hindi)

अब नदियां बहती नहीं

पहलें नदियाँ
स्वच्छंदता से बहती थी,
हमे लगता था,
कितना पानी यूँ ही व्यर्थ बह रहा
युक्ती सोची पानी रोको,
बडे बडे बाँध बने,
पानी रुकी
पर नदियाँ सुखने लगे.
सुखे नदियाँ से रेत निकलने लगे,
अब नदियाँ मरने लगी है,
अब नदियाँ बहती नही ।।

Yukti Anupsing Turkar
BA 2nd year (Hindi)

मेरे आराध्य की गाथा

हर तन में तु
हर मन में तु
हर कण कण में है ही तु बसा
तु है तो जगत उजियारा
तु है संसार का जगतारा
तुझसे है निर्मल संसार का सारा
तु हि किनारा तु हि संहारा
तु गंगाधारी तु त्रिपुरारी
तु है विश्व का पालनहारि,
तु है कल्याणकारी,
तु है हर दुखो का विनाशकारी
तु त्रिनेत्र स्वामी
तु है जगत पिता
तुझमे हि है संसार बसा
तु है संसार र उद्धारकर्ता
तु वो है जिसे कोई ना जान सका
नमः पार्वती पतये : हर हर महादेव।

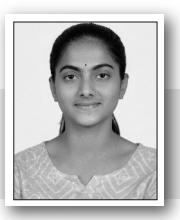

पूजा रेवाराम वर्मा
B.A 2nd year (H)

सफलता

हर उद्देश की पूर्ति सफलता नही,
राह में आई हर बाधा विफलता नही
सफलता की परिभाषा सही
मत छोडो आशा कही
जो कठीनाई देख नही सकता,
जो हार के आगे नही झुकता
जो विजय में भी विनम्र है,
उसके लिए हार केवल भ्रम है
पूर्तिपूर्ण परिस्थिती जिसके लिए सिर्फ एक समय है।
भयभीत न होकर वह अभय है,
विजेता न होकर भी वह विजय है,
पराजय को अस्वीकार कर अजय है।
जो सूरज के साथ नही ढलता ,
जो वक्त के साथ है चलता,
जिसका मन अटल है,
वही यथार्थ सफल है।

भावना गुलाब यादव
B.A.1ST YEAR(H)
economics

सबकी आंखो में है सपने

सपने
कुछ पुरे तो कुछ अधूरे,
सपनो की दुनिया में खोए
हम नन्हे बच्चे सारे
कुछ खोएंगे कुछ हासिल करेंगे,
मुसीबत से सब हम ना डरेंगे
काँटो की राहों पर भी चलकर
हम सपनो को पूरा करेंगे ।
नदियों को पार कर
पहाड़ी पर चढ़कर
उँचाइयो से भी ऊचे सोच लेकर
दिखा देंगे हम कठिनाइयों से जीत कर ।
आँखो में होंगे खुशी के आँसु
उँचे रहेंगे सुदासरे सर अपने
अब ना रहेंगे अधुरे
पुरे होंगे सारे सपने ।

होमेश्वरी धनुष साइ
B.A2nd yeave (H)
Pabi. Sci. 8085046337

प्राकृती

सुहाना सा लगे आज मौसम
जैसे प्रकृति प्रफुल्लित हो रही हो,
शांत मन और खुले दिल से
सबको अपने अंदर समा रही है ।
हर तरफ हरियाली ऐसी
जैसे आकर्षक बना रही हो
फुलो की सुगंध हुए तरफ
प्रकृति को महका हो
चिड़ियां भी चहक रही है
जैसे मन होकर झुम रही है।.
हवा में ठंडक भरी है ऐसी,
पुलकित होके बह रही हो।
प्रकृति की प्रसन्नता तो देखो
जैसे खुदही में डोल रही हों,
वर्षा की बूंदे हर तरफ
सबको मदहोश कर रही हो।

कुसुम सुरेश साहू
B.A 2nd year (H)
Economics 96894 36481

चप्पल की आत्मकथा

जरूरत या मजबूरी रही तो
आते हो मेरे पास
तोड मरोड कर देखते हो मुझे
परख- परक कर लेते हो
पसंद आई तो पाँव में धारण करते हो मुझे
वरना वही फिर कोठ में छोड देते हो मुझे
अगर मुझे लगी तो कुछ नही
तुम्हे लगी तो आहा..... अगर मुझे लगी तो कुछ नही
तुम्हे लगी तो आहा.....
ज्यादा कुछ हुआ मुझे तो
फेंक देते हो कहीं
ज्यादा कुछ नही हुआ मुझे तो
डोरी धारण कर पहन लेते हो वहीं
फिर भी मैं कुछ नही कहती
क्या मेरा कोई प्रतीक नही
क्या मेरा कोई आवाज नही
मैं भी तो हू तुम्हारी सखी.....

प्रीती चौकीराम विश्वकर्मा
BA 3rd Year
माध्यम - हिंदी

पर्यावरण पर कविता

पेड़ पौधे करते बात,
देते है ये शुद्ध प्रभात
फल - फूल और छाया देते
जीवन भर ये साथ निभाते ।
जल, वायु और हरियाली,
इनसे है दुनिया में खुशहाली ।
आओं सब मिलकर करे विचार,
प्रकृति पर न हो कोई वार ।
कचरा कम और पेड़ लगाएँ ज्यादा
धरती को स्वर्ग बनाएँ कर ये वादा।
पर्यावरण का रखो सब मान
तभी बनेगा सुंदर जहान
धन्यवाद

संजना संतोष साहू
B.A 1st year (Political Science)

पर्यावरण

आओ हम से कसम खाएँ
पर्यावरण को नष्ट होने से बचाएँ।
संदेश ये हम तक पहुंचाए
आओ हम पर्यावरण बचाएँ।
ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाएँ
पानी की हर एक बुद्ध बचाएँ।
ये बात हम सबको समझाएँ
आओ हम पर्यावरण बचाएँ।
अब और वृक्ष न कटने पाए
प्रदूषण और न बढ्ने पाएँ
हम सब अपनी जिम्मेदारी निभाएँ,
आओ हम पर्यावरण बचाएँ ।

Dolly S. Chakole
B.A 2nd year
(Hindi)

संघर्ष ही पहचान है

संघर्ष ही जीवन की सच्चाई है।
हर कदम पर एक लड़ाई है।
कभी रास्ते काँटों से भर जाते,
कभी उम्मीद ही रौशनी लाई है।
थककर जब मन बैठ जाता है,
आँखों में सपने रोते है
तभी भीतर की छोटी सी चिंगारी,
हौसलों को फिर से बोते है।
गिरकर उठना, फिर संभलना,
यही असली पहचान है।
जो दर्द में भी मुस्कुरा है,
वहीं सच्चा इंसान है।
अंधेरो से डरना कैसा,
रात के बाद होता, सवेरा है।
संघर्ष भरा ये जीवन ही तो
सपनो तक जाने का फेरा है।

Neha Gautam
B.A 2nd Year
Medium : Hindi

महात्मा गाँधी

-गांधी जी सबके प्यारे थे
हम सबके रखवाले थे
जो कहते वो करके दिखाते.
बापू वो कहलाते थे
वो सबके मन को भाते थे
रघू पति राघव गाते थे।
बच्चो को अति प्यारे थे
सबकी आँखी के तारे थे।
हम भी अच्छा काम करेगे
खूब पढेगे खूब लिखेगे
सदा अहिंसा के पथ पर चलकर
जग में देश का ऊँचा नाम करेगे

गुंजा मेघूराम सिन्हा
BA.1st year (H)

आसमा की ख्वाईशे

मैं आसमान की ख्वाहीश ही क्यों करु
जब स्कूल में जन्नत को देखा है मैने
बचपन में जो दादी माँ से सुनी कहानी
झूट लगती थी सच करता हुँ.
स्कूल में जा कर सब संच लगता है मुझे
टूट चुका हूँ बिखरना बाकी है
बचे कुछ ऐहसास जिनका आना बाकी है
चंद सासे है जिनका आना बाकी है
मौत रोज मेरे सिरहाने खडी हो पुछती है,
भाई आ जा, अब क्या देखना बाकी है।

नागेश्वर संतुलाल शाहू
B.com 15 year - H

' विद्यार्थी जीवन का सफर'

नन्हें कदमों से शुरू होती है राह,
अक्षर - ज्ञान में मिलता है साथ
किताबों से जग खोलता है हार.
हर दिन नमा, हर पल है खास ।
कभी होमवर्क, कभी परिक्षा की रात,
कभी खेलों में मन का सौगात ।
गुरुओं की बातें, मित्रों की हंसी,
यही बनती है जीवन की रौशनी ।
गलतियों से सीख. अपनों को भाने,
संघर्षों में धलते हैं उजले सुबह - सांझे।
हार न मानता ही देता है बल,
विद्यार्थी का सफर है अमूल्य पल ।
आगे चलकर जब मिलती है मंजिल,
याद आता है हर कक्षा का सिलसिला।
बचपन से जवानी तक की यह डगर,
विद्यार्थी जीवन है सबसे सुंदर सफर ।

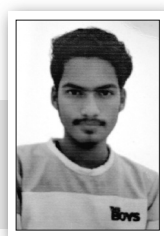

कृष्णा कुमार राजेश राठौड
B.Com 2nd Year - H

प्रकृति आक्रोश

कहीं बाढ कहीं भूकंप
कहीं बादल फट रहे
ये कैसी विषम परिस्थिति हम पर है आई.
ये हमारे ही करनी का फल है
सर्वप्रथम हमने ही वसुंधरा को छती है पहुंचाई.
कचरा फैला रहे है पॉलिथीन जला रहे,
प्रदूषण धुआंधार बंबार है
और रो-रो कर प्रभु से भीख मांग रहे,
कि बचालो देखो संकट में संसार है।
तटवर्ती की जगह ले ली हमने
प्रकृति से की छेड़छाड़
विकास के नाम पर नदीतट पर घर है बनाए।
अब भुगत रहा मानव जाति,
कैसे मन में धीर समाएँ
जंगलो की करी कटाई
तरस न इनकी जीवों पर आई.
पशु-पक्षियों को किया बेघर,
जब खुद का घर ढह गया पानी में
तो चिल्ला रहे, या अल्लाह, रहम कर ।
विवेक के बलवानों ने
नीच बुद्धि मानव ने
इन्सानियत को किया शर्मशार
गर्भस्थ हाथी के गर्भ में.
किया बम से प्रहार ।
अभी भी वक्त है, सुधर जा ए मनुष्य
इस धरोहर को बचाने
कलकी अवतारी आएंगे
बरसाए तो इतना बरसाएंगे
वरना एक-एक बूंद को तरसाएंगे।

केशरी देवनरायण साहू
(बी.ए) प्रथम वर्ष कक्षा -

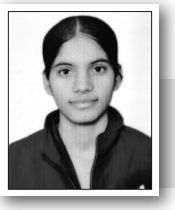

Creative Wastiny
स्वरचित कविता

बारिश तो आने से रही !

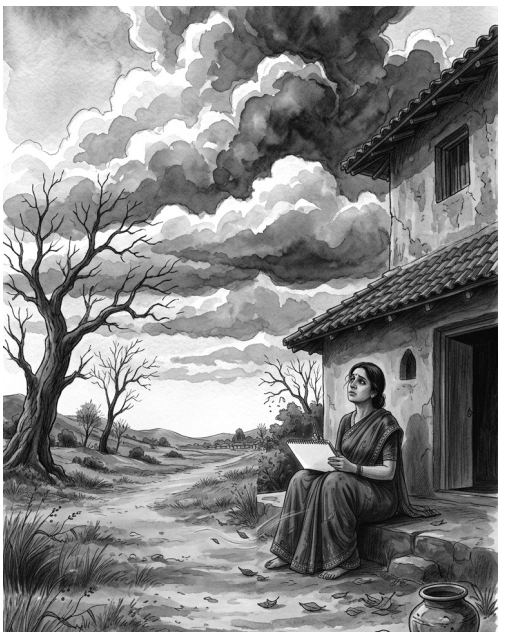

बारिश रीमझीम - रीमझीम बरसती है,
टिपटिप बुदे गिरती है।
क्या ही लिखूं और क्या ही कहूं
बारिश तो आने से रही
ठंडी हवा आती है।
बारिश के बादल गरजते हैं
बारिश आने को तरस्ती है,
क्या ही लिखूं क्या ही कहूँ,
बारिश तो आने से रही।
बिना बारिश के क्या ही लिखूं
बारिश पर क्या ही लिखूं और क्या हो गई,
बारिश तो आने से रही
तय रहा है गर्मी का बादल,
आश है बारिश के आने की,
क्या हि लिखे और क्या हि कहूं
बारिश तो आने से रही।

भूमिका देवासी
(B.A 1st year)
English Medium

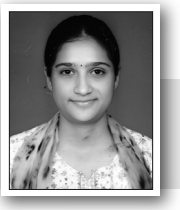

शब्दांगण

2025-26

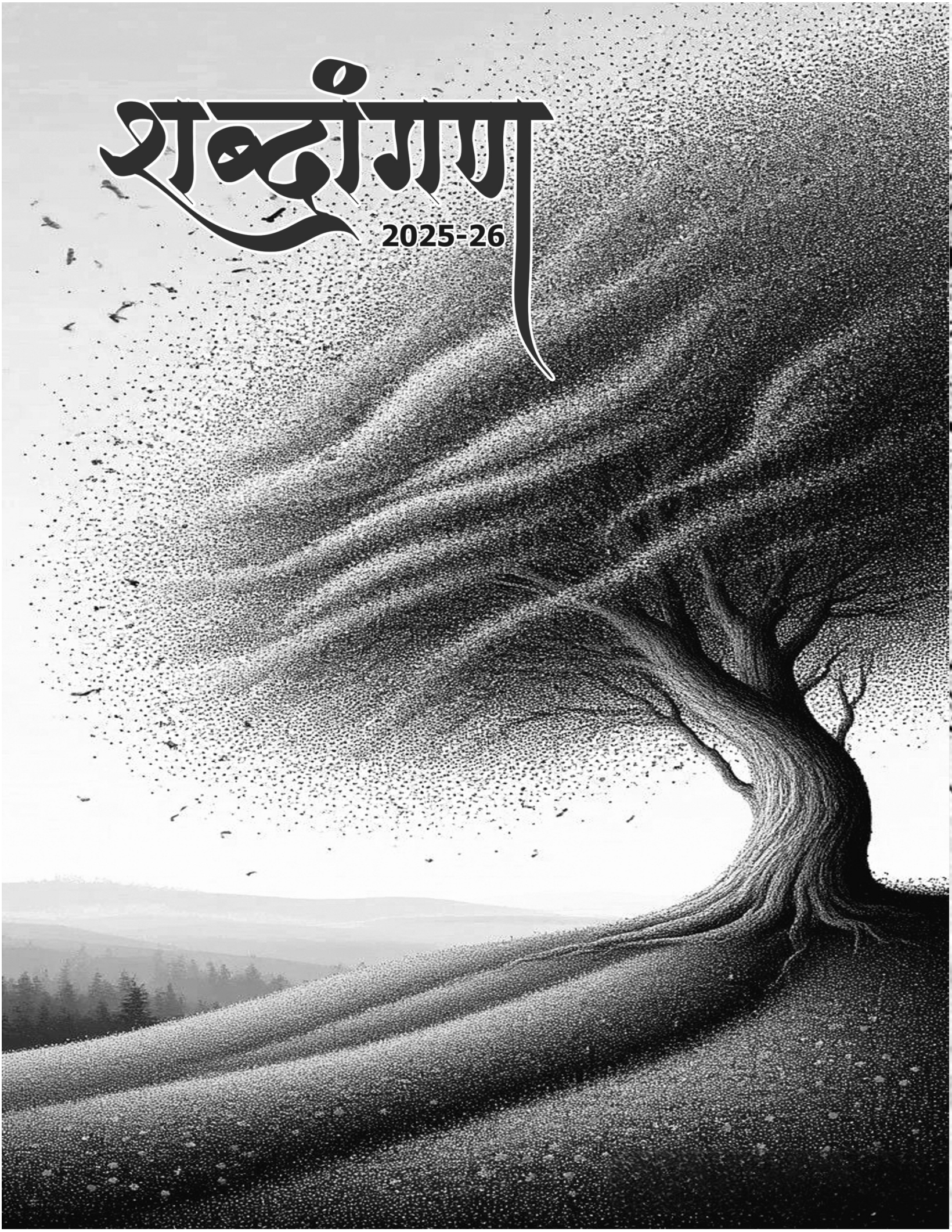

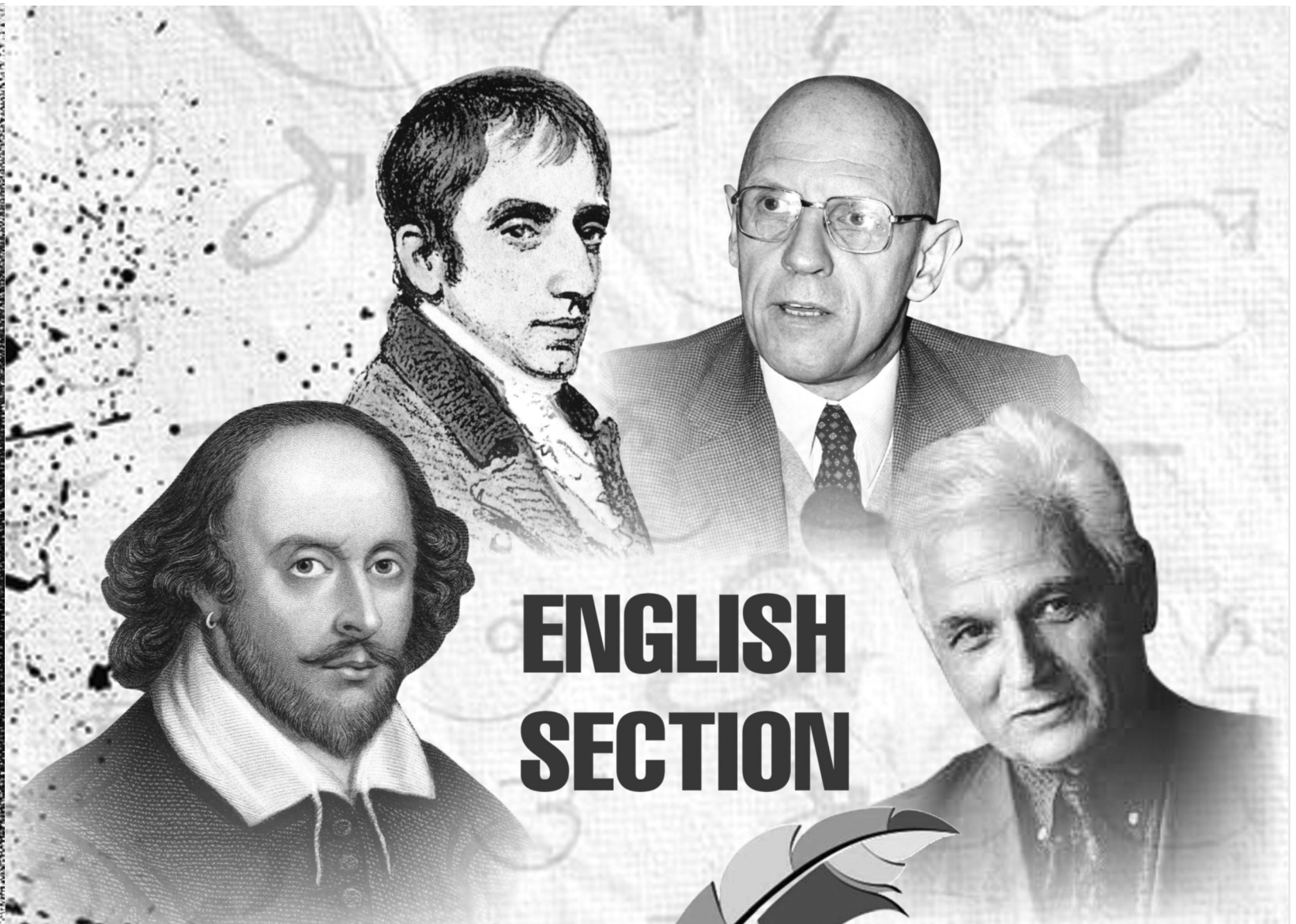

ENGLISH SECTION

शब्दांगण

2025-26

CONTENTS

- My Journey of VMV College 109
- Chhatrapati Shivaji Maharaj 110
- Skills are more important than marks 111
- Chhatrapati shivaji maharaj 111
- Chhatrapati Shivaji Maharaj 112
- Chhatrapati Shivaji Maharaj of childhood 113
- My College life 114
- The future of artificial intelligence 114
- Chhatrapati Shivaji Maharaj 115
- Bhagat singh 116
- Chandrashekhar Azad 117
- The freedom we enjoy! 118
- Nature 118
- The path we walk 119
- Little Bird Queen! 119
- The fish is the queen of water 120
- Little - बंदर मामा (monkey uncle) 120
- Uncle Moon 120
- My School 120

My Journey of VMV College

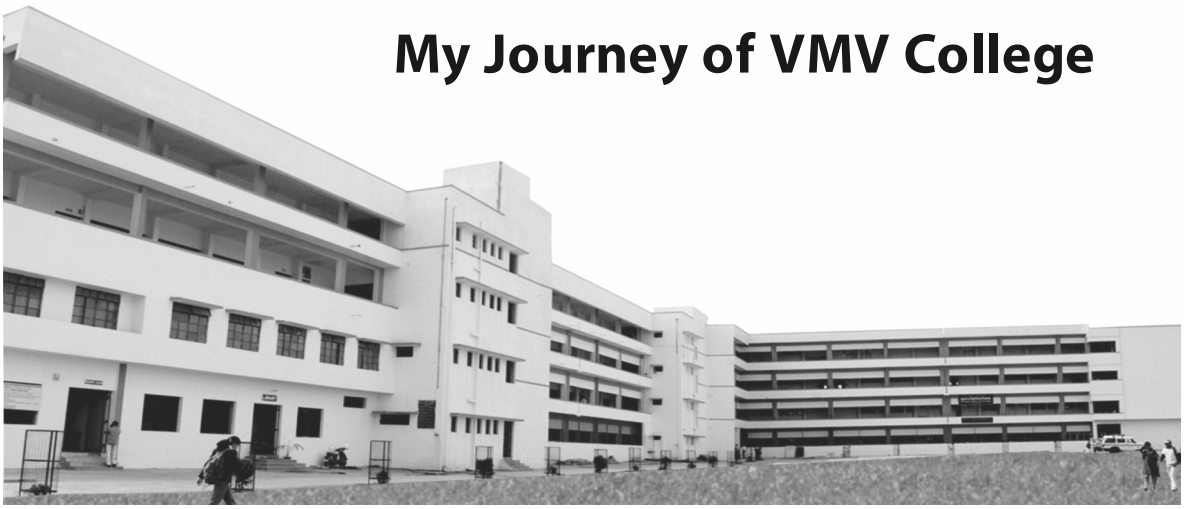

My name is Rahul Ravi Chauhan, and I am Currently pursuing BSC Second year with VMV College 9 as my mayor at VMV chemistry joined the college in college is the year 2024 Simple dream with a gaining knowledge and building. a strong foundation of my future. At that time, I was a very normal and quiet student, insure of what opportunities awaited me. However, my Journey at VMV college soon transformed me in ways I never expected.

The environment of the college, along with the Constant support and encouragement from my teachers and senior, helped me grow both academically and personally. Their guidance motivated me to step forward, participate actively and take responsibilities. Today, I feel proud to serve my college in various leadership roles. I am Currently the President the NSS unit, Vice President of the green club unit, secretary of the chemistry Department and also the secretary of the student council. for the 2025-26 session. Holding these positions has taught me valuable lessons in leadership, responsibility, team walk and cooperation with others. I was deeply honored to be awarded. Best NSS student of the year for the session 2024-25 in my first year, standing out among more than 200 dedicated volunteers - an achievement that continues to motivate me to serve society with greater commitment

Before joining college, I was a shy student until my 12th grade. But after becoming sing part this institution, I gradually gained confidence mace with my classmates and students interacting mace ma and students from other departments. The. friendly and supportive atmosphere of the college helped me to overcome my hesitation. Today, I that I am well known and feel happy appreciated by my fellow students.

VMV College provides not only academic education but also numerous opportunities for overall. development. I actively participated in many and competitions as Competitions, PPT presentations, poster competitions and garba competitions. These events helped me to enhance my confidence, creativity and Communication Skills. One of the proudest moments of my college life was winning the first prize in the science model competition. It was not only a personal achievement but also a. proud moment for my chemistry department.

Looking back, I realize that VMV college has played significant role in shaping personality and building my confidence. It transformed me from a shy a shy student into a responsible individual and a leader. I am deeply grateful to my teachers, mentor, senior and friends who continuously supported and encouraged me throughout my journey.

My merrage to the juniors is simple: never heritate to participate in activities, take responsibilities. and emplore new opportunity College life only about is not only about studying but also discovering your true potential. VMV College has truly become a place where students grow, learn and create a bright future.

Rahul Ravi Chauhan
BSC-Sy chemistry (Non-Grant)
Secretary, Student Council, VMV college

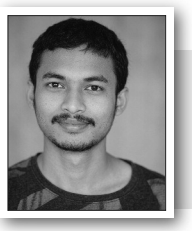

Chhatrapati Shivaji Maharaj

Chhatrapati Shivaji Maharaj 1630-1680 was a legendary Maratha warriors king who founded the Maratha empire in western Indian.

Born at Shivneri fort : he Pioneered guerrilla warfare ' ganimi kava ' against the Adil Shahi sultanate and Mughal Empire ground Chhatrapati in 1674 Raigarh. He established an efficient, inclusive, administration,a strong navy and championed religious tolerance and swarajya (self rule.)

Birth & early life Born 19 February 1630 or (1627) to shahaji bhonsale and jijabai.

His mother's instilled strong ethical values. while mentor Dadoji konddev trained him in administration and combat.

Founder of swarajya : He rebelled against Deccan sultanate, conquering key forts like torna and Pratapgarh, establishing an indipendent kingdom.

Guerrilla warfare : He successfully used guerrilla tactics against larger armies of Afzal Khan and mughal emperor strategist

Coronation : He was crowned the formal sovereign or ' Chhatrapati' of the Maratha kingdom at Raigad fort on 6 June 1674. Shivaji maharaj was famous for using guerrilla warfare (ganimi kava) stretegy with this method he attacked enemies suddenly and used mountains and forests for protection.this strategy helped him defect powerful enemies like the mughal empire and AdilShahi rulers.

One of the famous incident in shivaji Maharaj's life was his meeting with Afzal Khan at Pratapgarh fort in 1659. Afzal Khan tried to atack shivaji maharaj secretly,but Shivaji Maharaj protected himself with courage and defeated him.

Shivaji maharaj also understood the importance of the Navy. He built a strong noval force to protect the Konkan coast from foreign invaders like the Portuguese and siddis this shows his for sighted vision.

Administration coronation & ideals

: Shivaji maharaj was not only a brave warriors but also a great administrator. He created a strong system of government.

He appointed ashta Pradhan Mandal, (council of eight minister's) to manage the kingdom.

Some important ministers were :

Peshwa - prime minister

Amatya- finance minister

Senapati- Army chief

Panditao - Religious head

Shivaji maharaj always respected women and treated them with dignity. He strictly punished anyone who disrespect women. He also respected all religions and never forced anyone to change their religion.

In 1674, Shivaji maharaj was crowned as king at Raigad fort. This ceremony made him officially Chhatrapati (emperor.)

The coronation was an important event in Indian history because it marked the establishment of an independent Hindu kingdom.

Abhijeet Datta Dhon
B.A 2nd year (Marathi literature)
Mo.: 9322240897
Subject : A E C

Skills are more important than marks

In today's time, most students focus main day on marks, they think that getting high marks means success. marks are important because they us get good opportunities, like admission or jobs. but marks alone cannot guarantee success in life. to succeed, we also need important skills.

skills include communication, time, management, teamwork and problem-solving these skills help us in real- life situations. for example, a student may have good marks but not be able to pick confidently or work with others. this can create problems in jobs and daily life. many students study only to score marks and not to understand to learn useful things. because of this, they may do well in exam but face difficulties later. college is not just for passing exams, but for learning new things and improving ourselves. if is the right time to buld confidence and develops skills. marks give us a starting point, but skills help us grow and move forward. So, education is not just about marks, but about becoming a smart and capable person.

Bhumi Parsiya
B.A 2nd year (Eng)

Chhatrapati shivaji maharaj

Need for navy : shivaji maharaj raised a navy to protect the konkan coast form foreign invarelers like the siddis Portuguese English and dutch.

Vision : maharaj had recognized that he who rales the seas is all powerfull

Establishment of the navi : They builts ships in places like kalian, bhiwandi and Goa and recruited local konkan sailors into the army

Sea forts : They builts imparnts sea forts like sindhudurg vijandry,colaba,khanderi to protect the konkan coast.

Structure : Their fleet consisted of more than 500 shipsincluding type such as sloops galleys and sails.

Key admirals : sarkhel, mayanak, bhandari and sarkhel kanhoj angree led the Maratha fleet.

Father of Indian navy : chhatrapati shivaji maharaj is recognized for buiding first strong Maratha navy in the 17th century to protect the konkan coast.

Strategic vision : He recognised that he who rules the sea is all powerful and established a navy to counter foreign power like the British Portuguese and siddis.

Maratha navy : the Navy had over 500 ships Gurab, gulbar pal and was largely manned by local konkani, Sailors, skilled in coastal warfare.

Sea forts : He constrvetec legendary sea forts like sindhudurg and Vijay durg which served as strategic maval bases.

Birth : born on May 14,1647, at purndar fort to Chhatrapati Shivaji Maharaj and saibai.

Reign : second second Chhatrapati of Maratha empire (1681-1689)

Military strategies : known for his fearless aggressive was tactics against Mughals siddi's and Portuguese, ensuring the kingdoms survival after shivaji maharaj.

Scholarship : authored several books including budhbushan in sanskrit and literary work in hindi like soatstak and nakhshika.

Murtyrdom : in 1689, he was captured by mughal forces he refused to accept islam and bow to aurangjeb enduring over go days of brutal to rule before being executed on March 11, 1689, in tuljapur.

On Goals : When you short toving your don't see obstacles only the path ahead.

Swikruti Sonkusre
B.A 2nd year 4th sem
7666707324

Chhatrapati Shivaji Maharaj

Chhatrapati Shivaji Maharaj was born from a young age, Shivaji was inspired by stories of the Ramayana and Mahabharata, as well as tales of brave Hindu warriors his mother jijabai thought him values like coverage, justice and respect for all religions he is guardian and teacher, Dadoji konddev trained him in administration, horse riding, sword fighting and military practice the compaign (1659) The AdilShahi government of Bijapur, under Badi Begum, sent abzal Khan, a large and ruthless general, to eliminate Shivaji, who was rapidly expanding his influence. the setup Khan Marched towards why destroying temples (including Pandharpur) to lure Shivaji into open battle knowing they couldn't beat his Hajj army in open warfare, Shivaji moved to the heavity fortified Pratapgarh.

Shivaji secure vast weaponary and increased his influence building the foundation for the Hindu swarajya on November 10, 1659, Chhatrapati Shivaji Maharaj killed Bijapur general Afzal Khan near pratapgad fort Chhatrapati Shivaji Maharaj was born on 19 February 1630 at Shivneri fort.

His father, Shivaji Bhosle was a skilled warriors and administrator who served the Deccan Sultanates 0f Bijapur and ahmadnagar. Due to his father's Duties, Shivaji spent most of his childhood under the guidance of his mother, jijabai.

Jijabai was not just a mother but also a moral teacher and guide.

She told him stories of great heroes like lord Rama and Arjuna, which inspired Him to fight injustice and protect his people she planted in him the idea of ' swarajya '- self rule free from foreign domination . Chhatrapati Shivaji Maharaj was born in a time when India was political unstable.The mughal empire was expanding aggressively, while the Deccan Sultanates (Bijapur, Golconda) Were weakening .

these victories were achieved not just by strength but by intelligence, planning, and local support. shivaji gained the trust of farmer and villages by protecting them and reducting taxes one of the most famous events in his life was the encounter with observe Khan in 1659 at Pratapgarh fort.

Afzal Khan try to kill Shivaji during a meeting, but Shivaji,

Chhatrapati Shivaji Maharaj is remembered as a brave warriors, visionary leader, and just ruler, his life teaches about coverage, leadership, and the importance of freedom.

Even today, the is a source of inspiration for millions of people in India and around the world.

This event is known as the coronation aap Shivaji Maharaj ki took the little of 'Chhatrapati' meaning supreme ruler.

Shivaji established strong and organised administration system. he created council of eight minister called the ashta Pradhan Mandal, where is minister had specify responsibilities like finance, defence and foreign affairs.

He promoted the use of Marathi and Sanskrit in administration instead of persian. Shivaji also had conflicts with the Aurangzeb of the Mughal empire in 1666, Shivaji was invited to Agra but was placed from under house arrest.

However, the cleverly escaped form capability using intelligence and planning, which is considered one of the most daring escaps in history. Chhatrapati Shivaji Maharaj, the founder of the Maratha empire. passed away on April 3 1680 at the age of 50 at Raigad fort. Maharashtra, following a servers illness involving fever and dysentery.

He is that which occurred around non on April 3, was a major, sudden block to the Maratha empire. date of death 1680,

Location : Raigarh fort Maharashtra

Cause : reparted illness (fever and dysentery bloody flux)

Age : is approx 50 years born February 19 ,1630

Lavanya Girish Shinde
B.A 2nd

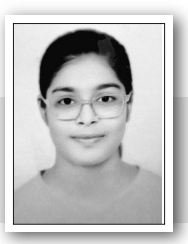

Chhatrapati Shivaji Maharaj of childhood

Chhatrapati Shivaji Maharaj childhood was a foundational period.that shaped his future as a visionary leader and the founder of the Maratha empire. born into a time of political, instability, his up bringing,was designed to install bravery , justice and the desire for self rule here are key aspects of Chhatrapati Shivaji Maharaj childhood.

Birth and family background :

Shivaji was born on February 19,1630 (some account suggest 1629), at the Shivneri fort. Near Pune in Maharashtra.

Parents he was the son of the shivaji's Bhosle prominent Maratha general, and jijabai, a highly intelligent and reslient women early life conflict because , of shahaji served the sultanate of Bijapur and was often.away, shivaji was often away, shivaji was raised primarily by his mother, jijabai, in the volatile surroundings of the Pune region on 19 February 1630 Shivaji Maharaj was born in a Maratha family of Shivneri fort Maharashtra.

His stredfastness, bravery and dominance served as examples for all who come after him his courage who fought against injustice to promote the welfare of the palace. Shivaji maharaj was regarded as a brave warriors.

Who employed novel military strategies and was a skilled.

Administrator when he was a child be used to read the glories stories of Mahabharata and Ramayana he not only internalised the solid and robust traits of the ideal Hindu's character but also adhered to their teachings from these two epics he never learnt to submit to authority figures.

Shivaji maharaj and his empire

His quickly mastered the varieties of survival and combat techniques and adjusted them to world reality in order to build to fight and subdue the adversaries who were in close proximity to his redem. every day, the Maratha empire get more potent thanks to his power and bravery.he liberated regular people from oppressars earning hime a reputation as a freedom fighter, he concentrated his efforts of the modern age.

Childhood of shivaji Maharaj

Shivaji Raje recived a good education form his parents when hi was a little child his were unmatched. Along with religious institutions, he studied all the techniques for combat he inherited as a child that everyone is created equal, regardless of cast or religion he engaged in severd .wars and liberated humanity from the oppression of numerous tyrants.

Childhood companions :

During his childhood he gathered like minded companions from the maval region, who became his loyal followers and later the backbone of his army.

Shivaji maharaj's childhood was cultured and conflicted under the guidance of jijau ,his personality was shaped by patriotism from the stories of rama and krishna and by learning the art of war. And strategy in the company of brave warriors.

Kirti Raju Chauhan
B.A 2nd year (M)
4th sem

My College life

College life is one of the most important and memorable phases. Of a student's life It is a time we step out of the protected environment of school and enter a new world full of opportunities, Challenges, This phase plays a vital role in shaping our future and personality.

My college life has been a wonderful journey filled with learning , growth and Unforgettable experience. On the first day of college I felt both excited and nervous, as everything was new to me the campus,the teachers , and the students.

Gradually, I adjusted to the environment phase and started enjoying this phase of life.

In College I have made many good friends who have become an important part of my life. We study together.

Together share ideas and support each other in difficult time the bond of friendship in college is very special and creates memories that last forever.

The teachers in my college are very supportive and knowledgeable they not only teachers academic subjects but also guiders in making the right decision in life there encouragement helps us to build confidence and stay focused on our goals.

College also provides many opportunities to participate in different activities such as seminars, workshop, cultural program and field visit. This activities help in improving our skills and broadening our knowledge beyond text books.

College life is not only about studies, it is also about personal development during this time we learn important life skills such as communication, team work, time management and problem solving, we also become more independent and responsible for our action, this phase help us understand our strengths and weakness and motivates us to improve ourselves.

There are also many challenges in college life such as managing studies, personal responsibilities however, these challenges make us stronger and prepare us to face real life situations with confidence.

In conclusion, my college life is a very special and valuable part of my journey.it has given me knowledge, confidence and beautiful memories.the lessons I am learning during this time will help me achieve my goals and build a successful future.

Thank you

Chandani jagesh Gahne
B.A 2nd year

The future of artificial intelligence

Artificial intelligence (AI) is no longer just a futuristic idea; it has become a powerful reality shaping ovn present and future.from smartphones to smart homes, AI is everywhere. As we move ahead , AI will continue to influence every aspect of human life, making it one of the most important technologies of the 21st century

'AI IS NOT THE FUTURE - IT IS THE PRESENT SHAPING TOMORROW'.

IN the coming year, AI will being revolutionary changes in different sectors. In healthcare AI will help doctor detect disease early and provide better treatment.In education,small learning system will help student understand

Concept easily and learn at their own Speed. AI makes learning and healthcare smarter and move efficient.

' Smarter machines,better lives.'

The buisness word will also transform with AI. Automation will reduce human effort in automation will reduce human effort in repetitive task and increase productivity. However. this also create a challenge as some jobs may disappear at the some time new jobs in AI and technology fields will be created.

' AI changes job ,but also create new opportunity '

' Adapt with AI or be left behind.'

Aachal Usarbarse
B.A. 2nd Year (Hindi)

Chhatrapati Shivaji Maharaj

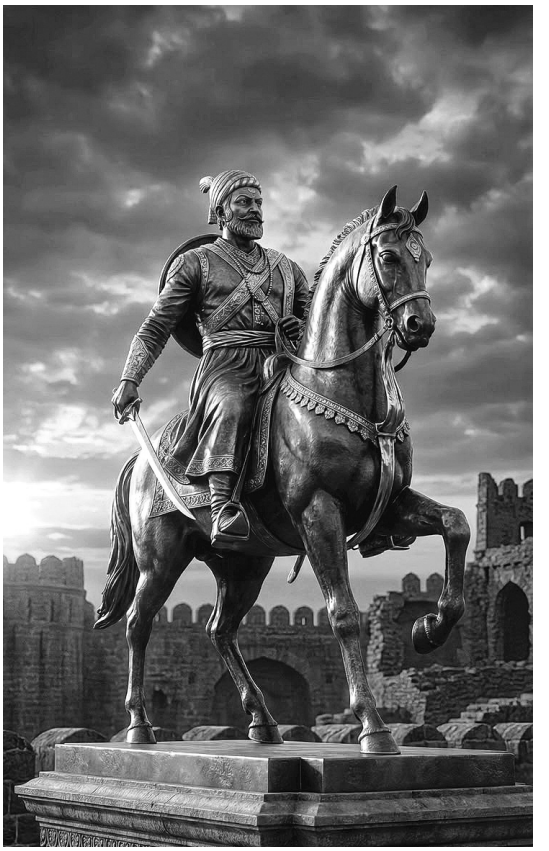

Chhatrapati Shivaji Maharaj 1630-1680 was jegendary Maratha warrior king who founded tha Maratha empire in

Western india, resisting mughal and Bijapur rule born at shivaji fort he pioneered

Guerrilla warfare c,, mountain rat facics, captured key first by age 16, and was crowned at Raigad IN 1674, known for progressive administration and religious tolerance.

Key aspects of Chhatrapati Shivaji maharaj birth and family born on February 19, 1630, at Shivneri fort nedr Pune OF shahji bhosale and jijabai .

Military genius

Developed, in a loyal following from the maval region and specialised in guerrila tactics (ganimi kava) against larger enemy forces.

Rise to power

Captured torna fort at age 16, followed by kondana (Sinhagad) and Pandharpur, using the wealth to build the new capitals, Raigad.

Coronation : crowned on June 6, 1674, at Raigad fort as ' Chhatrapati' (sovereign) , forming a sovereign Hindu state known as hindavi swarajya.

Administration and values :

Established a Ashtha Pradhan (council of eight minister's) promoted women's rights, and enforced strict ethical codes for his soldiers.

Naval Pioneer :

Known as the father of the Indian Navy for establishing a strong noval force and costal forts to secure the Konkan region.

Death : passed away on April 3, 1680, at Raigad fort.

His legacy remains a symbol of bravery, justice and self rule (swarajya) in india.

Short & powerful shivaji maharaj quotes on leadership :

' Leadership is about empowering others not imposing authority.

On strategy : ' Do not think of the enemy as weak, but do not also overestimate their strength. '

On courage : ' courage is not the absence of fear but the triumph over it.'

On wisdom : ' wisdom is the sword that triumphs over might.'

On Goals : ' when you start toving your goals, you don't see obstacles, only the path ahead.'

Self Reliance : ' Self - confidence provides strength and power impacts knowledge.'

On Integrity : 'Respect is earned through actions, not tittes.'

On Nationhood : Nation first,then your Guru ,your parents and finally your God.'

These guates reflect his focus on character valar, and ethical governance.

Leena Narendra Butle
B.A 2nd year 4th sem

Bhagat singh

Introduction-

Bhagat Singh was one of greatest freedom fighter of India. He was born on 28 September 1907 in Banga Village Punjab (now in Pakistan). He was a brave and intelligent revolutionary who fought against British rule in India. Bhagat Singh loved his country very much and sacrificed his life for the freedom of India. Even today, he is remembered as a symbol of covered and patriotism.

Bhagat Singh believed that India should be force from British rule and that people should have equal rights, He inspired many people of fight for the independence of India.

Early life

Bhagat singh was born into a patriotic family, his father Kishan Singh and uncle Ajit singh were also freedom fighters. Because of this, Bhagat Singh grew up in an environment where people talked about freedom and independence.

When bhagat singh was a child, he was very curious and intelligent. He loved reading books about history and revolution. When he was only 12 years old, he visited the place of the Jalianwala Bagh massacre in Amritsar. This incident made a deep impact on his mind and increased his anger against British rule.

From that time he decided that he would dedicate his Life on the freedom of India.

Revolutionary Activities

Bhagat Singh joined revolutionary groups during his youth. He believed that strong action was necessary to remove British rule from India. He become a member of the Hindustan Socialist Republican Association, which worked for India's independence.

In 1928, a protests was organised against the Simon Commission. During this protest, the police attacked the protesters and injured the famous leader Lala Lajpat Rai, who later died because of the injuries.

Bhagat singh and his friends decided to take revenge. In 1928, Bhagat Singh and Shivram Rajguru shot a British officer named John Sanders.

Later in 1929, bhagat singh and Batukeshwar Dutt threw bombs in the Central Legislative Assembly.

Their aim was not to kill anyone but to protest against British laws and move the government hear the voice of Indians. After throwing the bombs they shouted the slogan "Inqilab Zindabad" and surrendered themselves to the Police.

Imprisonment and Martyrdom

After the bombing incident, Bhagat Singh was arrested and put in Jail. During his time in prison he protested against the unfair treatment of Indian Prisoners. He and other prisoners started a hunger strike demanding equal rights.

Bhagat Singh became very popular among the people of India. Many people supported him and government decided to punish him.

Finally on 23 march 1931, Bhagat Singh, Shivram Rajgure and Sukhdev Thaper were hanged by the British Government in Lahore Jail. They sacrificed their lives for freedom of India because of ……..

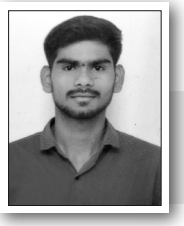

Pranay Anand Dandekar
B.A. Sec 4 Sem.

Chandrashekhar Azad

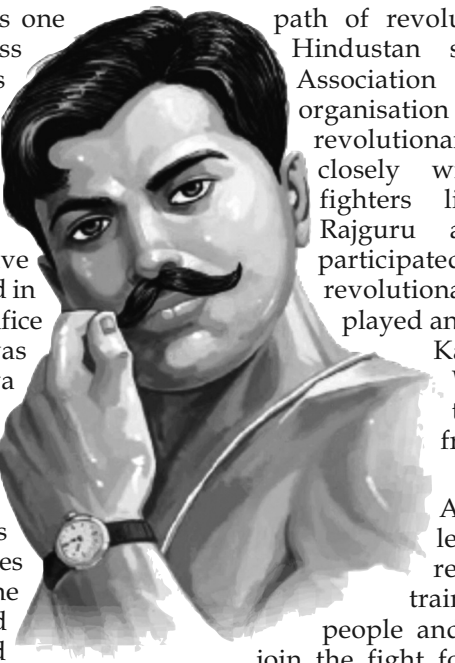

Chandrashekhar Azad was one of the greatest and most fearless freedom fighter of India. He is remembered for his bravery coverage and strong determination to make India free from British rule. His life story inspire millions of people especially the youth to be brave and patriotic. He always believed in freedom and was ready to sacrifice his life for the country. He was born on 23 July 1906 in Madhya Pradesh. His father's name was Sitaram Tiwari and his mother's name was Jagrani Devi. His Mother played on important role in shaping his character and teaching him values like coverage and love for the nation. From his childhood Azad was fearless, active and physically strong. He was a very fond of outdoor activities like a wrestling running and archery.

For his education he went to Varanasi which was an important centre of learning and culture. During that time, India was under British rule and people wear facing many problems and injustices. These situations deeply affected young Azad and filled his heart with anger against British rule. He developed a strong feeling of patriotism and decided to make a take part in the freedom struggle.

In 1921 when Mahatma Gandhi started the non-cooperation movement Chandrashekhar Azad actively participated in it, even though he was a very young. He was a arrested by the British police when he was presented in court, the judge ask his name and he boldly replied "Azad" he also side his father's name was "freedom" and his father's name was freedom and his address was "Jail". This fearless reply surprised everyone and from that day, he become famous as Chandrashekhar Azad. He also took a strong. How that he would never be captured alive by the British.

After the withdrawal of the Non-Cooperation Movement, Azad choose the path of revolution He joined the Hindustan socialist Republican Association (HSRA) an organisation of brave revolutionaries. He worked closely with great freedom fighters like Bhagat Singh, Rajguru and Sukhdev. He participated in many revolutionary activities and played an important role in the Kakori Train Action. Which was carried out to get funds for the freedom struggle.

Chandrashekhar Azad was a great leader and disciplined revolutionary. He trained many young people and motivated them to join the fight for independence. He believed in unity and always encouraged others to be brave and dedicated to the nation. His leadership qualities and fearless nature made him one of the most respected revolutionaries of his time.

On 27 February 1931 Chandrashekhar Azad was in Alfred Park in Allahabad when the British police surrounded him. He fought bravely against them for a long time. He did not give up and continued fighting till his last breath. When he realized that he had only one bullet left and could be captured. He choose to sacrifice he life rather than surrender, thus keeping his promise.

Chandrashekhar Azad is remembered as a true hero as a symbol of courage and sacrifice. His life teaches us to be honest. Chandrashekhar Azad was a brave freedom fighter of India. He was a brave known for his courage and love for the country. He will always be remembered for his sacrifice and dedication.

Nidhi Arjun zade
BA 2nd Year (Marathi literature)
Subject:- H EC
Mo.: 7709 37 3772

The freedom we enjoy!

Three words are flying in the joy everywhere!

Squirrels in a shrill voice play everywhere!

They are children of nature enjoying freedom!

We have created plane to fly and music to dance; yet without material aid we can't do these feat to overcome our limitation by mental power!

The power and freedom we enjoy our nothing before the nature power and freedom they enjoy !

But the comforts we enjoy have made us slaves.

Yes, we are slaves of the material word forever living artificial life more than natural life long unable to excel nature's power in my way!

Knowing this we have to live in harmony with all in nature to enjoy great joy and peace in freedom!

Anita yerne
B.A 2nd year

Nature

Nature encompassed all non human made physical elements, including Ecosystem, including wildlife landscapes and natural resources like water and air. It signifies the invent character of the universe and includes elements like space, air, fire, water and Earth. Synonyms include the environment, wilderness, the elements and the physical world.

Key usage Examples of Nature

Envioronmental Interaction : Liking in forests Swimming in Rivers, on appreciating the scenery of mountains

Scientific study : Observice Ecosystem throught apps like Naturalist to track species and understand wildlife.

Psychological well – being : Experiencing improved mental health through "Nature Connectedness, "Which Involves an Emotional bond with the natural world."

Observation : Watching birds, smelling flowers or Experiencing Weather phenomena.

Synonyms and Related concepts

Enviroment : The Surroundings in which people, animals and plants live.

The Physical World : Everything not constructed by humans

Wildness : Untamed, natural areas

Biosphere …… : The regions of the surface and atmosphere of the earth occupied by living organisms.

Nature is after viewed as a "non returnable blessing " that provider resource such as food and oxygen making it essential to human life.

Pratibha Sureshchandra Gupta
B. A. 2nd Year (H)

The path we walk

Life is maze of shadows and light.
a winding road not always bright.
with storms to face and hills to climb.
each heartbeat walks in step with time .
Dreams don't fall like stars at night,
You chase them throught both fear and fight ,
The trial is tough, the burden real ,
But every scar begins to heal .
Throught trials that test the soul and bone,
You'll often find you walk alone.
But whole your brown don't lose your way do tarkest nights birth brightest day.
Like seeds sown deep beneath the field,
Hard work hites it's unseen yield.
But when the Strom and sun align,
It blooms in strength , Right on time.
Failures strike like falling snow,
Quiet, soft, yet heavy though.
But hearts that burn like rising sun,
Will melt the weight and still out run.
With strength in the soul and steady peace,
Embrace the path, no need to race.
The once who fall, then rise again,
Hold their dreams through loss and gain.
The crown is not for those whorest,
But for the souls who gave there best.
In every tears ,in every fall,
A whisper says : you've come through all.

Nilam Rajkumar shahu
B.A (ENG NG)
English -1st year.

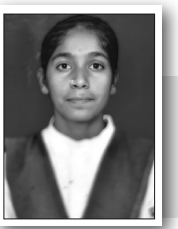

Little Bird Queen!

Little bird, little bird,
you are so lovely, so sweet.
all day long you sing you song, flying high in the sky so free.
In the morning, fresh and bright,
you wake up with the sunlight. chirping softly, chirping loud,
Dancing above the clouds.
Building nest upon the tree,
Happy as you can be .
Jumping, hopping,here and there,
Spreading joy everywhere.
Little bird, little bird,
Stay so cheerful,stay so free.
Sing your song so happily,
And fly across the sky with glee.

- Unknown writer

Priyanshu R. Gillor
B.A 1st Year
(Major English)

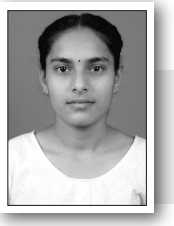

The fish is the queen of water

The fish is the queen of water,
water is her life,
if you touch her she gets scared,
if you take her out she will die,
she is swims her and swims there,
moving gentle he everywhere,
which shiny scale and tiny fins,
dancing softly as she spines,
in rivers pond and ocean deep,
sheep place all day and doe not sleep,
water keeps her safe and free,
happy as a fish can be.

Unknown writer.....

Bhumika V. devasi
Class : B.A 1st year
(major English)

Little - बंदर मामा (monkey uncle)

Uncle monkey put on pajamas
went to the garden for rasgulla to eat.
he wear a kurta, hat, and shoes,
and went proudly to show off.
A rasgulla come to his mouth,
He bit it had and his tongue got burnd-oh no!
Uncle monkey run home
Crying all the way back,
Threw away his hat, hung off his shoes,
Oh dear, his tongue is burned!
XYZ.....

Dwarka B. Hazare
B.A 2nd year
(major English)

Uncle Moon

Uncle Moon is far, far away,
Cooking sweet treats of all kinds.

He eats his meal from a large plate,
But gives the little one a small bowl.

The little bowl ended up breaking,
And the little boy started sulking.

We will bring brand new bowls,
Clapping our hands with joy.

We will cheer up the little boy,
And we will eat milk and cream together.

– Unknown writer

Nikita M. Lilhare
Class: B.A 1st Year
(Major – English)

My School

My school is a place so bright,
Full of learning,joy and light.
Teachers guide us every day,
Helping us along the way.
Friends we meet and games we play,
Making memories day by day.
Books and lessons fall and rule,
All come together in my school.
From morning bell to closing time,
Every moment feels to fine.
My school is where I learn and grow,
A better person,this I know.

- Unknown writer

Darshana Sharad Shelke
B.A 1st year
(english medium)
(English literature)

Departmental Report 2025-2026

Department of Commerce

Sr. No	Name of Activity	Date
1.	Online smart investor Awareness Programme	**28th July 2025**
2.	Induction Program – **B.Com. Ist year**	**30th July 2025**
3.	Company Secretary as Career	**31st July 2025**
4.	Installation for Study Circle	**13th August 2025**
5.	Quiz competition	**19th November 2025**
6.	Book Festival Visit	**26th November 2025**
7.	Management Game	**3 December 2025**
8.	Interface Program	**5th December 2025**
9.	How to Become CA	**16th December 2025**
10.	Group Discussion	**17 February 2026**
11.	Industrial Visit	**02 March 2026**

Departmental of Humanities

Sr. No	Name of Activity	Date
1.	Inauguration of Induction programme and Humanities Study Circle	14.08.2025
2.	Teachers Day Celebration	05-09-2025
3.	Screening Test	09.09.2025
4.	Rashtrasant Tukdoji Maharaj Punyatithi	11-11-2025
5.	Visit to National Book Festival	25-11-2025
6.	Educational Tour at Sewagram and Paunar	28-03-2026

Computer Department (B.Sc. DS, B.Sc. CS and B.Com CA)

Sr. No	Name of Activity	Date
1.	Byte Battle – The Ultimate Tech Quiz Competition	06-Mar-2026
2.	Add-On Course Embedded Intelligence: From Sensor to Solutions.	09-Mar-2026 to 14-Mar-2026
3.	Workshop On Mutual Fund Agent	14-Feb-2026
4.	Workshop On Travel Consultant	06-Mar-2026
5.	Tech Fest	16-Mar-2026 to 20-Mar-2026

Department of English

Sr. No	Name of Activity	Date
1.	Interface	11 September, 2025
2.	Certificate Crash Course – Fundamentals of English Grammar	3 December to 13 December 2025
3.	Essay Competition	13 March 2026
4.	Certificate Crash Course – Business Correspondence	6 April to 18 April 2026
5.	Screening of movie	15 April 2026
6	World Language day	23 April 2026

Department of Hindi

Sr. No	Name of Activity	Date
1	हिंदी दिवस संवाद	14 सितंबर 2025
2	लोकमत समाचार समूह को शैक्षणिक भेंट	13 नवंबर 2025
	स्नातकोत्तर हिंदी	
1	निबंध प्रतियोगिता	10 सितंबर 2025
2	हिंदी दिवस कार्यक्रम	23 सितंबर 2025

Department of Marathi

Sr. No	Name of Activity	Date
1	रचनात्मक लेखन	16 सप्टेम्बर. 2025
2	राष्ट्रीय पुस्तक प्रदर्शनाला वियार्थ्यांची भेट	25 नोव्हेम्बर 2025
3	मराठी भाषा संवर्धन पंधरवडा	3 ऑक्टोबर ते
		9ऑक्टोबर 2025
4	मराठी भाषा गौरव दिन	27 फेब्रुवारी 2026
		9ऑक्टोबर 2025
4	मराठी भाषा गौरव दिन	27 फेब्रुवारी 2026

Department of History

Sr. No	Name of Activity	Date
1.	Students visit at Nagpur Book Festival, Reshimbagh.	27.11.2025
2.	Chatrapati Shivaji Maharaj Jayanti	20.02.2026

Department of Political Science

Sr. No	Name of Activity	Date
1.	Constitution Day	26.11.2025
2.	Students visit at Nagpur Book Festival, Reshimbagh.	27.11.2025
3	Vidhan Bhavan Visit at Nagpur	12.12.2025

Department of Economics

Sr. No	Name of Activity	Date
1	Students visit at Nagpur Book Festival, Reshimbagh.	25.11.2025
2	PPT Competition	02.04.2026
3	Guest lecture on Union Budget-26	10.04.2026
4	Students' Seminar	17.04.2026

Departmental of Home Economics

Sr. No	Name of Activity	Date
1.	स्तनपानाचे महत्त्व या विषयावर रील (Reel) स्पर्धा.	01 ऑगस्ट 2025
2.	जागतिक स्तनपान सप्ताह निमित्त रॅली.	11 ऑगस्ट 2025
3.	माझा आवडता पौष्टिक पदार्थ या विषयावर आंतरमहाविद्यालयीन निबंध स्पर्धा	20 सप्टेंबर 2025`
4.	Aesthetic of table service या विषयावर एक दिवसीय आंतर महाविद्यालयीन प्रशिक्षण कार्यशाळा	9 ऑक्टोबर 2025
5.	Visit to Nagpur book festival	25 नोवेंम्बर 2025
6.	कौशल्य विकासांतर्गत मेंदी उपक्रम	06 मार्च 2026
7.	कौशल्या विकास उपक्रम अंतर्गत पौष्टिक केकवर कार्यशाळा	09 मार्च 2026
8.	ताज्या किंवा कृत्रिम फुलांचे दागिने तयार करण्याची स्पर्धा	14 मार्च 2026

Department of Mathematics

Sr. No	Name of Activity	Date
1	Guest Lecture	01-04-2026
2	Add-On Course	16-03-2026
3	Smart Recycling Mathematical Project	27-03-2026
4	Seminar Competition	16-12-2025

B.Voc Department
(Acting, Theatre & Stage Craft)

Sr. No	Name of Activity	Date
1	**TEACHERS'S DAY CELEBRATION** Scene work presentation by third year students of the play named - **VIRASAT** by renowned playwright **MAHESH ELKUNCHWAR**	04/09/2025
2	**MARATHI RANGABHUMI DIWAS** On the occasion of Marathi Ranagabhumi Diwas, students and faculties celebrated the day with great enthusiasm by various performances.	05/11/2025
3	**KHASDAR SANSKRITIK MAHOTSAV 2025** Participation in Khasdar Sanskritik Mahotsav,Nagpur Students of first & second year with the Hod Asst.Prof.Shweta Patki participated in a Drama Based on "Rashtrasant Tukadoji Maharaj" organized by Khasdar Sanskritit Mahotsav.	10/11/2025
4	**SANVIDHAAN DIWAS** On the occasion of Sanvidhan Diwas, a play Named Sanvidhan Shilpakaar was presented by the students and was hugely appreciated by the viewers.	26/11/2025
5	**STATE LEVEL HINDI DRAMA COMPETITION** Students of the department participated in State Level Drama Competition organized by Mharashtra State Government. A play named "Jab Shehar Humara Sota Hai" written by renowned playwright Piyush Mishra was successfully presented in Nagpur. The play was directed by faculty member Sanchi Jiwane	07/02/2026

MCA Departmental Report

Sr.No.	Name of Activity	Date
1.	Box Cricket 2025-2026	24 to 25 Nov. 2025
	Student Induction Program 2025-2026	
	National and International skill speaker by Mr. P. A. Varhadpande	20/09/25
	Communication Skill by Dr. Susheel Gadekar	22/09/25
	Statistics and Research by Dr.Janmejay Shukla	23/09/25
	Personality Development by Dr. Krunal Parekh	24/09/25
2.	Motivational speaker and Singer by Mr. Kailash Tankar	25/09/25
3.	Navratrotstav	27/09/25
4.	Freshers and Farewell Party @ Nakshatra Banquet, Nagpur.	4/10/25
5.	One Day Tour @ Dongargarh	18/12/2025
6.	ICAM's Karoake Contest	27/03/2026
7.	Career Opportunities By Mr. Rahul Gadge , Career Counsellor	09/03/2026

Library Program for Shabdangan 2025-2026

Sr. No	Name of Activity	Date
1.	Library Orientation Programme : BCCA 1st yr	15 July 2025
2.	Library Orientation Program : B.Sc 1st yr (Zoology Dept.)	05 August 2025
3.	Dr. S.R. Ranganathan Jayanti	12 August 2025
4.	Library Orientation Program : B.Sc. 1 & 2 yr (Mathematics Dept.)	13 August 2025
5.	Library Orientation Program : B.Sc. 1, 2 & 3yr (Chemistry Dept.)	18 August 2025
6.	Library Orientation Program : M.Sc. 1 & 2yr (Chemistry Dept.)	18 August 2025
7.	Library Visit Program: B.Sc. (Botany Dept.)	19 August 2025
8.	Book Exhibition: Abhijaat Marathi Bhasha Diwas	08 October 2025
9.	Vachan Prerna Diwas with Dictionary Distribute to students	17 October 2025
10.	Library Orientation Program : Marathi Bhasha Sanvardhan Pandharwada (Marathi Deept) मराठी भाषा संवर्धन पंधरवाडा मराठी विभाग ग्रंथालय भेट	20 January 2026
11.	**निबंध स्पर्धा** -विषयः लोकशाहीत मतदानाचे महत्व/लोकतंत्र में मतदान का महत्व	05 February 2026

Library Best User Student Award 2025-2026

Senior College & Junior College

Sr. No.	Member No	Name Of Student	Class
1	VSR25074	Priya Achhelal Gupta	B.Com (Eng) 1st yr
2	VSR24904	Megha Lukesh Warwade	B.Sc. (CS) 2nd yr
3	VJR25370	Manish Ramesh Suryawanshi	XI Sci
4	VJR24191	Rishabh Chhannu Malghati	XII Com (E1)

निबंध स्पर्धा 05/02/2026

Sr. No.	Member No	Name Or Student	Class
1	VSR25723	Bhagyashri Arun Sonavane	B.Com.(Eng) NG-1st Yr
2	VSR25403	Juhi Tijkumar Sarawa	B.Com.(Eng) NG-1st Yr

Report of College Committee

Training and Placement Cell

Sr. No	Name of Activity	Date
1.	Job Fair	22/07/25
2.	Orientation Programs of the Schemes by the Govt. of Maharashtra (BARTI/TRTI)	11/08/25 to 12/08/25
3.	Setting up of help Desk to register for the Govt. schemes	18/08/25
4.	TCS (NBS) Orientation	10/03/25
5.	TCS (NBS) Registration for BA/B.com Students	10/03/25
6	NIF Foundation	04/02/26
7	Orientation on What Next after B.Sc. by Cancer Institute	25/02/26
8	Seminar on Corporate Interaction followed by Recruitment by Yalamanchili	13/03/26
9	Placement Drive of Umiya Bank, Wardhaman Nagar	27/03/26
10	Internship Drive of Commerce Students to the CA Firms	13/04/26

Research & Development Committee

Sr.No.	Name of Activity	Date
1.	Workshop on "How to prepare PPT"	06/03/2026
2.	Lecture on "Introduction to Intellectual Property Rights"	11/03/2026
3.	PowerPoint Presentation Competition	09/04/2026

Women's Cell

Sr. No.	Name of Activity	Date
1.	जागतिक महिला दिनानिमित्त 'आत्मसंरक्षण' विषयावर अतिथीव्याख्यान	9 मार्च 2026
2.		

Earn and learn Committee Activity

Sr. No.	Name of Activity	Date
1.	Earn and learn committee Activity name exhibition cum- sale on Diwali	16th October 2025

Report of Counselling Cell

Sr. No.	Name of Activity	Date
1.	Guest Lecture	04 August 2025

Sanjeevani Blood Donation Committee

Sr. No.	Name of Activity	Date
1.	Awareness campaign for blood donation and Hemoglobin test	24th, February 2026
2.	Blood Donation camp and Hemoglobin test	25th, February 2026
3.	Counseling for Hemoglobin and Diet	26th, February 2026

List of Add on Courses

(Session 2025-26)

Sr.NO.	Course Name	Duration	Start Date	End Date	Status
1	**Rachnatmak Lekhan** (Students' Annual College Magazine Committee)	30hrs	16th sept 2025	03rd oct 2025	Completed
2	**Self Defence, Skill Focus: Legal / Ethical Overview, Awareness**, Campus Safety	90hrs	4th Aug 2025	31st March	Completed
3	**Crash Course: Fundamentals of English Grammar**	30hrs	3rd Dec 2025	13th Dec 2025	Completed
4.	**Add on course SHIVKAUSHALYA with colabration with RTMNU**	30hrs	16th March 2026	30th March 2026	Completed
5	**Add on course Nirmalya Management, Dept of Zoology**	45 hrs	23rd Feb 2026	18th April 2026	Completed
6	**Crash Course: Business Correspondence**	30hrs	6th April 2026	18th April 2026	Completed
7.	**Add on course Scientific Assessment of soil and water, Dept of Chemistry**	45hrs	9thMarch 2026	04th April 2026	Completed
8.	**Add on Couse Mushroom Cultivation Dept. Of Botany**	45hrs	16th March 2026	29th April 2026	Ongoing

National Service Scheme(NSS)

Session : 2025-2026

Sr.No.	Name of Activity	Date
1	आंतरराष्ट्रीय योग दिवस	21 जून 2025
2	राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यशाळेचे आयोजन	07 ऑगस्ट 2025
3	तिरंगा यात्रेचे आयोजन	12 ऑगस्ट 2025
4	आंतरराष्ट्रीय युवा दिवस	12 ऑगस्ट 2025
5	ऑपरेशन थंडर मोहीम श्वेतपत्र चे अनावरण	20 ऑगस्ट 2025
6	वृक्षारोपण उपक्रम	10 सप्टेंबर 2025
7	राष्ट्रीय सेवा योजना सल्लागार समितीची बैठक	17 सप्टेंबर 2025
8	राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस	24 सप्टेंबर 2025
9	जागतिक पर्यावरण आरोग्य दिवस	26 सप्टेंबर 2025
10	विश्व पर्यटन दिवसानिमित्तनागपूर येथील फ्रीडम पार्क येथे भेट	27 सप्टेंबर 2025
11	शहीद भगतसिंग जयंती कार्यक्रम	29 सप्टेंबर 2025
12	स्वच्छता अभियान उपक्रम	1 ऑक्टोबर 2025
13	विद्यापीठगीतगायनकार्यक्रमातसहभाग	11 ऑक्टोबर2025
14	निबंध स्पर्धा :वंदे मातरम आणि राष्ट्रीयत्व	16 ऑक्टोबर 2025
15	राष्ट्रीय सेवा योजनेचे सात दिवशीय विशेष हिवाळी शिबिर दत्तक ग्राम-कापसीबु.,तालुका -कामठी ,जिल्हा- नागपूर	17 ते 23नोव्हेंबर 2025
16	नागपूर पुस्तक फेस्टिवल भेट	25 नोव्हेंबर 2025
17	जागतिकए*दिनानिमित्तजनजागृती रॅलीचेआयोजन	1डिसेंबर2025
18	आंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस	10डिसेंबर2025
19	राष्ट्रीय युवा दिन	12 जानेवारी 2026
20	नागपूर महानगरपालिका सार्वत्रिक निवडणूक	
2025 -26	कार्यात रासेयोस्वयंसेवकांचासहभाग	15 जानेवारी 2026
21	स्वातंत्र्य सेनानी नेताजी सुभाषचंद्र बोस जयंती	23 जानेवारी 2026
22	रक्तदान जनजागृती रॅलीत रासेयो चा सहभाग	24 फेब्रुवारी 2026
23	रक्तदान व हिमोग्लोबिन तपासणी शिबिरातरासेयो चा सहभाग	25फेब्रुवारी 2026
24	हिमोग्लोबिन व आहार या विषयावर मार्गदर्शन कार्यक्रमाचे आयोजनरासेयो चा सहभाग	26 फेब्रुवारी 2026

Co-Curricular Activities Committee [Session 2025-26]

Sr.No.	Name of Activity	Date
1	Poster Competition	15.08.2025
2	Garba Competition	29.09.2025
3	Essay Competition	13.03.2026
4	Mahanadi Competition	18.03.2026
5	Rangoli Competition	18.03.2026
6	Poster Competition	18.03.2026

Shri Nagpur Gujarati Mandal's

VMV COMMERCE JMT ARTS & JJP SCIENCE COLLEGE

COURSES OFFERED

NAAC RE-ACCREDITED 'B+' GRADE

JUNIOR COLLEGE

FYJC
- **Arts** (**Med**, Hindi, Marathi & English)
- **Commerce** (Hindi, Marathi & English) **& Science** (General & Bifocal)

SYJC
- **Arts** (**Med**, Hindi, Marathi & English)
- **Commerce** (Hindi, Marathi & English) **& Science** (General & Bifocal)

VOCATIONAL COURSES

B.VOC. (Bachler of Vocation)
- Acting
- Theatre & Stage Craft

B.Sc. (Artificial Intelligence)
B.A. (Medium: English, Hindi & Marathi)

SENIOR COLLEGE

CONVENTIONAL COURSES

- **B.Com.** (Medium: English, Hindi & Marath)
- **B.A.** (Medium: English, Hindi & Marathi)
- **B.Sc.** (Physics, Chemistry & Maths Group), (Physics, Computer Science & Maths Group) & (Chemistry, Botany & Zoology Group)
- **B.Sc.** (Data Science)
- **M.Com.** (Master of Commerce)
- **M.A.** (English, Hindi & Economics)

UPCOMITING COURSES

- **B.Sc.** (Artficial Intelligence)
- **B.Sc.** (Cosmetic Technology)
- **B.A.** (Mass Communication)

PH.D. RESEARCH CENTRE FOR COMMERCE & ENGLISH

(Place for Higher Learning & Research)

Yashwantrao Chavan Maharashtra Open University, Nasik (STUDY CENTRE)

- **Master in Business Administration** (M.B.A.)
- **Bachelor of Commerce** (B.Com.) ~ Medium: English & Marathi
- Bachelor of Commerce
- Medium: English & Marathi
- BÁC. (Medium: **Marathi**

Address : Wardhaman Nagar, Central Avenue, Nagpur-440008.
(0712) 2764391 | vmvnagpur@gmail.com
www.vmvjmttjpc.edu.in

Rangoli Competition

Poster Competition

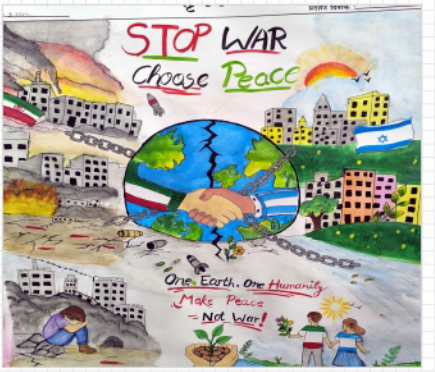

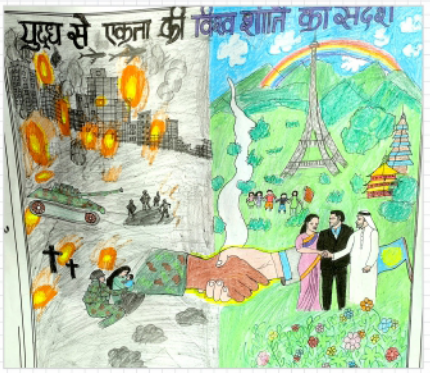

श्री नागपुर गुजराती मंडल
वी.एम. वी.वाणिज्य, जे.एम.टी.कला
एवं जे.जे.पी.विज्ञान महाविद्यालय
वर्धमान नगर, नागपुर-440008

Prashant Designing & Printing Works, Mo. : 8329258505
103, Moraya Appt. Bidipeth, Dattatray Nagar, Nagpur-440024

Number of Copies : 330

VMV
Shabdangan 2025

Scan to Download